केंद्रीय अध्ययन बोर्ड (शिक्षा)

बी.एड. पाठ्यक्रम

कार्यक्रम कोड: 0801

विषय क्रमांक : BED 101 to BED 406

B. Ed. 0801 विषय क्रमांक विवरण

Paper no B.Ed.:	B.Ed. Subject Name:	B.Ed. Subject Code no.	B.Ed. Semester :
Paper 1:	शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य.	BED. 101	B.Ed. Semester I
Paper 2:	नई तालीम: एक प्रायोगिक शिक्षा	BED. 102	B.Ed. Semester I
Paper 3:	शिक्षाशास्त्र भाग I हिंदी का अध्यापन शिक्षण भाषा की शिक्षाशास्त्र अंग्रेजी सामाजिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र गणित की शिक्षाशास्त्र जैविक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र भौतिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	BED. 103 BED. 103 A BED. 103 B BED. 103 C BED. 103 D BED. 103 E BED. 103 F	B.Ed. Semester I
Practicum:	शिक्षण सहायक सामग्री तैयार करना सामुदायिक गतिविधियां	BED. 104 A BED. 104 B	B.Ed. Semester I
Paper 4:	शिक्षा का सामाजिक दृष्टिकोण	BED. 201	B.Ed. Semester II
Paper 5:	सीखने और सीखने की प्रक्रिया	BED. 202	B.Ed. Semester II
Paper: 6	वैकल्पिक I ए) शैक्षिक और मानसिक माप बी) शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन सी) कला शिक्षा डी) पाठ्यक्रम और ज्ञान	BED. 203 BED. 203 A BED. 203 B BED. 203 C BED. 203 D	B.Ed. Semester II
Paper: 7	शैक्षिक प्रौद्योगिकी और प्रबंधन	BED. 204	B.Ed. Semester II

(Dr. Pushpesh Pandey)

DR. NEERAJ PANDEY

Dr. Mohana Sushant Pandit

Practicum:	शिक्षण के कौशल पर सूक्ष्म शिक्षण इंटर्नशिप (4 सप्ताह) स्कूल का अनुभव प्रश्न बैंक की तैयारी	**BED. 205 A** **BED 205 B** **BED. 205 C**	**B.Ed. Semester II**
Paper : 8	शिक्षाशास्त्र भाग II हिंदी का अध्यापन शिक्षण भाषा की शिक्षाशास्त्र अंग्रेजी सामाजिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र गणित की शिक्षाशास्त्र जैविक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र भौतिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र	**BED. 301** **BED. 301 A** **BED. 301B** **BED. 301 C** **BED. 301 D** **BED. 301 E** **BED. 301 F**	**B.Ed. Semester III**
Paper : 9	नई तालीम : कौशल आधारित शिक्षा	**BED.. 302**	**B.Ed. Semester III**
Practicum	इंटर्नशिप (16 सप्ताह) चिंतनशील डायरी और पर्यवेक्षकों का आकलन	**BED. 303A** **BED. 303 B**	**B.Ed. Semester III**
Paper :10	जेंडर स्कूल और समाज	**BED. 401**	**B.Ed. Semester IV**
Paper : 11	सीखने में आकलन	**BED.402**	**B.Ed. Semester IV**
Paper : 12	वैकल्पिक II ई) कंप्यूटर शिक्षा एफ) समावेशी शिक्षा जी) मूल्यों का शिक्षण	**BED. 403** **BED. 403 A** **BED. 403 B** **BED. 403 C**	**B.Ed. Semester IV**
Practicum:	योग और खेल में प्रशिक्षण साइको-मेट्रिक असेसमेंट शिक्षण अनुभव पर मौखिक परीक्षा	**BED. 404** **BED. 405** **BED. 406**	**B.Ed. Semester IV**

Paper No	PAPER NAME:	EXTERNAL	INTERNAL
		THEORY/PRACTICAL	THEORY/PRACTICAL
SEMESTER I			
	THEORY		
Paper I	Philosophical Perspectives of Education	80	20
Paper 2	Nai Talim: An Experiential Learning	80	20
Paper 3	Pedagogy Part I	80	20
	PRACTICUM I		
	Preparation of Teaching Aids ➢ Minimum 6 charts on school contain ➢ Minimum 3 sets of Transparency to Transact school content ➢ Minimum 3 Power Point Presentations to transact school content ➢ Minimum 1video lesson on school content ➢ Minimum one static model to aid school teaching content	Nil	50
	Community Activities ➢ Village Survey ➢ Awareness Rally/Program	Nil	50
SEMESTER II			
	THEORY		
Paper 4	Sociological Perspectives of Education	80	20
Paper 5	Learner and Learning Process	80	20
Paper 6	Elective I	80	20
Paper 7	Educational Technology & Management	80	20
	PRACTICUM II Micro Teaching on Skills of Teaching (any5 skill) Internship (Two weeks) School Experience a) Observation of School Documents b) Mentor's Report Preparation of Question Bank on school content	Nil	50
SEMESTER III			
	THEORY		
Paper 8	Pedagogy Part II	80	20
Paper 9	Nai Talim: Skill Based Learning	80	20
	PRACTICUM III		
	Internship (Sixteen Weeks)	Nil	100
	Reflective Diary & Supervisor's Assessment	Nil	50
SEMESTER IV			
	THEORY		
Paper 10	Gender, School and Society	80	20
Paper 11	Assessment in Learning	80	20
Paper 12	Elective II	80	20
	PRACTICUM IV		
	Training in Yoga and Sports & Games	Nil	50
	Psycho-Metric Assessment	50	Nil
	Viva Voce on Teaching Experience	100	Nil
	TOTAL	1110	240 + 350 = 590
	GRAND TOTAL	1700	

बी.एड. पाठ्यक्रम

B.Ed. Learning out come बी.एड. सीखने के परिणाम

कार्यक्रम के परिणाम (B.Ed.) 0801

- छात्रों को समाज में उनके अनूठे व्यवसाय को खोजने और उसकी सराहना करने में मदद करना।
- ऐसा सीखने का माहौल तैयार करना जो सिद्धांत और व्यवहार को एकीकृत करता हो
- विशेष रूप से शांति, न्याय, समानता और बंधुत्व के मूल्यों का पोषण करना।
- छात्रों को विविध छात्र आबादी की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने में सक्षम बनाना।
- छात्रों को सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक बनने के लिए प्रोत्साहित करना
- विभिन्न संगठनों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से शिक्षा को पुनर्जीवित करना
- भावी शिक्षकों को एक उत्तेजक और उत्प्रेरक वातावरण प्रदान करना जो उत्कृष्टता की उपलब्धि के लिए दृष्टिकोण में भविष्य और परिप्रेक्ष्य में समग्र दोनों है।
- शैक्षणिक प्रथाओं, व्यावहारिक शिक्षण अनुभव और शिक्षण और सीखने के उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी के समावेश के साथ सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना।
- विभिन्न सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों के माध्यम से गुप्त प्रतिभाओं और रचनात्मकता को बाहर निकालना।

कार्यक्रम विशिष्ट परिणाम (B.Ed.): 0801

परिणाम 1 पाठ्यचर्या और योजना:

छात्र राज्य और राष्ट्रीय मानकों और स्थानीय पाठ्यक्रम के आधार पर सीखने के लिए लक्ष्य और उद्देश्य निर्धारित करने के लिए मूल सामग्री और शिक्षाशास्त्र के अपने ज्ञान को लागू करेंगे, और डिजाइन निर्देश जो छात्रों को सार्थक सीखने में संलग्न करते हैं।

परिणाम 2 शिक्षार्थी और सीखने का वातावरण:

छात्र संज्ञानात्मक, भावात्मक और साइकोमोटर डोमेन की अपनी समझ और अपने विविध शिक्षार्थियों की अन्य विशेषताओं का प्रदर्शन करेंगे, और सम्मान, तालमेल, सहयोग और सीखने के लिए एक संस्कृति का वातावरण बनाएंगे।

परिणाम 3 शिक्षण:

छात्र योजना, निर्देश, प्रतिक्रिया और मूल्यांकन के चिंतनशील निर्देशात्मक चक्र में संलग्न होकर सामग्री, शिक्षाशास्त्र, शिक्षार्थी और सीखने के माहौल के अपने ज्ञान को एकीकृत करके सभी छात्रों के लिए सार्थक सीखने के अनुभवों को डिजाइन और वितरित करेंगे।

परिणाम 4 स्व-नवीकरण के लिए व्यावसायिक उत्तरदायित्व:

छात्र अपने शिक्षण कौशल को बढ़ाने के लिए सहयोग, चिंतनशील अभ्यास और अनुसंधान में संलग्न होकर निरंतर आत्म-सुधार के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करेंगे।

परिणाम 5 स्कूल और समुदाय के लिए व्यावसायिक उत्तरदायित्व:

छात्र संस्थान के विजन और मिशन, रणनीतिक योजना/निरंतर सुधार, पाठ्यक्रम पहल, छात्र सहायता और प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन में भाग लेकर नेतृत्व का प्रदर्शन करेंगे; और नैतिक और न्यायसंगत व्यवहार के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है।

परिणाम 6 शिक्षा में प्रौद्योगिकी के लिए व्यावसायिक उत्तरदायित्व:

छात्र शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी मानकों (एनईटीएस-टी) को मॉडल और लागू करेंगे क्योंकि वे रचनात्मक और अभिनव प्रयासों के माध्यम से छात्रों को जोड़कर सीखने के अनुभवों को डिजाइन, कार्यान्वित और मूल्यांकन करते हैं।

परिणाम 7 सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण अभ्यास:

छात्र अपनी भाषा, संस्कृति, नस्ल, भौगोलिक स्थिति, विशेष जरूरतों या गरीबी की परवाह किए बिना सभी छात्रों की मदद करने के लिए सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी और समावेशी शिक्षण अभ्यास में संलग्न होंगे और शिक्षकों और छात्रों के बीच सहयोग के माध्यम से सीखने की सुविधा प्रदान करेंगे, जिससे छात्रों की क्षमता और क्षमता का विकास होगा।

परिणाम 8 प्रभावी संचार:

छात्र अपने शिक्षण, व्यावसायिक सहयोग और छात्रों, सहकर्मियों, माता-पिता और समुदाय के साथ बातचीत में प्रभावी और उपयुक्त मौखिक, अशाब्दिक, लिखित और मीडिया संचार तकनीकों का उपयोग करते हैं।

परिणाम 9 व्यावसायिक स्वभाव:

छात्र अपने शिक्षण और छात्रों, सहकर्मियों, माता-पिता और समुदाय के साथ बातचीत में व्यावसायिकता, दक्षता और अखंडता के स्वभाव का प्रदर्शन करेंगे

B.Ed. SYLLABUS:

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	PHILOSOPHICAL PERSPECTIVE OF EDUCATION शिक्षा का दार्शनिक दृष्टिकोण		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 101
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• छात्रों को समाज में उनके व्यवसाय के प्रति उसकी सराहना करने में मदद करना। • ऐसा सीखने का माहौल तैयार करना जो सिद्धांत और व्यवहार को एकीकृत करता हो इससे परिचित होगे • विशेष रूप से शांति, न्याय, समानता और बंधुत्व के मूल्यों का पोषण करना। • छात्रों को विविध छात्र आबादी की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने में सक्षम बनाना। • छात्रों को सामाजिक परिवर्तन के उत्प्रेरक बनने के लिए प्रोत्साहित करना • विभिन्न संगठनों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से शिक्षा को पुनर्जीवित करना • भावी शिक्षकों को एक उत्तेजक और उत्प्रेरक वातावरण प्रदान करना जो उत्कृष्टता की उपलब्धि के लिए दृष्टिकोण में भविष्य और परिप्रेक्ष्य में समग्र दोनों है। • शैक्षणिक प्रथाओं, व्यावहारिक शिक्षण अनुभव और शिक्षण और सीखने के उपकरण के रूप में प्रौद्योगिकी के समावेश के साथ सैद्धांतिक ज्ञान प्रदान करना।
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL : 20 / EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT-I शिक्षा के लक्ष्य	• शिक्षा प्रकृति और अर्थ समय और स्थान के संबंध में इसके उद्देश्य/उद्देश्य। • पश्चिमी संदर्भ में शैक्षिक उद्देश्य: रसेल, डेवी के विशिष्ट संदर्भ में। शिक्षा पर उनका प्रभाव व शिक्षा में प्रगतिशील प्रवृत्तियों के संदर्भ में क्लास रूम अभ्यास • गांधी, टैगोर जैसे भारतीय विचारकों के विशिष्ट संदर्भ में भारतीय संदर्भ में शैक्षिक उद्देश्य। • दर्शन और शिक्षा: शैक्षिक प्रथाओं और समस्या को समझने में दर्शनशास्त्र के अध्ययन का महत्व।	8
UNIT II • दार्शनिक प्रणाली	• "प्रमुख दार्शनिक प्रणालियाँ - उनकी मुख्य विशेषताएं और शिक्षा पर उनका प्रभाव. • यथार्थवाद: अरस्तू और जैन धर्म के संदर्भ में । • प्रकृतिवाद! इष्टि के संदर्भ में रूसो और रवींद्र नाथ टैगोर का दर्शन • आदर्शवाद: प्लेटो, सुकरात और अद्वैत दर्शन के संदर्भ में • व्यवहारवाद: डेवी के "वाद्यवाद और प्रयोगवाद" के संदर्भ में • मानवतावाद: ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और बौद्ध के संदर्भ में • रचनावाद: शिक्षण, विधि और शिक्षक की भूमिका।	10
UNIT-III भारतीय विचारक	शैक्षिक विचारक और शिक्षा के सिद्धांतों के विकास में उनका योगदान. एम.के.गांधी: वर्धा शिक्षण / शिक्षा और जीवन शिक्षा। गिज्जू भाई: बच्चे की दुनिया। स्वामी विवेकानंद : मानव निर्माण शिक्षा। जे.कृष्णा मूर्ति: बाल केन्द्रित शिक्षा। डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम: प्रौद्योगिकी उन्नत शिक्षा।	8

UNIT-IV पश्चिमी विचारक	• जॉन हेनरिक पेस्टलोज़ी: • फ्रेडरिक फ्रोबेल: • जॉन लॉक (शास्त्रीय उदारवाद) • पाउलो फ्रेयर (लोकतांत्रिक शिक्षा) • बर्ट्रेंड रसेल:	8
UNIT-V समकालीन विचार	• पश्चिमी और भारतीय विचारकों की अवधि और सामाजिक-राजनीतिक परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक और तुलनात्मक अध्ययन। • शिक्षा के समकालीन दार्शनिक दृष्टिकोण: आधुनिकीकरण, विचार और शिक्षा में वैश्वीकरण	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
AnandC.L.et.al.	: Teacher and Education in EmergingIndia,	NCERT, New Delhi.
Anant Padmnabhan	: Population Education in Classrooms,	NCERT,NewDelhi.
Bhatnagar,S.:	Adhunik Bhartiya Shiksha Aur Uski Samasyayen,.	LyallBookDepot,Meerut
ChakravortyM.	: GandhianDimension in Education.	Daya Publishing House New Delhi
KalamAbdul, A.P.J. (1998).	India 2020-A Vision for the New Millenium,	Penguin Bools India Ltd.
Ministryof HumanResourceDevelopment	:National Policy on Education,1896, NewDelhi.	Sterling Publication,NewDelhi.
MohantyJagannath:	Indian Education inEmergingSociety,	
ManiR.S	.:Educational ideas and ide als of Gandhiand Tagore,	NewBookSociety,NewDelhi.
Pathak and Tyagi :	ShikshakeSamnyaSiddhant,	VinodPustakMandir,Agra.
Pandey,Shyam Swaroop	:Shikshaki Darshanik evam Samajik Shastriya PurshtBcomi.	VinodPustakMandir,Agra
Sharma, K. Yogendra	The Doctrines of the Great Western Educators (From Plato to Bertrand Russell)	Kanishka Publication, New Delhi.
Dr.VikrantMishra ,	The Educational Thoughts of APJ Abdul Kalam	(http//www.educationindiajournal.org

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED.SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	NAI TALIM: AN EXPERIENTIAL LEARNING नई तालीम: एक प्रायोगिक शिक्षा		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 102	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• शिक्षक शिक्षा में स्थानीय समुदाय की भागीदारी की अवधारणा को समझें • विभिन्न पृष्ठभूमियों और व्यवसायों के बच्चे के संदर्भ को समझें। • उन स्कूली शिक्षा कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जानें जिनमें स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव पहलू हैं • स्थानीय संदर्भ में पाठ को बच्चे/शिक्षार्थी से जोड़ने की प्रक्रिया जानें • स्थानीय समुदाय के जुड़ाव के रचनात्मक दृष्टिकोण से पारंपरिक को अलग करें • सामुदायिक जुड़ाव की संवाद पद्धति के उपयोग में प्रशिक्षण • स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव के लिए जैविक बौद्धिक दृष्टिकोण के उपयोग में प्रशिक्षण • सामुदायिक जुड़ाव में सर्वोत्तम प्रथाओं की अनुभवात्मक शिक्षा • स्थानीय सामुदायिक सेवा में प्रभावी रूप से भाग लें • अपमान और स्वदेशी मॉडल पर अंतर्दृष्टि और क्षेत्र की वास्तविकताओं का विकास करना। • ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए टैगोर, गांधी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मॉडल को समझें और उनका अभ्यास करें • आत्मनिर्भरता के लिए उद्यमिता के लिए कला, शिल्प के मॉडल का अन्वेषण करें।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20 EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE - पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT- I नई तालीम-एक परिचय	• नई तालीम का परिचय और भारतीय संदर्भ में इसका महत्व, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। • नई तालीम की अवधारणा, उद्देश्य, उद्देश्य और दायरा • बुनियादी शिक्षा के मुख्य सिद्धांत • NCF-2005, NCFTE-2010 में नई तालीम, • आरटीई-2009 और इसके शैक्षिक निहितार्थ	8
UNIT II नई तालीम के सामाजिक और दार्शनिक परिप्रेक्ष्य	• गांधीवादी विचार और दर्शन • गांधीवादी दर्शन और शिक्षा के उद्देश्य • शिक्षा के मॉडल, सीखने का दृष्टिकोण- रचनावाद, पाउलो फ्रेयर क्रिटिकल अध्यापन और संवाद पद्धति • प्राथमिक, मध्य और माध्यमिक स्तर पर पाठ्यक्रम की रूपरेखा	8
Unit III: कार्य आधारित शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी	• सामुदायिक भागीदारी का सिद्धांत • नई तालीम और शिल्प शिक्षा • नई तालीम और नैतिक शिक्षा • स्कूल और समाज की एजेंसियां • स्वयं सहायता समूह	8
Unit IV: कौशल विकास की योजना और संगठन	• कौशल विकास के तरीके • प्रायोगिक शिक्षा और ग्रामीण शिक्षा की स्थापना • ज्ञान को स्कूल के बाहर के जीवन से जोड़ना। • डिजिटलीकरण का निष्पादन • अक्षय ऊर्जा का महत्व	8

Unit V: • स्वास्थ्य और स्वच्छता	• पोषण - संतुलित आहार • संचारी और गैर संचारी रोग और उसकी रोकथाम • प्राथमिक चिकित्सा • व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वच्छता	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
. Ministry of Education, GOI. 1949	*Report of the University Education Commission*	(1948-49), New Delhi.
	Report of the Secondary Education Commission	(1952-53), New Delhi.
	Report of the Secondary Education Commission	(1964-66), New Delhi
	Report of the Secondary Education Commission	(1983-84), New Delhi
MHRD, GOI	*National Policy on Education*,	(1986)New Delhi.
NCERT. 2005.	*National Curriculum Framework–Report of the Focus Group on Aims of Education*,	New Delhi
Dewey, John. 2010.	*Essays in Experimental Logic*, Aakar Books,	NewDelhi.
Russell, Bertrand. 2003.	*Human Knowledge.* Routledge,	London
: Swami Satprakashanand a. 1995	*Methods of Knowledge according to Advaita*	
Vedanta. Advaita	Ashrama(Publication Department),	Calcutta.
NCERT	National Council of Educational Research and Training	, New Delhi.
Locke, John. 1690.	*An Essay Concerning Human Understanding.*	
Lewis, C.L. 1929.	*Mind and the World-order*. Dover Publications Inc.,	New York.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	PEDAGOGY TEACHING OF HINDI हिंदी शिक्षण शास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 A
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• भाषा के अलग–अलग भूमिकाओं को जानना • भाषा के स्वरूप और व्यवस्था को समझना • स्कूल की भाषा, बच्चों की भाषा और समझ के बीच के संबंध को जानना • भाषा के संदर्भ में पढ़ने के अधिकार, शांति और पर्यावरण के प्रति सचेत होना • भाषा सीखने के तरीके और प्रक्रिया को जानना और समझना • पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण कर कक्षा विशेष और बच्चों की समझ के अनुसार ढालना • भाषा और साहित्य सम्बंध को जानना • हिंदी भाषा के विविध रूपों और अभिव्यक्तियों को जानना • भावों और विचारों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति करना • अनुवाद के महत्व और भूमिका को जानना • विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमता को पहचानना • भाषा के मूल्यांकन की प्रक्रिया को जानना • भाषा सीखने–सिखाने के सृजनात्मक दृष्टिकोण को जानना
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 / INTERNAL : 20 / EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS प्रकरण**	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I **भाषा की भूमिका**	1 **समाज में भाषा**–भाषा और लिंग, भाषा और सत्ता भाषा और अस्मिता, भाषा और वर्ग 2 **विद्यालय में भाषा**– घर की भाषा और स्कूल की भाषा, समझ का माध्यम (बच्चे की भाषा) समूचे पाठ्यक्रम में भाषा, ज्ञान सृजन और भाषा, माध्यम भाषा एक आलोचनात्मक दृष्टि, विषय के रूप मे भाषा और माध्यम भाषा में अंतर, विविध भाषिक प्रयुक्तियों बहुभाषिक कक्षा, शिक्षक–शिक्षार्थी संबंध के पहलू के रूप में भाषा 3 **संविधान और शिक्षा समितियों के रिपोर्ट में भाषा–भाषाओं की स्थिति (धारा 343–351,350) कोठारी कमीशन (64से 66) राष्ट्रीय शिक्षा नीति–1986, पो.आ 2005 (भाषा अध्ययन) ए–1992, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या–** **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षण के दौरान** छोटे समूह में बांट कर भारतीय भाषाओं के लिए निर्मित पोजीशन पेपर का अध्ययन और उस पर चर्चा। • विज्ञान, समाजविज्ञान और गणित की कक्षा VI से VII की किताबों से कुछ अंश चुनकर निम्नलिखित बिंदुओ को ध्यान में रखते हुए विश्लेषण करिए– • विभिन्न भाषिक प्रयुक्तियों को कैसे प्रस्तुत किया गया है। • उस अंश में प्रयुक्त भाषा विषय संबंधीभाव स्पष्ट करने मे कहाँ तक समर्थ है। • बच्चे के स्तर के अनुरूप हैं? • क्या इसमें तकनीकी भाषा का बहुत इस्तेमाल किया गया है ? • क्या यह भाषा सीखने में सहायक है? **कक्षा–शिक्षण के दौरान** कक्षा–शिक्षण के दौरान बच्चो के परिवेश और उनकी भाषा के बारे में जानकारी प्राप्त करे और बहुभाषि कता को स्रोत के रूप में इस्तेमाल करते हुए हिंदी शिक्षण की एक कक्षा–प्रविधि तैयार करें **परियोजना कार्य** • संविधान में भारतीय भाषाओं संबंधी अनुसंशाऐं तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, पी.ओ.ए.द्वारा संस्तुत भाषा संबंधी सिफारिशों पर एक रिपोर्ट तैयार करना । • कक्षा छह से बारह तक के हिंदी की किताबों मे लिंग और शांति संबंधी बिंदुओं की सूची तैयार कर उसके लिए कक्षा प्रविधि तैयार करना। • अपने आस–पास के पांच स्कूलो का दौराकर यह जानकारी प्राप्त करते हुए एक रिपोर्ट तैयार करें कि त्रिभाषा सूत्र की क्या स्थिति है?	8

UNIT II **हिंदी भाषा की स्थिति और भूमिका**	**हिंदी भाषा की भूमिका :** स्वतंत्रता से पहले और स्वतंत्रता के बाद हिंदी, हिंदी के विविधरूप, अंतर्राष्ट्रीय स्तरपर हिंदी ज्ञान की भाषा के रूप में हिंदी, हिंदी पढ़ने–पढ़ाने की चुनौतियाँ। **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षणकेदौरान** • स्वातन्त्र्योत्तर भारत में हिंदी की भूमिका पर समूह में चर्चा करें। • जब शब्द नहीं रहते तब शस्त्र उठते हैं विषय पर परिचर्चा का आयोजन **कक्षा–शिक्षण के दौरान** • चुने हुए कुछ कक्षाओं में बच्चों की भाषा का जायजा लेते हुए हिंदी के विविध रूपों पर एक रिर्पोट तैयार करें। • रोजमर्रा की जिंदगी मे प्रयोग होने वाली कम से कम बीस क्रियाओं, जैसे नहाना, आना, पकाना,जाना आदि को कक्षा में मौजूद बच्चे किस–किस तरह से प्रयोग करते हैं–इस आधार पर सूची बनाएँ **परियोजना कार्य** • इस इकाई में दिए गए विषयों को ध्यान में रखते हुए एक प्रश्नावली तैयार करें, दस व्यक्तियों का साक्षात्कार करे इस साक्षात्कार के आधारपर हिंदी की स्थिति पर एक रिर्पोट लिखें। • हिंदी भाषा के विकास में क्षेत्रीय जनपदीय हिंदी की भूमिका पर आलेख पाठ करें। (हरेक विद्यार्थी अपने क्षेत्र विशेष को ध्यान में रखते हुए आलेख तैयार करे	8
Unit III: **भाषा शिक्षण पर एकदृष्टि**	(हिंदी में विज्ञान,गणित,समाजविज्ञान और कला सब कुछ है पर ये विषय स्वयं हिंदी या भाषा नहीं हैं।) **भाषा सीखने सिखाने की विभिन्न दृष्टियाँ**– भाषा अर्जन और अधिगम का दार्शनिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक आधार, समग्र भाषा दृष्टि, रचनात्मकदृष्टि, भाषा सीखने–सीखाने की बहुभाषिक दृष्टि आदि (जॉन डुई, ब्रूनर, जे.प्याजे, एल.वायगात्स्की, चॉम्स्की आदि) भारतीय भाषा दृष्टि (पाणिनी, कामता प्रसादगुरु,किशोरी दास बाजपेयी आदि) **भाषाशिक्षण की प्रचलित विधियाँ / प्रणालियाँ और उनका विश्लेषण**–व्याकरण अनुवाद प्रणाली, प्रत्यक्ष प्रणाली, ढाँचा गत प्रणाली, प्राकृतिक प्रणाली,उद्देश्यपरक (अन्तर्विषयक / अन्तर्अनुशासनात्मक) संप्रेषणात्मक प्रणाली आदि। **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षणकेदौरान** • मातृभाषा और अन्य भाषा विषय पर छोटे समूह में चर्चा करें। **कक्षा शिक्षण के दौरान** • भाषा की कक्षा में रचनात्मक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए चार गतिविधियाँ तैयार करें।	8

	परियोजना कार्य • विविध राजभाषा शिक्षा प्रणालियों का अध्ययन करते हुए उनका विश्लेषण कीजिए।	
Unit IV: भाषा का स्वरूप	(कोई व्याकरण भाषा की चाल को बदल नहीं सकता। भाषा लोकव्यवहार से परिचालित होती है।) **1. भाषायी व्यवहार के विविध पक्ष**–नियमबद्ध व्यवस्था के रूप में भाषा: भाषायी परिवर्ननशीलता (उच्चारण वेफ संदर्भ मे) हिंदी की बोलियाँ वाक् तथा लेखन। **2. भाषायी व्यवस्थाएं**– सार्वभौमिक व्याकरण की संकल्पना, अर्थ की प्रकृति तथा संरचना, वाक्य विज्ञान तथा अर्थविज्ञान की मूलभूत संकल्पनाएँ स्वनिमविज्ञान और रूप विज्ञान, (उपयुक्त उदाहरण देकर पढ़ाए जाएंगे) **<u>गतिविधि/पोर्टफोलियो पशिक्षण/कक्षा</u> शिक्षण के दौरान** 'लिखित और मौखिक भाषा में अंतर' विषय पर समूह में चर्चाकरें	8
UNIT :V भाषायी दक्षताएँ	**1. संदर्भ में भाषा**– संदर्भ में व्याकरण और संदर्भ में शब्द **2. भाषायी दक्षताएँ**–सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना • **सुनना और बोलना**–सुनने का कौशल, बोलने का लहजा–भाषाई विविधता और हिंदी पर इसका प्रभाव, पढ़ने–पढ़ानेपर इसका प्रभाव , सुनने और बोलने के कौशल विकास के स्रोत और सामग्री, रोलप्ले, कहानी सुनाना, परिस्थिति के अनुसार संवाद, भाषा लैब, मल्टीमीडिया तथा मौलिक सामग्री की सहायता से संप्रेषणात्मक वातावरण का निर्माण • **पढ़ना** –पढ़ने के कौशल,पढ़ने के कौशल विकास मे समझ का महत्व, मौनऔर मुखरपठन, गहन–पठन, विस्तृतपठन, आलोचनात्मक पठन,पढ़ने के कौशलविकास में सृजनात्मक साहित्य (कहानी, कविता आदि) सहायक, थिसॉरस, शब्दकोश और इन्साइक्लोपीडिया का उपयोग/महत्व • **लिखना**–लिखने के चरण, लेखन–प्रक्रिया, सृजनात्मक लेखन, औपचारिक और अनौपचारिक लेखन (कहानी,कविता, संवाद, डायरी, पत्र,रिपोर्ट, समाचार आदि) **गतिविधि/पोर्टफोलियो** • सभी भाषायी कौशलों के सीखने से सम्बंधित 4–4 गतिविधियाँ तैयार करें और उनका कक्षाशिक्षण के दौरान प्रयोग करें। • पढ़ने के कौशल विकास को ध्यान मे रखते हुए कक्षा छह हिंदी के विद्यार्थी के लिए तीन गतिविधियाँ तैयार करे और उनका कक्षा शिक्षण के दौरान प्रयोग करें। • सभी विद्यार्थी कक्षा छह से आठ के हिंदी पाठ्यपुस्तकों से संदर्भ में व्याकरण के दस नमूने इकट्ठा करें और उनपर समूह में चर्चा करें। **परियोजनाकार्य** • सुनने और बोलने मे असमर्थ बच्चो को ध्यान मे रखते हुए हिंदी शिक्षण की दो गतिविधियाँ तैयार करें	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
भाई योगेन्द्रजीत	हिन्दी भाषा शिक्षण,	विनोद पुस्तक मंदिर आगरा.
.क्षत्रिय के	मातृभाषा शिक्षण,	विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
लाल रमन बिहारी	हिन्दी शिक्षण,	रस्तोगी पब्लिकेशन,मेरठ
शर्मा,डॉ. लक्ष्मीनारायण	भाषा 1,2 की शिक्षण विधियाँ और पाठ नियोजन,	.विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
शर्मा,राजकुमारी	हिन्दी शिक्षण,	राधा प्रकाशन मंदिर आगरा
सिंह सावित्री	हिन्दी	स्थल बुक डिपो मेरठ
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)	
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF LANGUAGE (ENGLISH)		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 B
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• Understand the different roles of language; • Understand the relation between literature and language; • Understand and appreciate different registers of language; • Develop creativity among learners; • Understand the role and importance of translation; • Understand the use of language in context, such as grammar and vocabulary; • Develop activities and tasksfor learners; • Understand the importance of home language and school language and the role of mother tongue ineducation; • Use multilingualism as a strategy in the classroom situation; • Develop an understanding of the nature of language system; • Understand about the teaching of poetry, prose and drama; • Identifymethods,approachesandmaterialsfor teaching Englishat various levels in the Indian context; • Understand constructive approach to language teaching and learning;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE		
UNIT	**TOPICS**	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT I: **ROLE OF LANGUAGE**	1. LANGUAGEANDSOCIETY: Language and Gender; Language and Identity; Language and Power; Language and Class (Society). 2. LANGUAGE IN SCHOOL:Home language and School language; Medium of understanding (child's own language); Centralaity of language in learning; Language across the curriculum; Language and construction of knowledge; Difference between language as a school-subject and language as a means of learning and communication; Criticalre view of Medium of Instruction; Multilingual classrooms; Multicultural awareness and language teaching. 3. CONSTITUTIONAL PROVISIONS AND POLICIES OF LANGUAGE EDUCATION:Position of Languages in India; Articles 343-351 ,350A; Kothari Commission (1964-66) ; NPE- 1986; POA-1992; National Curriculum Framework-2005 (language education).NPE 2020. **Activities:** Discussion on Position paper on 'Teaching of English' • Position paper on 'Teaching of Indian Languages' • 'Multilingualism as a Resource' • Analysis of advertisements aired on Radio/Television on the basis of language and gender. • Take a few passages from Science, Social Science and Maths text books of Classes VI to VII and analyses: (i) How the different registers of language have been introduced? (ii) Does the language clearly convey them eaning of the topic being discussed? (iii) Is the language learner-friendly? (iv) Is the language too technical? (v) Does it help in language learning? • Now write an analysis based on the above issues. **Project** • Preparea report on the status of languages given in the Constitution of India and language policies given in Kothari Commission, NPE-SYLLABUS FOR TWO-YEAR BACHELOR OF EDUCATION 1986, and POA-1992. • Visit five schools in the neighbourhood and prepare a report on the three language formula being implemented in the schools. • Teaching Practice	8

	• Talk to the students and find out the different languages that they speak. • Prepare a plan to use multilingualism as a strategy in the English classroom. • On the basis of the English Text books (VI to XII) prepare a list of Topics and activities given on: (i) Language and Gender (ii) Language and Peace.Write a report on their reflection in the text books.	

UNIT II:
POSITION OF ENGLISH IN INDIA
	• ROLE OF ENGLISH LANGUAGE IN THE INDIAN CONTEXT:Englis has a colonial language,
	• English in Post-colonial times; English as a language of knowledge; Position of English as second language in India: English and Indian languages; English as a link language in global context; challenges of teaching and learning English.
	• Activities
	  • Discuss in groups how the role of English language has changed in the twenty- first century.
	  • Topic for Debate:Globalisation and English
	  • Discussion on the topic 'War Begins When Words Fail'
	  • Keeping in view the topics given in this unit, prepare a questionnaire.
	  • Interview ten people and write a report on 'English Language in India'.
	• Project:
	  • Do a survey of five schools in your neighbourhood to find out:
	  1. Level of Introduction of English
	  2. Materials (textbooks) used in the classroom
	  • Prepare a report on the challenges face by the teachers and the learners in the teaching-learning process.
		8

UNITIII: **AN OVERVIEW OF LANGUAGE TEACHING**	DIFFERENT APPROACHES/THEORIES TO LANGUAGE LEARNING AND TEACHING (MT & SL) • Philosophical, social and psychological bases of approaches to Language acquisition and Language learning; inductive and deductive approach; whole language approach; constructive approach: multilingual approach to language teaching (John Dewey,Bruner,J.Piaget,L.Vygotsky,Chomsky,Krashen), and Indian thought on language teaching. A CRITICAL ANALYSIS OF THE EVALUATION OF LANGUAGE TEACHING METHODOLOGIES:	8

	• Grammar translation method, direct method, Structural-situational method, bilingual method, communicative approach.
	• Activities
	  • Discussion on the topic 'Mother Tongue and Other Tongue'
	• Project
	  • Do a comparative study of positive features and weaknesses of different approaches to language learning.
	• TeachingPractice
	• Prepare four activities keeping in view 'Constructivism in a Language Classroom'.	

UNIT IV: **NATURE OF LANGUAGE**	1. ASPECTS OF LINGUISTIC BEHAVIOUR: Language as a rule-governed behavior and linguistic variability; Pronunciation—linguistic diversity, its impact on English, pedagogical implication; Speech and writing. 2. LINGUISTIC SYSTEM: The organization of sounds; the structure of sentences; The concept of Universal grammar; Nature and structure of meaning; Basic concept in phonology, morphology, syntax and semantics; Discourse. **Activities** • Have a discussion on thetopic 'Difference Between Spoken and Written Language'.	8

UNIT V:
ACQUISITION OF LANGUAGE SKILLS
	1. Grammar in context; vocabulary in context
	2. Acquisition of language skills: Listening, speaking, reading and writing.
	• Listening and Speaking: Sub skills of listening:Tasks; Materials and resources for developing the listening and speaking skills: Storytelling, dialogues, situational conversations, role plays, simulations, speech, games and contexts, language laboratories, pictures, authentic materials and multimedia resources
	• Reading:Sub skills of reading; Importance of understanding the development of reading skills; Reading aloud and silent reading; Extensive and intensive reading; Study skills, including using thesauruses, dictionary, encyclopedia, etc.
	• Writing:Stages of writing; Process of writing; Formal and Informal writing, such as poetry, short story,letter, diary, notices, articles, reports, dialogue, speech, advertisement, etc; Reference skills; Study skills; Higherorder skills.
	• Activities
	  • Collect ten examples of Grammar in context from EnglishText books of Classes VI to VIII and have a group discussion.
	  • Teaching Practice
		8

	• Prepare activities for listening, speaking, reading and writing.(5Each) • Prepare three activities to develop the reading skills of Class VI students. Project • Keeping in view the needs of the children with special needs prepare two activities for English teachers.	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Bond,LGetal(1980) :	ReadingDifficulties–TheirDiagnosisandCorrection,	NewYork,Appleton – CenturyCrafts.
.Byrne,D (1975):	TeachingWriting,London,	London,Longman.
Choudhary,N.R.(2002):	EnglishLanguageTeaching,	HimalayaPublishHouse. Mumbai
David,E(1977):	ClassroomTechniques-ForeignLanguagesandEnglishasaSecondLanguage,	New York, HarcourtBrace. 30
Grillett, M (1983):	DevelopingReadingComprehension,	London,CUP.
HalbeMalati,(2005) :	MethodologyofEnglishTeaching,	HimalayaPublishHouse,Mumbai
Johnson, K (1983):	CommunicativeSyllabusDesignandMethodology,	Oxford,PergamonPress.
:Morgan&Rinvoluri (1991):	New Ways of Dictation,	London,Longman.
Mukalel,J.C.(1998):	ApproachestoEnglishLanguageTeaching,SterlingPublishingHouse	,NewDelhi.
Parrot, M (1993):	Tasks for the ClassroomTeacher,	London,Pergamon.
Sharma,K.L.:	Methods of 'TeachingEnglish inIndia.	
Sachdeva,M.L.:	ANew Approach to Teachingof English inIndia	
Valdmen.,(1987)	"Trends inLanguage Teaching,	New York,LondonMac Graw Hill.
Widdowson, HG (1979):	TeachinglanguageasCommunication,	London,OUP.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Deviop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF SOCIAL SCEINCES सामाजिक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 103 C	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• सामाजिक विज्ञान की प्रकृति की समझ विकसित करने के लिए, दोनों व्यक्तिगत विषयों में सामाजिक विज्ञान शामिल हैं, और सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के एक एकीकृत / अंतःविषय क्षेत्र के रूप में भी; • सामाजिक विज्ञान शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं की एक अवधारणात्मक समझ हासिल करने के लिए • छात्र शिक्षकों को कक्षाओं में प्रचलित शैक्षणिक प्रथाओं की आलोचनात्मक रूप से जांच करने और वांछित परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करने में सक्षम बनाना; • सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम का प्रभावी ढंग से विश्लेषण और संचालन करने के लिए बुनियादी ज्ञान और कौशल हासिल करना। • व्यापक शिक्षण-अधिगम रणनीतियों को जानना ताकि इसे जीवन के लिए सुखद और प्रासंगिक बनाया जा सके; • सामाजिक मुद्दों और सरोकारों को जिम्मेदार तरीके से संभालने के लिए छात्र शिक्षकों को संवेदनशील और लैस करना, जैसे, पर्यावरण का संरक्षण, आपदा प्रबंधन, • समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देना, सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों के सामाजिक बहिष्कार को रोकना और तेजी से घटते प्राकृतिक संसाधनों (पानी, खनिज, जीवाश्म ईंधन आदि) की बचत करना।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL : 20
			EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: • एक के रूप में सामाजिक विज्ञान अध्ययन का एकीकृत क्षेत्र: प्रसंग और चिंताएं	• प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच भेद: स्कूलों में प्रमुख सामाजिक विज्ञान अनुशासन। • विभिन्न सामाजिक विज्ञानों के बारे में 'सामाजिक' क्या है? • अनुशासन के साथ-साथ अनुशासन की विशिष्टता • बच्चे की प्राकृतिक जिज्ञासा को मौसम, वनस्पतियों और जीवों, स्थानिक और सामयिक संदर्भों, महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक मुद्दों और वर्तमान भारतीय समाज की चिंता जैसी प्राकृतिक घटनाओं से जोड़ना। • व्याख्याओं और तर्कों के निर्माण के लिए कई दृष्टिकोण/दृष्टिकोणों की बहुलता।	8
UNIT II: • सामाजिक विज्ञान में शिक्षण-अधिगम संसाधन	• संसाधन के रूप में लोग: मौखिक डेटा का महत्व। • प्राथमिक और माध्यमिक स्रोतों के प्रकार: फ़ील्ड, पाठ्य सामग्री, पत्रिकाओं, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, आदि से डेटा। • माध्यमिक स्रोतों और संदर्भ सामग्री, जैसे शब्दकोशों और विश्वकोश के लिए पुस्तकालय का उपयोग करना। • विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री: एटलस का उपयोग सामाजिक विज्ञान के लिए स्रोत हैं; मानचित्र, ग्लोब, चार्ट, मॉडल, ग्राफ़, दृश्य। • ऑडियो-विजुअल एड्स, सीडी-रोम, मल्टीमीडिया, इंटरनेट।	8
UNITIII: • भारत में स्कूलों के लिए सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम	• पाठ्यचर्या विकास प्रक्रिया: राष्ट्रीय और राज्य स्तर। स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों के लिए किसी भी राज्य बोर्ड और सीबीएसई के सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम-उद्देश्यों और इनके उद्देश्यों, सामग्री संगठन और प्रस्तुति का अध्ययन करना।	6

UNIT IV: शिक्षण-सीखना भूगोल-अंतरिक्ष, संसाधन और विकास	• अर्थ, प्रकृति और भूगोल का दायरा: वर्तमान रुझान • शिक्षण और सीखना भूगोल में प्रमुख विषय-वस्तु और प्रमुख अवधारणाएं* • *स्थान: निरपेक्ष (चंचल और देशांतरों की ग्रिड प्रणाली) और सापेक्ष स्थान: पृथ्वी की सतह पर स्थानों और लोगों की स्थिति का वर्णन करने के दो तरीके। साइटों (स्थान) और स्थिति (स्थान) के बीच अंतर। • *स्थान: उन स्थानों की विशिष्ट भौतिक और मानवीय विशेषता जो एक दूसरे से अलग करते हैं। • *आंदोलन: अंतरिक्ष में अन्योन्याश्रयता और अंतःक्रिया, लोगों का प्रवास, परिवहन और संचार; व्यापार और वाणिज्य, केंद्रों के पैटर्न, रास्ते और आंतरिक भूमि। • *क्षेत्र: गठन और परिवर्तन। • उपरोक्त सामग्री का उपयोग भूगोल में शिक्षण, सीखने की रणनीति और कौशल विकास को समझने के लिए किया जा सकता है।* • भूगोल में कौशल विकसित करना • भौतिक और सामाजिक विशेषताओं और घटनाओं का अवलोकन, रिकॉर्डिंग और व्याख्या, • छात्र संस्थान के विजन और मिशन, रणनीतिक योजना/निरंतर सुधार, पाठ्यक्रम पहल, छात्र सहायता और प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन में भाग लेकर नेतृत्व का प्रदर्शन करेंगे; और नैतिक और न्यायसंगत व्यवहार के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं। छात्र संस्थान के विजन और मिशन के कार्यान्वयन, रणनीतिक योजना/निरंतर सुधार, पाठ्यक्रम पहल, छात्र सहायता और प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन में भाग लेकर नेतृत्व का प्रदर्शन करेंगे; और नैतिक और न्यायसंगत व्यवहार के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। • भूगोल में शिक्षण रणनीतियाँ • पूछताछ;सहयोगी रणनीतियां;खेल,सिमुलेशन और रोल प्ले;मूल्य	10

	स्पष्टीकरण: समस्या को हल करना और निर्णय लेना। • तरीके: इंटरएक्टिव मौखिक शिक्षा; गतिविधियों, प्रयोगों के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम; सुविधाकर्ता के रूप में शिक्षक के समर्थन के साथ छात्रों के अपने हितों के आधार पर खोजी क्षेत्र का दौरा; कला, कविता और साहित्य का उपयोग करते हुए भावनात्मक या संवेदी स्तर पर 'स्थानों' से जुड़ाव। • तकनीक: पाठ्य पुस्तकों और पाठ्य पुस्तकों का उपयोग करना, गैर-मौखिक कार्य पाठों का उपयोग करना; मध्यम और बड़े पैमाने के मानचित्रों का उपयोग करना; चित्रों, तस्वीरों, उपग्रह छवियों और हवाई तस्वीरों का उपयोग करना; ऑडियो-विजुअल एड्स, सीडी, मल्टीमीडिया और इंटरनेट का उपयोग करना; केस स्टडी दृष्टिकोण।	
UNIT V: शिक्षण- अर्थशास्त्र सीखना: राज्य, बाजार और विकास	• सामाजिक विज्ञान की एक शाखा के रूप में अर्थशास्त्र का संबंध लोगों से है। यह उन्हें उनकी क्षमता का एहसास करने के लिए साधन प्रदान करने के लिए शो का अध्ययन करता है। अर्थशास्त्र पर यह इकाई राज्य, बाजार और विकास के व्यापक विषयों से संबंधित है। बाजार और राज्य विकास के साधन के रूप में परस्पर जुड़े हुए हैं। यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थी के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली महत्वपूर्ण आर्थिक अवधारणाओं और मुद्दों को पेश करने का प्रयास करता है। • अर्थ, प्रकृति और अर्थशास्त्र का दायरा: वर्तमान रुझान अर्थशास्त्र में प्रमुख अवधारणाएं। • कमी और पसंद, अवसर लागत, उत्पादकता, मांग, आपूर्ति और बाजार तंत्र, श्रम और विशेषज्ञता का विभाजन। • आर्थिक प्रणाली का वर्गीकरण • पूंजीवाद, समाजवाद, मिश्रित अर्थव्यवस्था (केस स्टडी: भारत) • अर्थशास्त्र में विकासात्मक मुद्दे • सतत विकास-आर्थिक विकास और आर्थिक विकास-अर्थव्यवस्था की भलाई को मापने के संकेतक; सकल घरेलू उत्पाद; आर्थिक योजना; गरीबी; खाद्य सुरक्षा; मूल्य निर्धारण; धन की भूमिका और कार्य-औपचारिक और अनौपचारिक वित्तीय संस्थानों और बजट; उत्पादन गतिविधियों का वर्गीकरण-प्राथमिक, माध्यमिक;	8

	• आर्थिक सुधार और वैश्वीकरण भारत के संदर्भ में इन विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा करते हैं। • उपरोक्त सामग्री का उपयोग अर्थशास्त्र में शिक्षण, सीखने की रणनीतियों और कौशल विकास को समझने के लिए किया जा सकता है।* • अर्थशास्त्र में शिक्षण-अधिगम के तरीके • व्याख्यान, चर्चा, कहानी सुनाना, समस्या-समाधान, सिमुलेशन गेम, मीडिया और प्रौद्योगिकी का उपयोग, अवधारणा मानचित्रण, परियोजना और गतिविधियों जैसे अन्य तरीकों के अलावा क्षेत्र का दौरा (जैसे मजदूरी और रोजगार पर डेटा के लिए एक निर्माण स्थल पर जाना), दस्तावेजों से डेटा का संग्रह (उदाहरण के लिए। स्व-अध्ययन और सहयोगी शिक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। • शिक्षण-अधिगम सामग्री पाठ्यपुस्तकों का उपयोग, समाचारों का विश्लेषण (समाचार पत्र, टीवी और रेडियो); दस्तावेज़ (जैसे अर्थशास्त्र सर्वेक्षण, पंचवर्षीय योजना), पत्रिकाएँ और समाचार पत्रिकाएँ।	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Bining & Bining	: Teaching of Social studies in the Secondray School,	McGraw Hill Book Co. New York..
James Fleming	The Teaching of Social studies in Secondary school,	Longman, Green & Co. London,
Sharde B.P. & Sharma, J.C.:	: Teaching of Geography.	Oxford,PergamonPress.
Hall David :	Geography and Geography Teacher	London,OUP.
NCERT :	Teaching of History	New Delhi
Pandey, K.P. :	Artha Shastra Shikshan.	
Tiwari, G.S	,.Artha Shastra Shikshan.	.
Awasthi, P.P.	Nagrik Shastra Shikshan Vidhi.	.
Desia, D.M. and	. : : Evaluation in Social studies, DEPSE, Ministry of Education	New Delhi.
Mehta, T.S	:. G ovt. of India	.New Delhi.
Malayya, M	.Social Sciences,	Asia Publishing House, Bombay
Taneja, V.R.	Fundamentals of Teaching Social Studies,	Mohndra
	. :	
	:	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	**PEDAGOGY OF MATHEMATICS** गणित की शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 D
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• गणित शिक्षा के अर्थ, प्रकृति, कार्यक्षेत्र और उद्देश्य में अंतर्दृष्टि विकसित करना; • प्रत्येक छात्र के दिमाग को जोड़ने के लिए एक उपकरण के रूप में गणित की सराहना करें; • उनकी सोच को चैनलाइज, मूल्यांकन, व्याख्या और पुनर्निर्माण; • गणित को एक ऐसी चीज़ के रूप में देखें जिसके बारे में बात करनी है, संवाद करना है, आपस में चर्चा करना है, एक साथ काम करना है। • अर्थपूर्ण समस्याओं को प्रस्तुत करना और उनका समाधान करना; • गणित अधिगम के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना; • जीवन कौशल के लिए अवधारणाओं का उपयोग करने की क्षमता विकसित करना; • गणित में जिज्ञासा, रचनात्मकता और आविष्कारशीलता को बढ़ावा देना; • विभिन्न उपायों के माध्यम से गणित शिक्षण-अधिगम के लिए दक्षताओं का विकास करना।
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: गणित की प्रकृति अर्थ और क्षेत्र	• गणित का अर्थ और क्षेत्र , • एक गणितीय प्रमेय और उसके रूप- विलोम, प्रतिलोम और विपरीत-धनात्मक, प्रमाण और प्रमाण के प्रकार, प्रमाण और सत्यापन के बीच अंतर; • गणित की निगमनात्मक प्रकृति; गणित के शिक्षण पर विशेष जोर देने के साथ गणित का इतिहास, • भारतीय गणितज्ञों का योगदान; गणित में सौंदर्यबोध और गणित में सौंदर्य।	8
UNIT II: • शिक्षार्थियों की खोज करना	• शिक्षार्थी की संवेदनशीलता को विकसित करना, जैसे अंतर्ज्ञान, शिक्षार्थी को जांच के लिए प्रोत्साहित करना, प्रश्न पूछना, सहकर्मी-समूह के बीच संवाद की सराहना करना, • छात्र के आत्मविश्वास को बढ़ावा देना (विभिन्न गणितीय सामग्री क्षेत्रों से उदाहरण लेना, जैसे संख्या प्रणाली, ज्यामिति, सेट, आदि)।	8
UNIT III: स्कूल गणित पढ़ाने के लक्ष्य और उद्देश्य	• गणित पढ़ाने के लिए सामान्य उद्देश्यों को स्थापित करने की आवश्यकता; • स्कूली शिक्षा के उद्देश्यों की तुलना में गणित शिक्षण के उद्देश्यों और सामान्य उद्देश्यों का अध्ययन; • गणित में विभिन्न विषयवस्तु क्षेत्रों जैसे बीजगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति, आदि के विशिष्ट उद्देश्यों और शिक्षण बिंदुओं को लिखना।	8

UNIT IV: • स्कूल गणित पाठ्यक्रम	• पाठ्यचर्या के उद्देश्य, पाठ्यक्रम तैयार करने के सिद्धांत. • स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों में पाठ्यक्रम तैयार करना, पाठ्यचर्या के कुछ मुख्य अंश जैसे स्कूली गणित की दृष्टि, गणित शिक्षा का मुख्य लक्ष्य, • स्कूली गणित में चिंता के मुख्य क्षेत्र, स्कूली गणित शिक्षा के विभिन्न चरणों में पाठ्यचर्या विकल्प, • गणित के विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम का निर्माण, उदाहरण के लिए, बीजगणित, ज्यामिति, आदि; • स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर गणित में विभिन्न विषयों का शैक्षणिक विश्लेषण- अंकगणित (संख्या प्रणाली का विकास), बीजगणित, त्रिकोणमिति, सांख्यिकी और संभावना, आदि।	8
UNIT V: गणितीय अवधारणाओं को पढ़ाने और सीखने में दृष्टिकोण और रणनीतियाँ	• अवधारणाओं की प्रकृति, अवधारणा निर्माण और अवधारणा आत्मसात, • एक अवधारणा को पढ़ाने में आगे बढ़ता है- परिभाषित करना, आवश्यक और/या पर्याप्त शर्त बताते हुए, एक कारण के साथ उदाहरण देते हुए। • तुलना करना और विषमता दिखाना; काउंटर उदाहरण देना; गैर-उदाहरण; बीजगणित, ज्यामिति, त्रिकोणमिति, क्षेत्रमिति, आदि के शिक्षण जैसी अवधारणा को पढ़ाने में रणनीतियों की योजना और कार्यान्वयन; • गणित के शिक्षण और विज्ञान के शिक्षण के बीच अंतर.	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
S.K.Arora(Bhimani	Howtoteachmathematics	ShantiPublisher's1998
–Capeland	Howchildrenlearn mathematics	(NewYork):M.C.Millan Pub.1979,
–W.R.Fuch	Mathematicsformodernmind	(NewYork):M.C.MillanPub.1967.
J.N.Kapoor	VidyalayaGanit keliye sauprayog–	(NewDelhi):AryabookDepot1968
W.B.Saunders	Howtoteachmathematicsin secondaryschool–	(Company)1967
: J.N.Kapoor	Thespiritof mathematics	(NewDelhi):AryabookDepot1964
Ashok Jhunjhunwala	IndianMathematics–	. (NewDelhi)WileyEastern Ltd.1993
,(R.C.Sexena	Curricullumandteachingofmathematicsinsecond aryschool	NCERT1970.
N.K.Ayangar	Theteachingof mathematicsinthenewEducation –	
S.K.Arora	Howtoteachmathematics–	(Bhimani):ShantiPublisher's1998
Dr.S.K.Mangal	Teaching of mathematics (Hindi/English)	Agra publication
Dr.A.B.Bhatnagar	Teaching of mathematics (Hindi/English)	Agra publication

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	PEDAGOGY OF BIOLOGICAL SCIENCE •जैविक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 E
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• शिक्षण-अधिगम के लक्ष्य और रणनीति निर्धारित करने के लिए जैविक विज्ञान के अर्थ और प्रकृति पर अंतर्दृष्टि विकसित करना; • इस बात की सराहना करें कि विज्ञान ज्ञान का एक गतिशील और विस्तृत निकाय है; • इस तथ्य की सराहना करें कि प्रत्येक बच्चे में अपने प्राकृतिक परिवेश के बारे में जिज्ञासा होती है • जैविक विज्ञान सीखने के साथ रोज़मर्रा के अनुभवों की पहचान करना और उन्हें जोड़ना; • जैविक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए विभिन्न गतिविधियों/प्रयोगों/प्रदर्शनों/प्रयोगशाला के अनुभवों का प्रभावी ढंग से उपयोग करें; • जैविक विज्ञान के ज्ञान को स्कूल के अन्य विषयों के साथ एकीकृत करना; • अपनी शाखाओं, प्रक्रिया कौशल, ज्ञान संगठन और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में जैविक विज्ञान की सामग्री का विश्लेषण करें; • विषयवस्तु/इकाइयों के आधार पर प्रक्रिया-उन्मुख उद्देश्यों का विकास करना; • जैविक विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं के लिए सीखने की स्थिति बनाने के विभिन्न तरीकों का अन्वेषण करें; • जैविक विज्ञान सीखने में विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों की जांच करें; • जैविक विज्ञान के अधिगम के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: जैविक विज्ञान की प्रकृति और कार्यक्षेत्र	• विज्ञान जांच के क्षेत्र के रूप में, ज्ञान के गतिशील निकाय और ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया के रूप में; • पर्यावरण और स्वास्थ्य, शांति, समानता के लिए जैविक विज्ञान; • जैविक विज्ञान का इतिहास, इसकी प्रकृति मानव अनुप्रयोग से स्वतंत्र जैविक विज्ञान का ज्ञान; • जीवन की उत्पत्ति और विकास, जैव विविधता, जैविक विज्ञान में अवलोकन और प्रयोग; • अंतःविषय संबंध, जैविक विज्ञान और समाज।	8
UNIT II: जैविक विज्ञान के लक्ष्य और उद्देश्य	• वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच विकसित करना; जीव विज्ञान में प्राकृतिक जिज्ञासा, सौंदर्य बोध और रचनात्मकता का पोषण करना; • अन्वेषण की ओर ले जाने वाली विधियों और प्रक्रियाओं को समझने के लिए कौशल हासिल करना; • जैविक विज्ञान में वैज्ञानिक ज्ञान का सामान्यीकरण और मान्यता; • जीव विज्ञान शिक्षा को पर्यावरण (प्राकृतिक पर्यावरण, कलाकृतियों और लोगों) से जोड़ना और विज्ञान प्रौद्योगिकी और समाज के इंटरफेस पर मुद्दों की सराहना करना; • ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सहयोग, जीवन के प्रति सरोकार और पर्यावरण के संरक्षण के मूल्यों को आत्मसात करें; • दैनिक जीवन की समस्याओं का समाधान करना; शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुरूप जीव विज्ञान और उसके अनुप्रयोगों के तथ्यों और सिद्धांतों को जानें; • जीव विज्ञान में विभिन्न विषयवस्तु क्षेत्रों का विशिष्ट उद्देश्य।	8

UNIT III: **शिक्षार्थियों की खोज**	• कक्षा/पर्यावरण/माता-पिता और साथियों के समूह के माध्यम से प्राप्त विज्ञान/जीव विज्ञान में अपने पिछले ज्ञान को लाने के लिए शिक्षार्थी को प्रेरित करना शिक्षक-शिक्षार्थी में बच्चे को सुनने की आदत पैदा करना; • चर्चा उत्पन्न करना, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में शिक्षार्थियों को शामिल करना, शिक्षार्थियों को प्रश्न उठाने के लिए प्रोत्साहित करना, सहकर्मी समूहों के बीच संवाद की सराहना करना, • शिक्षार्थियों को स्थानीय संसाधनों से सामग्री एकत्र करने और जैविक विज्ञान (व्यक्तिगत या समूह कार्य) में उपयुक्त गतिविधियों का विकास / निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना; जीव विज्ञान में सीखने की बातचीत और मध्यस्थता में शिक्षार्थियों की भूमिका।	8
UNIT IV: **स्कूल विज्ञान पाठ्यक्रम (जैविक विज्ञान)**	• विज्ञान पाठ्यक्रम में रुझान; जीव विज्ञान में शिक्षार्थी केंद्रित पाठ्यक्रम विकसित करने पर विचार; • उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर एनसीईआरटी और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की पाठ्य पुस्तकों और जीव विज्ञान के पाठ्यक्रम का विश्लेषण; • विभिन्न राज्यों में प्रयोग किए जाने वाले जैविक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य प्रिंट और गैर-मुद्रित सामग्री का विश्लेषण।	8
UNIT V: **जैविक विज्ञान सीखने के दृष्टिकोण और रणनीतियाँ**	• ज्ञान के स्थिर निकाय के रूप में विज्ञान से शैक्षणिक परिवर्तन ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया में, • वैज्ञानिक पद्धति-अवलोकन, पूछताछ, परिकल्पना, प्रयोग, • डेटा संग्रह, सामान्यीकरण (शिक्षक-शिक्षक या विभिन्न चरण-विशिष्ट सामग्री से उदाहरण लेते हुए उदाहरण के रूप में भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, उदा। • संरचना और कार्य, आणविक पहलू, जीवित और निर्जीव के बीच बातचीत, जैव विविधता, आदि); • जैविक विज्ञान में संचार;	8

	• जैविक विज्ञान में समस्या समाधान. खोजी दृष्टिकोण, अवधारणा मानचित्रण, सहयोगात्मक शिक्षण और अनुभवात्मक अधिगम (शिक्षक-शिक्षार्थी इनमें से प्रत्येक दृष्टिकोण का उपयोग करके सीखने के अनुभवों को डिजाइन करेंगे); स्व-अध्ययन के लिए शिक्षार्थियों की सुविधा।	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Sarup	Modern Methods of Teaching Biology.Teaching Series	Sarup&Sons,NewDelhi.
Bhaskara Rao, D(2000):	Teaching of Biology,	(Nagarjuna Publishers, G4.
Moha,Radha(2004):	Innovative Science Teaching,	(Prentice Hall ofIndia,New Delhi
UnescoSource	New Unesco Source Book for Science Teaching	(1978), Oxford&IBH,New Delhi.
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002):	Modern Science Teaching,.	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delhi
Sood, K.J.{1989):	New Directions in ScienceTeaching,	KohliPublishers,Chandigarh
Vaidya,N(1996):	Science Teaching for the21st Century	Deep&DeepPublications,NewDelhi.
Gupta S.K.(1983):	Technologyof ScienceEducation,	Vikas Publishing House PvtLtd,Delhi
Chikara, M.S. andS.Sarma(1985)	www.wikipedia.com: TeachingofBiology,	Prakashbrothers,Ludhiana unter
S.K. Mangal:	TeachingofBiologicalScience.	
Dr. Shoti Shivendra Chandra	ContemporaryScience Teaching.	
	. :	
	:	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF PHYSICAL SCIENCE भौतिक विज्ञान की शिक्षा		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 F
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• भौतिक विज्ञान सीखने के साथ रोज़मर्रा के अनुभवों की पहचान करना और उन्हें जोड़ना; • भौतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के विभिन्न दृष्टिकोणों की सराहना करें; • विज्ञान की प्रक्रिया और शिक्षण-अधिगम स्थितियों में प्रयोगशाला की भूमिका को समझ सकेंगे; • भौतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए विभिन्न गतिविधियों/प्रदर्शनों/प्रयोगशाला के अनुभवों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना; • अन्य स्कूली विषयों के साथ भौतिक विज्ञान के ज्ञान को एकीकृत करना; • अपनी शाखाओं, प्रक्रिया कौशल, ज्ञान संगठन और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में भौतिक विज्ञान की सामग्री का विश्लेषण करें; • विषयवस्तु/इकाइयों के आधार पर प्रक्रिया-उन्मुख उद्देश्यों का विकास करना; • भौतिक विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं को सीखने में सीखने की स्थितियों को बनाने के विभिन्न तरीकों का अन्वेषण करें • उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान पर आधारित सार्थक पूछताछ एपिसोड, समस्या-समाधान की स्थिति, खोजी और खोज सीखने की परियोजनाओं को तैयार करना • भौतिक विज्ञान सीखने में विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों का परीक्षण करें
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: विज्ञान की प्रकृति	• विज्ञान जांच के क्षेत्र के रूप में, ज्ञान के एक गतिशील और विस्तारित निकाय के रूप में; • ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया के रूप में विज्ञान; सीखने के अंतःविषय क्षेत्र के रूप में विज्ञान (थर्मोडायनामिक्स, बायोमोलेक्यूल्स, सरफेस केमिस्ट्री, आदि); • तथ्य, अवधारणाएं, सिद्धांत, कानून और सिद्धांत-भौतिक विज्ञान के संदर्भ में उनकी विशेषताएं (प्रत्येक के लिए उदाहरण देते हुए); • पर्यावरण, स्वास्थ्य, शांति, समानता के लिए भौतिक विज्ञान; भौतिक विज्ञान और समाज; • प्रख्यात वैज्ञानिकों का योगदान- आइजैक न्यूटन, डाल्टन, नील्स बोहर, डी ब्रोगली, जे.सी.बोस, सी.वी.रमन, अल्बर्ट आइंस्टीन, आदि।	8
UNIT II: भौतिक विज्ञान के लक्ष्य व उद्देश्य	• वैज्ञानिक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करना, विज्ञान (माध्यमिक स्तर) / भौतिकी और रसायन विज्ञान (उच्च माध्यमिक चरण) में प्राकृतिक जिज्ञासा, सौंदर्य इंद्रियों और रचनात्मकता का पोषण करना; • विज्ञान/भौतिक विज्ञान की विधि और प्रक्रिया को समझने के लिए कौशल हासिल करना जो विज्ञान/भौतिक विज्ञान में ज्ञान की खोज, सृजन और सत्यापन की ओर ले जाता है; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान शिक्षा को पर्यावरण (प्राकृतिक पर्यावरण, कलाकृतियों और लोगों) से संबंधित करें और विज्ञान प्रौद्योगिकी और समाज के इंटरफेस पर मुद्दों की सराहना करें; • ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, सहयोग, जीवन के प्रति सरोकार और पर्यावरण के संरक्षण के मूल्यों को आत्मसात करना, रोजमर्रा की जिंदगी की समस्याओं का समाधान करना; • विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान के तथ्यों और सिद्धांतों को जानें और शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक विकास के चरणों के अनुरूप	8

	इसके अनुप्रयोग, (जैसे यांत्रिकी, ऊष्मा, बिजली, चुंबकत्व, प्रकाश, अम्ल, क्षार और लवण, ऊष्मागतिकी, धातुकर्म, • भौतिक और रासायनिक परिवर्तन, प्रकृति और पदार्थ की अवस्था, आदि। विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में विभिन्न सामग्री क्षेत्रों का विशिष्ट उद्देश्य।	
UNIT III: शिक्षार्थी खोज	• शिक्षार्थियों को कक्षा/पर्यावरण/माता-पिता और साथियों के समूह के माध्यम से विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में प्राप्त अपने पिछले ज्ञान को लाने के लिए प्रेरित करना; • शिक्षक-शिक्षार्थी में बच्चे को सुनने की आदत डालना; शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थियों को शामिल करते हुए चर्चा उत्पन्न करना; • शिक्षार्थियों को प्रश्न उठाने के लिए प्रोत्साहित करना, साथियों के समूह के बीच संवाद की सराहना करना; शिक्षार्थियों को स्थानीय संसाधनों (मिट्टी, पानी, आदि) से सामग्री एकत्र करने और विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान (व्यक्तिगत या समूह कार्य) में उपयुक्त गतिविधियों का विकास/निर्माण करने के लिए प्रोत्साहित करना; • विज्ञान/भौतिक विज्ञान में सीखने की बातचीत और मध्यस्थता में शिक्षार्थियों की भूमिका।	8
UNIT IV: • स्कूल विज्ञान पाठ्यक्रम (भौतिक विज्ञान)	• विज्ञान पाठ्यक्रम में रुझान; भौतिक विज्ञान में शिक्षार्थी केंद्रित पाठ्यक्रम विकसित करने पर विचार, • विज्ञान/भौतिकी और रसायन शास्त्र पाठ्यक्रम और एनसीईआरटी और राज्यों की पाठ्य पुस्तकों का विश्लेषण (उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर); • भौतिक विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न राज्यों में उपयोग की जाने वाली अन्य प्रिंट और गैर-मुद्रित सामग्री का विश्लेषण।	8

UNIT V: भौतिक विज्ञान सीखने की रणनीतियाँ और दृष्टिकोण	• ज्ञान के निश्चित निकाय के रूप में विज्ञान से शैक्षणिक बदलाव ज्ञान के निर्माण की प्रक्रिया, वैज्ञानिक पद्धति-अवलोकन, पूछताछ, परिकल्पना, प्रयोग, डेटा संग्रह, सामान्यीकरण (शिक्षक-शिक्षक विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान की विशिष्ट सामग्री से प्रत्येक उदाहरण लेते हुए उदाहरण देंगे, जैसे समाधान, कोलाइड्स, रासायनिक संतुलन, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, पदार्थ के यांत्रिक और थर्मल गुण, प्रतिबिंब, अपवर्तन, वेव ऑप्टिक्स इत्यादि के रूप में); • विज्ञान/भौतिक विज्ञान में संचार, समस्या समाधान, निवेश संबंधी दृष्टिकोण, अवधारणा मानचित्रण, विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में सीखने और अनुभवात्मक सीखने में सहयोग करना (शिक्षक-शिक्षार्थी इनमें से प्रत्येक दृष्टिकोण का उपयोग करके सीखने के अनुभवों को डिजाइन करेंगे). स्व-अध्ययन के लिए शिक्षार्थियों की सुविधा।	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
UNESCO	New UNESCOSourceBookfor ScienceTeaching	(1978), Oxford&IBH,New Delhi..
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002):	ModernScience Teaching,i.	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delh
Sood, K.J. (1989):	New Directions in ScienceTeaching,	KohliPublishers,Chandigarh
Vaidya,N (1996):	Science Teaching for the21st Century	Deep&DeepPublications,NewDelhi.
Gupta S.K.(1983):	Technologyof ScienceEducation,	Vikas Publishing House PvtLtd,Delhi
Chikara, M.S. andS.Sarma(1985):	www.wikipedia.comTeachingofBiology,	Prakashbrothers,Ludhiana unter
Dr. Shoti Shivendra Chandra	: ContemporaryScience Teaching.	,NewDelhi.
R.A.Yadav, Siidiqui:	TeachingofScience.	Delhi
NCERT	AllNCERT ScienceText Booksfromclass IXto XII.	New Delhi
UNESCO	New UNESCOSourceBookfor Science Teaching.	(1978), Oxford&IBH,New Delhi
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002	ModernScience Teaching,	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delhi.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER I)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PRACTICAL प्रायोगिक		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED.104 A & 104 B	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER I	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विद्यार्थी को विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री को समझने में सक्षम होना चाहिए। • शिक्षण सामग्री और शिक्षण सहायक सामग्री, उनके व्यावहारिक पहलू की पहचान • शिक्षण सहायक सामग्री के प्रकार और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में अनुप्रयोग। • शिक्षण सहायक सामग्री का महत्व व प्रयोग • विभिन्न शिक्षण स्थितियों में शिक्षण सहायक सामग्री के उपयोग का प्रभाव। • प्रभावी शिक्षण सहायक सामग्री का चयन कैसे करें जानेगे	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 50 (In both group)	INTERNAL : 50 (In both group)
			EXTERNAL: Nil

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
Work	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Preparation of Teaching Aids 104 A	➢ स्कूल विषय सामग्री पर कम से कम 6 चार्ट का निर्माण ➢ स्कूल विषय सामग्री को दर्शाने ट्रांसपीरेंसी के न्यूनतम 3 सेट ➢ स्कूल विषय सामग्री को दर्शाने के लिए न्यूनतम 3 पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण ➢ स्कूल विषय सामग्री पर न्यूनतम 1वीडियो पाठ का निर्माण ➢ स्कूल शिक्षण सामग्री की सहायता के लिए न्यूनतम एक स्थिर मॉडल	

Community Activities **104 B**	➢ ग्राम सर्वेक्षण (सामुदायिक गतिविधियां) किसी भी गांव की सर्वे रिपोर्ट तैयार कर कॉलेज में जमा करें ➢ Awareness Rally/Program Awareness program in any relevant social problem of your city/ state/ or country. ➢ जागरूकता रैली/कार्यक्रम आपके शहर/राज्य/या देश की किसी भी प्रासंगिक सामाजिक समस्या में जागरूकता कार्यक्रम।	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
NCERT	All NCERT Science Text Book from class IXtoXII	New Delhi
NCERT	All NCERT Maths Text Booksfrom class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Hindi Text Booksfrom class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT English Text Booksfrom class IXtoXII.	. New Delhi
NCERT	All NCERT Social Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
C G BOARD	Science Text Book from class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Maths Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Hindi Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
C G BOARD	English Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Social Science Text Books from class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Science Text Book from class IXtoXII.	C G
C G BOARD	Maths Text Booksfrom class IXtoXII.	C G
	: SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES OF EDUCATION • शिक्षा के सामाजिक दृष्टिकोण		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 201
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• राज्य और कक्षा में सामाजिक विविधता और शिक्षण के लिए इसके निहितार्थ को समझना • सामाजिक स्तरीकरण से संबंधित कुछ प्रमुख अवधारणाओं को समझने और उनका उपयोग करने में सक्षम होने के लिए • जाति की प्रकृति और उसमें होने वाले परिवर्तनों को समझना; अनुसूचित जातियों और उनकी शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए • जनजातीय समुदायों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं और आदिवासी बच्चों की शिक्षा में मुद्दों को समझने के लिए • प्रवासी बच्चों के विशेष संदर्भ में यह समझने के लिए कि गरीबी बच्चों की स्कूली शिक्षा की संभावनाओं को कैसे प्रभावित करती है
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL : 20 / EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में भारतीय समाज की विविधता को समझना	i. भारतीय समाज में, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ में, कुछ गांवों, क्षेत्रों या शहरों के केस स्टडी के माध्यम से विविधता का पता लगाया जाएगा। विभिन्न समुदायों की पारिस्थितिकी, अर्थव्यवस्था, भाषा, संस्कृति और शैक्षिक स्थिति के संदर्भ में उनकी रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी। इन समुदायों में बचपन और शिक्षा तक पहुंच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। छात्र शिक्षकों को इस विविधता को कक्षा में एक संभावित शैक्षणिक संसाधन के रूप में देखने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ii. इस कक्षा में विविधता। सहपाठियों की विविध सामाजिक-सांस्कृतिक और भाषाई पृष्ठभूमि को जानना। इस बारे में जानना कि उन्होंने खुद को कैसे शिक्षित किया iii. राज्य के कुछ पांच समुदायों की नृवंशविज्ञान रूपरेखा (उदाहरण के लिए, एक आदिवासी, एक अनुसूचित जाति, एक कृत्रिम समुदाय, एक कृषि जाति, एक अल्पसंख्यक धार्मिक समुदाय) iv. शैक्षिक रूप से जोखिम वाले बच्चे- उन बच्चों के समुदायों की रूपरेखा तैयार करना जिन्हें स्कूली शिक्षा में अच्छी तरह से एकीकृत नहीं किया गया है (नामांकन न करना, जल्दी ड्रॉप आउट, कम उपलब्धि)। v. समुदायों, पेशेवर समूहों, आर्थिक स्थिति, सामाजिक सम्मान, शक्ति, आदि के संदर्भ में अपने गांव या शहर के समाज की रूपरेखा। vi.कक्षा में पढ़ाने के लिए संसाधन के रूप में विविध छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि को प्रत्येक में कैसे मिटाया जा सकता है?	10
UNIT II: **सामाजिक स्तरीकरण से संबंधित सामाजिक अवधारणाएं**	कुछ प्रमुख समाजशास्त्रीय अवधारणाओं जैसे जीवन के अवसर, भेदभाव, बहिष्कार, स्तरीकरण, आदि पर चर्चा की जाएगी ताकि छात्र शिक्षक विभिन्न सामाजिक संदर्भों का उपयोग कर सकें। ✓ जीवन के अवसर, वर्ग, स्थिति और शक्ति: मार्क्स और मैक्सवेबर के फ्रेम वर्क ✓ सामाजिक भेदभाव, बहिष्कार और शोषण। ✓ सामाजिक पूंजी, सांस्कृतिक पूंजी, विज्ञान पूंजी और आर्थिक पूंजी- पी. बॉर्डियू का दृष्टिकोण अमर्त्य सेन के अवसरों और क्षमताओं की समानता के उपागम का दृष्टिकोण	8

UNIT III: **शिक्षा के लक्ष्य**	• प्रमुख नीति और दस्तावेजों में शिक्षा के उद्देश्य: • मुदलियार आयोग की रिपोर्ट • कोठारी आयोग की रिपोर्ट • राष्ट्रीय नीति शिक्षा, 1986 • पाठ्यचर्या की रूपरेखा कार्य, 2000 और 2005 • एनसीएफटीई 2009: और 2014 एनपीई 2020: भाग I (अध्याय 5,6,7,8,) और भाग II- (शिक्षक शिक्षा के विशेष संदर्भ के साथ)	8
UNIT-IV: **शिक्षा और प्रजातंत्र**	•"राष्ट्रीय एकता और भावनात्मक एकीकरण" शब्द का अर्थ, इसकी आवश्यकता, लोकतांत्रिक एकीकरण के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण प्राप्त करने में शिक्षक और शैक्षणिक संस्थान की भूमिका, • सांस्कृतिक विरासत की व्याख्या, विभिन्न धर्मों के योगदान (हिंदू धर्म, - बौद्ध धर्म, सिख धर्म, इस्लाम, ईसाई धर्म) और जैन धर्म) एक ही कारण और मानव उत्थान, समान संचार, भारतीय त्योहारों के उत्सव के दर्शन के लिए। • शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार। मौजूदा सामाजिक व्यवस्था द्वारा दिए गए मानदंडों के अनुसार व्यक्ति से व्यक्ति और व्यक्ति से समाज के बीच संबंध; • उदार उपयोगितावादी के रूप में शिक्षा, आर्थिक शिक्षा के एक उपकरण के रूप में शिक्षा, सामाजिक परिवर्तन के एक एजेंट के रूप में, समाज के तत्काल कल्याण के माध्यम से शिक्षा, • शिक्षा और मानव संसाधन विकास के माध्यम से राष्ट्रीय कल्याण के साधन के रूप में शिक्षा। • एक नई सामाजिक व्यवस्था का अर्थ, निरक्षरता का उन्मूलन, एनएईपी के उद्देश्य; सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से वंचितों को शिक्षित करने के लिए प्रावधान किए और विभिन्न श्रोत; जातियों, जनजातियों के संदर्भ में अवसरों की समानता के लिए किए गए उपाय और उपाय। विकलांग, लिंग और अल्पसंख्यक	8

UNIT V: • **भारतीय शिक्षा की वर्तमान चिंताएं**	निजी सार्वजनिक भागीदारी (पीपीपी); फिर भी अन्य शिक्षकों की स्थिति से संबंधित हैं - शिक्षकों की आकस्मिकता और अनौपचारिकता। छात्र शिक्षकों को केस स्टडी और अन्य अकादमिक साहित्य के माध्यम से इन चिंताओं और संभावनाओं का अध्ययन करने का अवसर दिया जाएगा: (1) व्यावसायिक नैतिकता **(2) संस्था पर निजीकरण और मानव संसाधन पर विकास का प्रभाव** **प्रायोगिक:** **1.** 1. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, प्रवासी श्रमिकों, ग्रामीण और शहरी गरीबों, आदि जैसे हाशिए के सामाजिक समूहों की स्थिति और उनकी शैक्षिक संभावनाओं का क्षेत्र आधारित सर्वेक्षण। **2.** विभिन्न प्रकार के स्कूलों में हाशिए के समुदायों के बच्चों के सामने आने वाली समस्याओं को समझने के लिए कार्य अनुसंधान। **3.** हाशिए के समूहों की शिक्षा के लिए सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन को समझने के लिए कार्रवाई अनुसंधान। **4.** विभिन्न प्रकार के स्कूलों और उनमें कार्यरत शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों की स्थिति का अध्ययन करने के लिए सर्वेक्षण। **5.** चर्चा के तहत नीतिगत मुद्दों से संबंधित क्षेत्र की वास्तविकताओं को समझने के लिए सर्वेक्षण 6. सीमांत समूहों की शिक्षा से संबंधित मुद्दों की भूमिका निभाना और उनका नाटकीयकरण करना	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Education policy	Education policy documents and Commission Reports:Mudaliar Commission, Kothari Commission, National Commissionon Teachers,Yashpal Commission, National Policy on Education 1965, 1988 &1992	New Delhi..
NPE 2020	NPE 2020. ncte.gov.in 2014-15	,New Delh
NCERT	Sociology,NCERT Text books for class XI and XII	New Delhi
SC Dube	Indian Society	NBT, Delhi
Russel&Hiralal	Tribesand Castes of CP &Berar	
Danda,AjitKumar [edit.].	Chhattisgarh:AnAreaStudy,	Calcutta 1977.AnthropologicalSurveyofIndia
Dr. Shoti Shivendra Chandra	: Contemporary Science Teaching.	NewDelhi.
Azim PremjiFoundation,	The Social Context of Elementary Educationin RuralIndia,	Azim PremjiFoundation,Bangalore, 2004
Reeta Chouhan	Sociological perspectives of Education	Agrwal publication Agra
Lal Raman bihari	Smajshastriye adhar	Agra
ShyamBenegal,	Making of the Constitution (12parts)	Films & Documentaries
ShyamBenegal,	Bharat Ek Khoj (relevant parts on National movement)	Films & Documentaries
ShyamBenegal,	India untouch	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	**CLASS: (SEMESTER II)**	**YEAR: 2022**	**SESSION: 2022-24**
SUBJECT:	**LEARNER AND LEARNING PROCESS • सीखने और सीखने की प्रक्रिया**		

1.	PROGRAM CODE	**0801**
2.	COURSE CODE	**BED. 202**
3.	COURSE TITLE	**B.Ed. SEMESTER II**
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• मानव विकास और विकासात्मक कार्यों के चरणों का ज्ञान और समझ हासिल करना; किशोर शिक्षार्थियों के विशेष संदर्भ में। • सीखने के विभिन्न सिद्धांतों के संदर्भ में बच्चों के सीखने की प्रक्रिया की समझ विकसित करना। • बुद्धि, प्रेरणा और विभिन्न प्रकार के असाधारण बच्चों को समझें। • प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया और साइकोमेट्रिक मूल्यांकन के उपयोग के लिए कौशल विकसित करना। • विभिन्न संगठनों और विश्वविद्यालयों के सहयोग से शिक्षा को पुनर्जीवित करना
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	**MAXIMUM MARKS:100** — **INTERNAL- 20**; **EXTERNAL – 80**

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I **मनोविज्ञान और शिक्षार्थियों की प्रकृति**	• मनोविज्ञान: इसका अर्थ, प्रकृति, तरीके और कार्यक्षेत्र; शैक्षिक मनोविज्ञान के कार्य। • मानव विकास के चरण; चरण विशिष्ट विशेषताएं और विकासात्मक कार्य। • भारतीय संदर्भ में किशोरावस्था-किशोरों की विशेषताएं और समस्याएं, उनकी जरूरतें और आकांक्षाएं। • किशोरों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श.	8
UNIT-II **अधिगम**	• सीखने की प्रकृति; पियाजे (संज्ञानात्मक) सिद्धांत और अल्बर्ट बंडुरा सामाजिक शिक्षा के विशिष्ट संदर्भ के साथ सीखने के सिद्धांत। • सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले कारक: शिक्षार्थी से संबंधित; शिक्षक से संबंधित: प्रक्रिया से संबंधित और सामग्री से संबंधित।.	6
UNIT-III **बुद्धिमत्ता**	• बुद्धि की प्रकृति और विशेषताएं और उसका विकास। • बुद्धि के सिद्धांत; दो कारक सिद्धांत- बहुकारक सिद्धांत (पीएमए) और SIModel। • बुद्धि मापना- मौखिक, गैर-मौखिक प्रदर्शन परीक्षण (एक, समूह परीक्षण का प्रतिनिधि और प्रत्येक का व्यक्तिगत परीक्षण), रचनात्मकता-परिभाषा, माप, "Four C" रचनात्मकता का मॉडल।.	8

UNIT-IV असाधारण बच्चा	• असाधारण बच्चों की अवधारणा - सीखने की अक्षमता वाले बच्चों सहित प्रत्येक प्रकार के प्रकार, और विशेषताएं। • व्यक्तिगत विभेद - प्रकृति; कक्षा-कक्ष में व्यक्तिगत विभेद को समायोजित करना। असाधारण बच्चों को पढ़ाने के लिए शिक्षार्थी केंद्रित तकनीकें। • व्यक्तित्व- परिभाषा, अर्थ और प्रकृति; व्यक्तित्व का विकास; व्यक्तित्व के प्रकार और लक्षण सिद्धांत। समूह की गतिशीलता। मनोविश्लेषण।	8
UNIT-V भारतीय संदर्भ में समाजीकरण, संस्कृति व शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी का अनुप्रयोग	• धर्मों और महाकाव्यों के विशिष्ट संदर्भ में भारतीय मनोविज्ञान का इतिहास। भारतीय संस्कृति में विविधता को समझना • दुर्गानन्द सिन्हा का संज्ञानात्मक विकास • मनोवैज्ञानिक आंकड़ो के व्याख्या के लिए आवश्यक सांख्यिकीय अवधारणा उसकी आवश्यकता • केंद्रीय प्रवृत्ति और परिवर्तनशीलता (चरों) का मापन (केवल मानक विचलन) और उनकी गणना। • डेटा और उनके उपयोगों का चित्रमय ग्राफीय प्रतिनिधित्व व् निरूपण	10

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Bhatia,H.R.	: Elementsof EducationalPsychology.	OrientLangman Ltd.,Bombay..
Chauhan, S.S	: AdvanceEducationalPsychology.	Vikas publishingHouse.New Delhi.
Chauhan, S.S	PsychologyofAdolescence	Allied Publishers,New Delhi.
Garrett,H.E	: GandhianDimension in Education.	Vakils,Fetterand simoLtd. Bombay
Gulati, Sushma	Education for Creativity	NCERT, 1985
Huriock,E.B	: AdolescentDevelopment,	McGraw Hill.New York.
Kapil,H.K	SankhiyikikeMool Tatva	Vinod pustak Mandir,Agra.
Kulshrenta S.P	EducationalPsychology.	
Mangal,S.K	PsychologicalEducation	PrakashBrother,Ludhiana.
Mathur, S.S	Educational Psychology	VinodPustakMandir,Agra.
Mathur, S.S.	Shiksha Manovigyan	Lyoll Book Dept Meerut
Srivastava,G.N.P	RecentTrendsinEducationalPsychology	Psycho,Research Cell.Agra
Tripathi, S. N	Prathiba Aur Srijntmakta	McmillanCo..Bombay.
Psychologyin a Third world country: theIndianexperience byDurganandSinha		
MotivationandRuraldevelopmentbyDurganandSinha		
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)	
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24

SUBJECT

ELECTIVE I 203

EDUCATIONAL AND MENTAL MEASUREMENT • शैक्षिक और मानसिक माप

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 203 A	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	सभी ऐच्छिक विषयों का समकालीन दुनिया के नवीनतम विकास पर पूर्ण प्रभाव होना चाहिए · शैक्षिक और मानसिक माप में बुनियादी वैज्ञानिक अवधारणाओं और प्रथाओं का उपयोग करने में सक्षम। · छात्र सांख्यिकीय प्रक्रियाओं का उपयोग करके कच्चे अंकों से कुछ मानक अर्थ को सारणीबद्ध और खोज सकते हैं। · यह क्षेत्र में तकनीकों के उपयोग के लिए छात्र शिक्षक में कौशल और दक्षता विकसित कर सकता है। · छात्र शिक्षक शैक्षिक माप के परिणाम की व्याख्या करने के लिए। · विद्यार्थी विभिन्न शैक्षिक और मानसिक माप उपकरणों के बारे में समझाता है।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20
			EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNITI: माप की अवधारणा: परीक्षण और पैमाना	• माप की अवधारणा: परीक्षण और मूल्यांकन। • माप के पैमाने: नाममात्र, क्रमिक, अंतराल और अनुपात पैमाने। • असतत और सतत चर। एक अच्छे परीक्षण के गुण - विश्वसनीयता, वैधता और परीक्षण की उपयोगिता: पद विश्लेषण, प्रक्रियाएं और पद चयन।	6

UNITII: शैक्षिक सांख्यिकीय	• शैक्षिक सांख्यिकीय : समूहीकृत और गैर-समूहीकृत आंकड़ों से केंद्रीय प्रवृत्ति के उपाय। • परिवर्तनशीलता के उपाय - प्रसार, चतुर्थक विचलन, मानक विचलन। • **आंकड़ो का ग्राफिकल प्रतिनिधित्व।**	6
UNIT III: परीक्षण और रिपोर्ट की तकनीक	• परीक्षा संचालन की तकनीक छात्रों के साथ तालमेल स्थापित करने, सीटों की व्यवस्था और न्यूनतम कोपी अनुकरण और नकल के लिए प्रश्नों के वितरण का महत्व; उत्तर देने में अनुमान लगाने से बचने की तकनीकें; वस्तुनिष्ट अंकन	6
UNIT IV: व्याख्या मापन	• व्याख्या मापन : सामान्य संभाव्यता वक्र, विषमता और कुकुदता • पर्सेंटाइल और पर्सेंटाइल रैंक। • मानक स्कोर, स्पीयरमैन की विधि और इसकी व्याख्या द्वारा सहसंबंध का गुणांक।	8
UNIT V: **व्यक्तित्व का विभिन्न परीक्षण और मूल्यांकन**	• उपलब्धि परीक्षण : मानकीकृत उपलब्धि परीक्षणों का निर्माण। • परीक्षण मदों के प्रकार। • बुद्धि का मापन: बुद्धि की अवधारणा, बिनेट परीक्षण, बुद्धि की अवधारणा। • बुद्धि के व्यक्तिगत और समूह परीक्षण: • योग्यता और व्यक्तित्व परीक्षण: योग्यता परीक्षण का प्रयोग - सिंहावलोकन। • रूचि सूची का उपयोग। **व्यक्तित्व का आकलन: साक्षात्कार, स्व-रिपोर्ट सूची, रेटिंग स्केल, प्रोजेक्टिव तकनीक। (नोट - अनिवार्य कोर पाठ्यक्रमों के तहत शामिल कुछ बुनियादी अवधारणाएं और आइटम पुनरावृत्ति से बचने के लिए यहां छोड़े गए हैं, हालांकि ये प्रासंगिक हैं)।** **प्रयोगिक :** • मनोवैज्ञानिक परीक्षण का प्रशासन और परीक्षण के परिणामों की	8

	व्याख्या। • का संकल्प। किसी भी स्व-निर्मित परीक्षण की विश्वसनीयता या वैधता। **कम से कम पांच प्रकार के परीक्षण मदों के साथ एक परीक्षण बैटरी का निर्माण और छात्रों के एक वर्ग/समूह पर उसका परीक्षण करना।**	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Asthana,Biptn&Agrawal,R.N.	**1.** :Mapan ewam moolyankan.	VinodPustakMandir,Agra.
Asthana,BipinandAgrawal,R.N.	**2.** :Measurement and Evaluation In Psychology and Education,	VinodPustakMandir,Agra
Bhagwan,Mahesh	**3.** :Shiksha mein Mapan ewam moolyannkan,	VinodPustakMandirAgra
Lindeman,R.H.annd Mcrenda,P.F.	**4.** :Educational Measurement,	Scott foreman & Com-pany, London,
Rawat,D.L. :	**5.** Shaikshik Mapan ki Naveen Rooprekha,	Gaya Prasadand Sons, A9ra
Sharma.R.A.:	**6.** Measurement and Evaluation In Education and psychology,	Lyall Book DepotMerrut
Sharma	**7.** Shikshatatha Manovigyan mai mapan Evam moolyankan.	Lyall Book Depot Merrut.
Verma R.S.:	**8.** Shaikshik Moolyankan.	Vinod Pustak Mandir.Agra.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24

SUBJECT

ELECTIVE 203

EDUCATIONAL ADMINISTRATION & MANAGEMENT शैक्षिक प्रशासन व प्रबन्धन

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 203 B
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• . छात्र शिक्षक शिक्षा प्रशासन की अवधारणा और चिंताओं के साथ सक्षम होते हैं। • विषय स्कूल प्रबंधन में प्रधानाध्यापक और शिक्षक की भूमिका की समझ विकसित करता है। • छात्र शिक्षक को संचार के महत्व और शैक्षिक प्रशासन में इसकी संभावित बाधाओं की अवधारणा को समझने में सक्षम बनाना। • छात्र शिक्षक को क्षेत्र के अन्य माध्यमिक विद्यालयों के कामकाज के संबंध में प्रशासनिक परिदृश्य का आलोचनात्मक विश्लेषण करने में सक्षम बनाना। • छात्र शिक्षक को शैक्षिक प्रबंधन की वैज्ञानिक प्रथाओं से परिचित कराना और उसे काम की स्थिति में लागू करने के लिए रखना।
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: शैक्षिक प्रशासन व प्रबन्धन की अवधारणा	• अवधारणात्मक रूपरेखा: शैक्षिक प्रशासन की अवधारणा। • शैक्षिक प्रबंधन की अवधारणा मानव अनुक्रिया के रूप में , प्रक्रिया और उत्पाद अनुक्रिया के रूप में। शैक्षिक एकरूपता की प्रकृति, उद्देश्य और कार्यक्षेत्र	6
UNIT II: प्रशासन योजना, निर्देशन और नियंत्रण का आयोजन:	• धानाध्यापक/शिक्षक की भूमिका और कार्य: बुनियादी कार्य प्रशासन की योजना बनाना, निर्देशन और नियंत्रण का आयोजन। • अनुशासन का रखरखाव, नियंत्रण प्रबंधन। • समन्वय और विकास, विकास, • पर्यवेक्षण और निरीक्षण, वर्तमान पर्यवेक्षण और निरीक्षण में दोष। • शैक्षिक पर्यवेक्षण का दायरा, • पर्यवेक्षण के प्रकार। • मार्गदर्शन प्रदान करना; नेतृत्व समारोह, • प्रबंधन में संकट • निर्णय लेना।	6
UNIT III: प्रशासन और संचार की भूमिका	• शैक्षिक प्रशासन में संचार प्रभावी प्रबंधन और प्रशासन में संचार की भूमिका। • संचार के तरीके। • शैक्षिक प्रशासन में संचार की बाधाएं। शैक्षिक प्रशासन में संचार और प्रभावी संचार में आने वाली बाधाओं पर काबू पाना.	6

UNIT IV: स्कूल प्रबंधन और प्रशासन	• स्कूलों का प्रबंधन: स्कूल की गतिविधियों की योजना बनाने में प्रधानाध्यापक की भूमिका, प्रबंधन के दृष्टिकोण - जनशक्ति दृष्टिकोण, लागत लाभ दृष्टिकोण, सामाजिक मांग दृष्टिकोण, सामाजिक न्याय दृष्टिकोण। • योजना तैयार करने में अन्य पदाधिकारियों और एजेंसियों की भागीदारी। • प्राधिकार और जवाबदेही का प्रत्यायोजन। • निगरानी, पर्यवेक्षण और मूल्यांकन में प्रधानाध्यापक की भूमिका। • पारस्परिक संघर्षों के समाधान में कर्मचारियों को प्रेरित करने में प्रधानाध्यापक की भूमिका। • संसाधन सृजित करने और वित्तीय मामलों के प्रबंधन में प्रधानाध्यापक की भूमिका। • स्कूल की वृद्धि और विकास के लिए उपलब्ध संसाधनों का इष्टतम उपयोग। • कर्मचारी विकास कार्यक्रम। • स्कूल प्रबंधन और प्रशासन में शिक्षकों की भूमिका।	8
UNIT V: शैक्षिक प्रशासन कार्य और समस्याएं	• छत्तीसगढ़ राज्य में शैक्षिक प्रशासन: राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में प्रशासनिक ढांचा। • राज्य में स्कूली शिक्षा पर नियंत्रण-एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। • माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संबंध में राज्य सरकार के कार्य। • माध्यमिक विद्यालयों को नियंत्रित करने में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के कार्य। **• सरकारी स्कूलों में माध्यमिक विद्यालय प्रशासन की समस्याएं।** **प्रयोगिक :** •छात्र-शिक्षक से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्कूल प्रशासन से संबंधित किसी भी मुद्दे या समस्या का अध्ययन करें। रिपोर्ट लगभग 700 शब्दों में होनी चाहिए।	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Bhatnagar, R.P. &Verma.I.B	EducationalAdministration	LyallBookDepot Meerut..
Bhatnnagar,R.R &Agrawal,Vidya	EducationalAdministration,Supervision Planning and Financing.	R.Lall nook Depot. Meerut.
Sukhiya SP	Educational Administration	Agra
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)	
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)	

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	ELECTIVE 203 ART EDUCATION कला शिक्षा		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 203 C	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	छात्र छोटी और बड़ी परियोजनाओं पर एक साथ काम करने में सक्षम होते हैं। · यह छात्रों में अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को मुक्त करने की क्षमता विकसित कर सकता है। · वे डिजाइन के बुनियादी तत्वों से परिचित हैं। · पाठ्यक्रम के अंत में यह संवेदनशीलता और सौंदर्य प्रशंसा के प्रति एक अंतर्दृष्टि विकसित करता है। · यह कलात्मक और रचनात्मक अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य को विकसित करता है।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20 EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT I: भारतीय कला का संक्षिप्त इतिहास व कला प्रशंसा	• मूर्तियां: (संक्षिप्त परिचय देने वाली प्रत्येक अवधि की कोई भी 2 मूर्तियां)। • सिंधु घाटी (उन्हें इसमें 8वीं कक्षा तक पढ़ना चाहिए) • मौर्य काल • गुप्त काल • लोक कला	8

	• आधुनिक / समकालीनकला
	• चित्रों;
	• अजंता और धार्मिक परंपराएं
	  • लघु पेंटिंग
	• समकालीन पेंटिंग
	  • लोक कला	

UNIT II: दृश्य कला.	• श्य कला का इतिहास • दृश्य कला की अवधारणा और अर्थ • 2 डी कला, तरीके और तकनीक, ड्राइंग, पेंटिंग, स्टिल लाइफ, प्रिंटिंग, लाइफ ड्रॉइंग, कंपोजिशन, कोलाज, वॉल पेंटिंग, पोस्टर, अल्पामा / रंगोली / मंद्रा / लोक कला रूप आदि। • जनजातीय कंप्यूटर ग्राफिक्स: एनिमेशन • 3-डी कला; तरीके और तकनीक: राहत कार्य, मिट्टी की मॉडलिंग, हस्त कविता, मोल्डिंग, मूर्तिकला, मिश्रित सामग्री के साथ टेराकोटा निर्माण। · 3-डी एनिमेशन। लोक / जनजातीय कला	8
UNIT III: रंगमंच	• सैद्धांतिक / नाटकीय आत्म की भावना: • नाटक के कारक; कथानक, संरचना, पात्र, उपलब्ध सामग्री, प्रदर्शन स्थान, प्रदर्शन आदि। • नुक्कड़ नाटक; पटकथा लेखन, गीत लेखन, जोकर, कार्टूनिंग। • पहचान, लिंग, रिश्ते, सामाजिक स्थिति के मुद्दे। • रंगमंच की जड़ें; अनुष्ठान, त्योहार / उत्सव, मिथक, आदिम आदमी, भाषा विकास। · आधुनिक भारतीय नाटक; प्रमुख नाटक और नाटक लेखन।	8

UNIT IV:

संगीत और नृत्य:

- लाया और स्वरा; लय और नोट की बुनियादी अवधारणाएँ।
- · संगीत: स्थानीय रूप से ज्ञात गीतों और नृत्यों के संदर्भ में गायन, वादन और नृत्य आमतौर पर किया जाता है।
- · संगीत वाद्ययंत्र; वर्गीकरण।
- विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों जैसे रेगिस्तान, पहाड़ों, जंगलों और नदी-पट्टी का संगीत।
- 'नृत्य' या 'नाच' शब्द
- क) शरीर के विभिन्न भागों की गति
- बी) अभिव्यक्ति
- ग) साहित्य
- · आघाती अस्त्र
- · कोई दो क्षेत्रीय नृत्य
- 1. क्षेत्र का विवरण
- 2. बोली
- 3. वेशभूषा
- 4. संगीत
- 5. ताल
- **विचार विमर्श**

1.	राजस्थानी लोक नृत्य	((संदर्भ तराना सूची CIET
2.	हिमाचल प्रदेश के लोक नृत्य	संदर्भ तराना सूची CIET
3.	हमारे वाद्य यंत्र श्रृंखला	संदर्भ तराना सूची CIET
4.	सामुदायिक गायन	संदर्भ तरंग सूची CIET)
5.	एकता का गीत (केएसएसपी)	संदर्भ तरंग सूची CIET)
6.	राजस्थान लोक	लंगा और मंगनियार
7.	कर्नाटक के विभिन्न वाद्य यंत्रों	वाद्य यंत्रों के सर्वश्रेष्ठ
8.	शास्त्रीय नृत्य	(संदर्भ तरंग सूची CIET)

8

UNIT V: विरासत शिल्प	• भारत की शिल्प परंपराओं का परिचय, विभिन्न शिल्पों के बारे में विवरण, उनके वर्गीकरण, क्षेत्रीय वितरण आदि। इनमें से प्रत्येक विषय में दर्शन और सौंदर्यशास्त्र, सामग्री, प्रक्रिया और तकनीक, पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन, सामाजिक संरचना जैसे पहलुओं को शामिल किया जाएगा। अर्थव्यवस्था और विपणन। · मिट्टी, पत्थर का काम, धातु शिल्प, गहने, प्राकृतिक फाइबर बुनाई और कपड़ा बुनाई।	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
PranNathMago	ContemporaryArt inIndia: A perspective	Bookspublished by NBT
JasleemDhamija	IndianfolkArtsandCrafts	Bookspublished by NBT
Krishna Deva	Temples of NorthIndia	Bookspublished by NBT
K.R.Srinivasan	Temples ofSouthIndia	Bookspublished by NBT
AlokendranathTagore	AbhanindranathTagore	Bookspublished by NBT
Dinkar Kaushik	NandalalBose	Bookspublished by NBT
MadhuPowle	Festival of Colours	Bookspublished by NBT
BadriNarayan	Find the Half Circles	Bookspublished by NBT
Ela Datta	Linesandcolours	Bookspublished by NBT
Upinder Singh	DiscoveringIndianArt	Bookspublished by NBT
PranNathMago	ContemporaryArt inIndia: A perspective	Bookspublished by NBT
JasleemDhamija	IndianfolkArtsandCrafts	Bookspublished by NBT
Krishna Deva	Temples of NorthIndia	Bookspublished by NBT
K.R.Srinivasan	Temples ofSouthIndia	Bookspublished by NBT

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	ELECTIVE 203 CURRICULUM AND KNOWLEDGE पाठ्यक्रम व ज्ञान		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 203 D	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• यह पाठ्यचर्या की प्रकृति और पाठ्यचर्या, पाठ्य पुस्तकों और कक्षा अभ्यासों से इसके संबंध की समझ विकसित करता है • ज्ञान की प्रकृति, नैतिक मूल्यों और कौशल को समझने के लिए • शिक्षा में कार्य के स्थान की जांच करना • छात्र शिक्षा के लिए रचनावाद के निहितार्थ को समझते हैं • छात्र पाठ्यक्रम दस्तावेजों के अध्ययन के लिए एक रूपरेखा लागू करता है.	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20 EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Unit I: पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें और कक्षा	❖ एक पाठ्यक्रम क्या है? हमें पाठ्यक्रम की आवश्यकता क्यों है? ❖ पाठ्यचर्या बनाने/विकसित करने के पीछे उद्देश्य। लक्ष्य और पाठ्यक्रम; दोनों के बीच संबंध। इन दोनों और शिक्षाशास्त्र के बीच संबंध। पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें: इन दोनों के बीच क्या संबंध है? एक शिक्षक के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं? ❖ पाठ्यक्रम का दायरा: ज्ञान, मूल्य, कौशल, स्वभाव आदि प्रत्येक के बारे में कुछ सामान्य चर्चाएँ। ❖ पाठ्यचर्या का संदर्भ/सांस्कृतिक अन्तर्निहितता: संस्कृति और	8

	सामाजिक मानदंडों के प्रसारण की एक विधा के रूप में पाठ्यचर्या। संस्कृति की विविध किस्में और उनके भीतर प्रतियोगिताएं और वाद-विवाद। सांस्कृतिक विकल्पों और पाठ्यचर्या के लिए उनके निहितार्थों के बारे में प्रश्नों में शामिल समस्याएं। संस्कृति को कौन परिभाषित करता है? पाठ्यक्रम को कौन परिभाषित करता है? (इसे शिक्षा के उद्देश्यों में विविधता पर बातचीत पर चर्चा से संबंधित करें। पाठ्यक्रम के प्रकार: उदार पाठ्यक्रम जो समझ और दृष्टिकोण विकसित करना चाहता है, व्यावसायिक पाठ्यक्रम जो कौशल पर केंद्रित है और आजीविका, मिश्रित पाठ्यक्रम की ओर अग्रसर है।	
Unit II: ज्ञान की प्रकृति	❖ ज्ञान के बारे में चर्चा का परिचय: ज्ञान क्या है? मानव प्रयास के रूप में ज्ञान: जिज्ञासा, अभ्यास और संवाद। मानव जिज्ञासा की प्रकृति, उसकी सीमाएँ; ज्ञान और सामाजिक व्यवहार के बीच जटिल अंतःक्रिया; संवाद के माध्यम से ज्ञान का निर्माण किया जा रहा है और एक बड़े समुदाय के साथ साझा किया जा रहा है। ❖ विषयों/विषयों की प्रकृति और प्रत्येक में पूछताछ के रूप। ❖ ज्ञान का समाजशास्त्र: पाठ्यक्रम के माध्यम से कुछ प्रकार के ज्ञान का विशेषाधिकार और असमान सीखने के अवसरों पर इसका प्रभाव।	6
Unit III: नैतिक मूल्य	❖ मूल्य और नैतिकता की प्रकृति: मूल्य वे हैं जो लोगों को जीवन को सार्थक मानते हैं। मूल्यों और नैतिकता में ऐसे विकल्प शामिल होते हैं जो विविध और अक्सर विरोधाभासी मूल्यों को संतुलित करके प्राप्त किए जाते हैं। फिर भी, एक व्यक्ति द्वारा किया गया चुनाव दूसरे द्वारा किए गए चुनाव से बहुत भिन्न हो सकता है। अधिकांश शिक्षक इस बात से सहमत हैं कि छात्रों को नैतिक निर्णय लेने के कार्य के साथ गंभीरता से संलग्न होने की आवश्यकता है, वे यह भी मानते हैं कि मूल्यों के एक समूह का प्रचार करना सबसे अच्छा है या पाखंड को सबसे खराब तरीके से बढ़ावा देना है।	8

	❖ एक बहु-सांस्कृतिक, बहु-धार्मिक और लोकतांत्रिक समाज में नैतिकता: विभिन्न संस्कृतियों/धर्मों की अलग-अलग मूल्य प्रणालियाँ और प्राथमिकताएँ होती हैं। क्या इनमें से कोई एक विद्यालय में नैतिक शिक्षा का आधार बन सकता है? क्या विभिन्न मूल्य प्रणालियों के बीच संवाद के लोकतांत्रिक मानदंड हो सकते हैं? नैतिक शिक्षा के उद्देश्य: क्या यह मूल्यवान है या छात्र को नैतिक निर्णय लेने के लिए प्रशिक्षित करने के बारे में जानकारी प्रदान करना है या क्या यह छात्र में नैतिक व्यक्ति बनने की इच्छा पैदा करना है? क्या इस बात की जांच होनी चाहिए कि नैतिक होना पाठ्यचर्या का हिस्सा क्यों कठिन है?	
Unit IV: पाठ्यचर्या और उत्पादक कार्य	❖ कार्य को एक उत्पादक गतिविधि के रूप में समझना जिसका उद्देश्य मूर्त वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन करना है। हाल के दिनों में काम की प्रकृति बदलना। क्या 'काम' शिक्षा के साथ असंगत है? ❖ उत्पादक कार्य के माध्यम से शिक्षा की गांधीवादी धारणा और इसके वास्तविक कार्यान्वयन के अनुभव की समीक्षा। क्या हम पारंपरिक शिल्प को आधुनिक औद्योगिक कार्यों से प्रतिस्थापित कर सकते हैं? गांधीवादी धारणा से लेकर 'सामाजिक रूप से उपयोगी उत्पादक कार्य' (SUPW) तक। ❖ व्यावसायिक शिक्षा: रोजगार के एक विशेष क्षेत्र की तैयारी के रूप में शिक्षा बनाम सामान्य रूप से वयस्क जीवन की तैयारी के लिए उदार शिक्षा। सामान्य शिक्षा के एक भाग के रूप में कई क्षेत्रों के कार्य कौशल के संयोजन की संभावना। पाठ्यचर्या में कार्य का स्थान - वास्तविक सजीव संदर्भों में ज्ञान, कौशल और मूल्यों को एकीकृत करने में इसकी भूमिका। पाठ्यक्रम से इसकी अनुपस्थिति का निहितार्थ।	8

Unit V: पाठ्यचर्या दस्तावेजों की समीक्षा के लिए ढांचा	❖ मानव और त्वरित समाज के प्रति दृष्टिकोण ❖ छात्रों और शिक्षकों की भूमिका को देखना ❖ ज्ञान और सीखने की प्रकृति को देखना ❖ अध्ययन के क्षेत्र (विषय) और उन्हें सीखने के उद्देश्य ·शिक्षा में मूल्यांकन और मूल्यांकन की भूमिका को देखना प्रयोगिक: ✓ एक विद्यालय में ज्ञान निर्माण की एक सहयोगी कक्षा का संचालन करना और उसके आधार पर एक रिपोर्ट तैयार करना। (कुछ उदाहरण विषय: 'आइए पता करें कि हम सभी किस तरह का खाना खाते हैं और आनंद लेते हैं।' या 'हमारे परिवार की प्रकृति क्या है?' या 'मक्खी और चींटी में क्या अंतर है?' या चलो हिंदी भाषा में मर्दाना और स्त्रीलिंग के इस्तेमाल के नियम जानें।') ✓ विभिन्न पाठ्यक्रम दस्तावेजों का तुलनात्मक अध्ययन। जिस स्कूल में छात्र शिक्षक को इंटर्न किया गया है, उसमें राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे, पाठ्य पुस्तकों और कक्षा कक्ष प्रथाओं की तुलना करते हुए एक रिपोर्ट तैयार करें। कक्षा अभ्यास किस हद तक पाठ्य पुस्तकों में निर्धारित पाठ्यचर्या के उद्देश्यों या उद्देश्यों को पूरा करता है?	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
NCFW	NationalCurriculumFramework	NCERT 2005, (Chapter 2)
PositionPaper,	PositionPaper,NationalFocusGrouponCurriculum,SyllabusandTextbooks	NCERT, 2006
PositionPaper,	Position Paper,NationalFocusGrouponWorkand Education	NCERT, 2007
John Dewey,	DemocracyandEducation	
रोहित धनकर,	लोकतंत्र, शिक्षा और विवेकशीलता,	आधार प्रकाशन,जयपुर, 2007
रोहित धनकर,	शिक्षाके संदर्भ	आधार प्रकाशन,जयपुर, 2007
Christopher Winch	PhilosophyandEducationPolicy,	chapter1 & 2. Routledge,2005.
RobinBarrow.	AnIntroduction to MoralPhilosophyand Moral Education.	Routledge, 2007.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED .SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24

SUBJECT :

EDUCATIONAL TECHNOLOGY AND MANAGEMENT शैक्षिक तकनीकी व प्रबन्धन

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 204
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• आधुनिक शैक्षिक पद्धतियों में प्रौद्योगिकियों की भूमिका का समग्र दृष्टिकोण प्राप्त करना। • शिक्षण प्रथाओं में सुधार के लिए छात्र-शिक्षक को उनके लिए उपलब्ध विभिन्न तकनीकी अनुप्रयोगों से लैस करना। • शिक्षक को शिक्षा में वैज्ञानिक प्रबंधन की उसकी भूमिका का कुल लिंग प्राप्त करने में मदद करना। • शिक्षक को प्रभावी शिक्षण और संस्थागत प्रबंधन के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करना। • शैक्षिक, दंडात्मक और आभासी तीन प्रारंभिक क्षेत्रों में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशल विकसित करना।
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 / INTERNAL : 20 / EXTERNAL: 80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम की सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Unit –I: **शैक्षिक तकनीकी की अवधारणा**	❖ अर्थ ❖ प्रकृति ❖ दायरा (क्षेत्र) ❖ प्रकार ❖ कार्य छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में शैक्षिक प्रौद्योगिकी की आवश्यकता	6

Unit –II: **सम्प्रेषण तकनीकी**	❖ अवधारणा ❖ प्रकृति ❖ प्रक्रिया ❖ सिद्धांत ❖ कॉम्पोनेट्स ❖ प्रकार ❖ बाधाएं ❖ संचार का तरीका: एसएमसीआर मॉडल और एसएल, डब्ल्यू आर, वीओ। ❖ (बोलें, सुनें, लिखें, पढ़ें, दृश्य और अवलोकन करें) कौशल आधारित अधिगम - माइक्रो टीचिंग।	8
Unit -III **प्रणाली उपागम**	❖ अवधारणा और विशेषताएं ❖ प्रणाली दृष्टिकोण, ❖ प्रणाली विश्लेषण, ❖ **प्रणाली संरचना** - **एक अनुदेशन प्रणाली के भौतिक संसाधन** - संकल्पना - - वर्गीकरण (परियोजना/गैर परियोजना/हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर) - हार्डवेयर- चॉकबोर्ड, टेप रिकॉर्डर, शैक्षिक रेडियो, शैक्षिक टेलीविजन, वीसीआर, इंस्टेंट स्लाइड मेकर, ओएचपी, फिल्म स्ट्रिप, स्लाइड प्रोजेक्टर, इंटरएक्टिव वीडियो, कंप्यूटर, रिप्रोग्राफिक उपकरण। सॉफ्टवेयर - स्क्रिप्ट (ऑडियो और वीडियो), स्लाइड, प्रोग्राम, लर्निंग मैटेरियल्स, फिल्म स्ट्रिप्स, ट्रांसपरेंसीज, न्यूजपेपर, टेक्स्ट बुक्स, मैप्स कंप्यूटर (एमएस वर्ड) का उपयोग और अभ्यास, आदि।	10
Unit –IV **शैक्षिक तकनीकी में नवाचार**	❖ भाषा प्रयोगशाला ❖ टैली कॉन्फ्रेंसिंग ❖ मल्टीमीडिया, वेब आधारित शिक्षा, www. ❖ कंप्यूटर नेटवर्किंग, सीएआई ❖ ई लर्निंग:, ऑन लाइन लर्निंग मैनेजमेंट और ई-लर्निंग का	8

	कार्यान्वयन कृत्रिम बुद्धि की अवधारणा और सीखने में उपयोग। **-रणनीति- मस्तिष्क- तूफान, चर्चा, संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला**	
Unit –V **शैक्षिक प्रणाली और प्रबंधन के मानव संसाधन**	स्कूल प्रणाली के भीतर और बाहर मानव संसाधन, संसाधनों की पहचान **शिक्षा में प्रबन्धन का अर्थ :** - - पाठ्यक्रम का प्रबंधन, सह-पाठ्यक्रम का प्रबंधन, स्कूल अनुशासन का प्रबंधन और भौतिक संसाधनों का प्रबंधन। **- संस्थानों के प्रदर्शन प्रोफाइल का विकास** **कार्य :** **1. टर्म पेपर / संगोष्ठी** **2. सॉफ्टवेयर विकसित करना - पारदर्शिता/स्लाइड/स्क्रिप्ट/परिदृश्य** **3. हार्डवेयर को संभालने पर कार्यशाला** **4. कम लागत / तात्कालिक सामग्री तैयार करना** 5. पाठ का संचालन - ओएचपी/स्लाइड प्रोजेक्टर या कंप्यूटर का उपयोग करना	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Brown, J.W,Lewis Pb. 7 harclerac :	AV Instructional Technology	: McGraw Hills,newYork.
Davies,I.K.	The Management of Learning,	McGraw hills,New York.
Goel,D.R	Educational TVinIndia – Organisation and Wilization, Unpublished post	Doctoral Thesis, M.S. University of Baroda,
Jerone, P.L&Clarence, M.W	A Guide to programmed Instruction,	J. Willey&sons,New York
Richmond, W. Kenneth:	The concept of educational Technology, A Dialogue with yourself,	London,WeldenfeldandNicols, 1970.
Sharma,R.A. :	Technology of Teaching,	Meerut,LyallBookDepot, 1986.
Singh P.:	Cybernetic Approach to Teaching, The progress Education,	Pune,May1984.
Smith K.U : Snd smithmarget,F	Cyberneticprinciples of learning and Evaluation,	New York,Holt,Rinehartand Winston, 1966
Taber J.J., Glaser F4&Schasffer,H.N:	learningandprogrammedInstruction,	AddisonWaler ReadingMassachuset, 1965
Brown, J.W,Lewis Pb. 7 harclerac	: AVInstructionalTechnology:	McGraw Hills,newYork.
Davies,I.K.	The Management ofLearning	,McGraw hills, New York.
Goel,D.R	Educational TVinIndia – Organisation and Wilization, Unpublished post	doctoralThesis, M.S. UniversityofBaroda.
Jerone, P.L&Clarence, M.W.:	A Guide to programmedInstruction	,J. Willey&sons,New York
Richmond, W. Kenneth:	The concept ofeducational Technology, A Dialogue withyourself,London,	WeldenfeldandNicols, 1970.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER II)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PRACTICAL प्रायोगिक		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED.205 A , B, C
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER II
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विद्यार्थी को विभिन्न कौशलों के बारे में समझने में सक्षम होना चाहिए। • शिक्षण सामग्री और शिक्षण कौशल के साथ उनके संयोजन में सहायता करता है। • शिक्षण कौशल के प्रकार और उनके व्यावहारिक पहलू। • सूक्ष्म शिक्षण का महत्व। • विभिन्न शिक्षण स्थितियों में शिक्षण कौशल का उपयोग करने का प्रभाव। • प्रभावी शिक्षण कौशल का चयन कैसे करें। • स्कूल के अनुभव और वास्तविक स्थिति में उनके उपयोग। • भिन्न प्रकार के प्रश्न कैसे तैयार करें,
5.	CREDIT VALUE	2
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS:50 — INTERNAL :50 / EXTERNAL:Nil

PART B- CONTENT OF COURSE

Work	TOPICS	NUMBER OF LECTURES
Micro teaching on skills of teaching **205 A**	**Micro Teaching on Skills of Teaching (any5 skill)** Ex. Introduction प्रस्तावना Explanation व्याख्या Question skill प्रश्न कौशल Probing question खोजपूर्ण प्रश्न Blackbord skill श्यामपट कौशल Stimules varience उत्तेजना भिन्नता Reinforcement and other relevant skill.पुनर्बलन और अन्य प्रासंगिक कौशल।	8

Internship (4weeks) school experience शाला अनुभव 205 B	अ) स्कूल दस्तावेजों का अवलोकन बी) मेंटर की रिपोर्ट	
Preparation of Question Bank **205 C**	○ **प्रश्न बैंक:** ○ स्कूल विषय पर एक प्रश्न बैंक रिकॉर्ड फ़ाइल तैयार करें। (शिक्षाशास्त्र के अनुसार) (न्यूनतम 20 प्रश्न) ○ न्यूनतम 10 प्रश्न एमसीक्यू (MCQ) ○ (प्रश्नों को विकसित करने के लिए गूगल फॉर्म का उपयोग)	

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
NCERT	All NCERT Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Maths Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Hindi Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT English Text Books from class IXtoXII.	. New Delhi
NCERT	All NCERT Social Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
B k Passi	Micro teaching	
R A Sharma	Micro teaching	Agra
CG	All Text books for practice	CG Board
SUGGESTED DIGITAL PLATFORM		

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	PEDAGOGY PART II PEDAGOGY TEACHING OF HINDI हिंदी शिक्षण शास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 301A
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• भाषा के अलग–अलग भूमिकाओं को जानना • भाषा के स्वरूप और व्यवस्था को समझना • स्कूल की भाषा, बच्चों की भाषा और समझ के बीच के संबंध को जानना • भाषा के संदर्भ में पढ़ने के अधिकार, शांति और पर्यावरण के प्रति सचेत होना • भाषा सीखने के तरीके और प्रक्रिया को जानना और समझना • पाठ्यचर्या,पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक का विश्लेषण कर कक्षाविशेष और बच्चों की समझ के अनुसार ढालना • भाषा और साहित्य सम्बंध को जानेगें • भावों और विचारों की स्वतंत्रा अभिव्यक्ति करना जानेगें • अनुवाद के महन्व और भूमिका को जानेगें • भाषा सीखने–सिखाने के सृजनात्मक दृष्टिकोण को समझना
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 / INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री

UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT-VI भाषा–साहित्य और सौंदर्य – 1	(विभिन्न अभिव्यक्तियाँ भाषा की बारीकियों को जानने का सबसे अच्छा माध्यम है।) 1. **सजनात्मक भाषा के विविध रूप** – साहित्य के विविध रूप को जानना, स्कूली पाठ्यक्रम में साहित्य को पढ़ना–पढ़ाना, अनुवाद कला और सौंदर्य में भाषा, स्कूली पाठ्यचर्या मे मीडिया की भूमिका, उद्देश्य प्रासंगिकता, अनुवाद का महत्व और जरूरत 2. **सृजनात्मक अभिव्यक्ति के रूप** में हिंदी अनुवाद (अंग्रेजी और अन्य भारतीय भाषाओं के सदर्भ में) चुने हुए उदाहरण के आधार पर बताया जाएगा। **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षण के दौरान** • एक ही विषय पर किन्हीं तीन अखबारों के संपादकीय की भाषा पर बातचीत कर उनकी विषय प्रस्तुति को रेखांकित करें । • एक ही अंश के तीन अनुवाद को पढ़ें और अपनी भाषा में नया अनुवाद प्रस्तुत करें • समूह में बंट कर मीडिया लेखन के तीन अलग–अलग नमूनों (फीचर, रिर्पोट, लेख आदि) को इकट्ठा कर उसमें समानता और अंतर को ध्यान में रखते हुए चर्चा करें । • अखबार की किसी खबर के आधार पर संवाद लिखना । **कक्षा शिक्षण के दौरान** • पानी से संबंधित पाठ पढ़ाने के बाद जलचक्र की जानकारी देना, पानी की बचत पर बातचीत, जल की तरल अवस्था से ठोस अवस्था का हल्का होने के कारण का पता लगाने का कार्य करवाना	8
UNIT VII भाषा साहित्य और सौंदर्य – 2	**साहित्यिक अभिव्यक्ति के विविध रूप** – **कविता** को पढ़ना–पढ़ाना, **गद्य** की विविध विधाओं को पढ़ना–पढ़ाना, **नाटक** को पढ़ना–पढ़ाना, समकालीन साहित्य की पढ़ाई (बाल साहित्य, दलित साहित्य, स्त्री साहित्य) हिंदी के विविध विधाओं के आधार पर गतिविधियों का निर्माण, कविता, कहानी, नाटक, निबंध, उपन्यास की पाठ विधि तैयार करना।	8

गतिविधि/पोर्टफोलियो

पशिक्षण के दौरान

- एक कहानी का चार अलग–अलग समूह द्वारा विश्लेषण और उसकी प्रस्तुति
- सभी विद्यार्थी किसी एक रचना की समीक्षा करें तथा एक–दूसरे की समीक्षित बिंदुओं पर कक्षा में चर्चा करें
- समूह में एक ही विषय पर अलग–अलग विधओं की रचनाओं का संकलन और उनका तुलनात्मक विश्लेषण
- वर्तमान बाल साहित्य की समीक्षा
- अपनी मनपसंद तीन कहानियों की समीक्षा

कक्षा शिक्षण के दौरान

- बच्चों से एक ही विषय जैसे 'बादल' पर स्वतंत्र रूप से कुछ लिखने को कहें (कोई विधा न सुझाएँ).
- रचना को जानें और कक्षा विशेष को ध्यान में रखते हुए कक्षा प्रविधि तैयार करें (किसी एक रचना को सुनकर)

(क) एक रचना अनेक स्तर ;अलग–अलग कक्षाओं में एक ही रचना को पढ़ाने से संबंधित)

(ख) एक रचना अनेक अर्थ (अलग–अलग नजरिये से एक ही रचना को पढ़ना)

(ग) एक रचना विभिन्न बच्चे (संदर्भः चुनौतीपूर्ण बच्चे)

- कोई नाटक या उपन्यास पढ़वाने के बाद उसके पात्रों के रहन–सहन, बोली आदि की चर्चा कर समाज में इनमें आए बदलाव पर चर्चा करना, विभिन्न व्यवसाय तथा व्यवसाय से जुड़े लोगों, उनके कार्यों, समस्याओं पर बातचीत
- कक्षा छह हिंदी की पुस्तक में से झांसी की रानी कविता, नौकर (निबंध) पाठ के बाद –1857 के पहले, दौरान और बाद में घटी घटनाओं का टाइम लाइन (चार्ट) बनाना, गांधी जी के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं का टाइम लाइन (चार्ट), गांधी जी द्वारा चलाए गए आंदोलनों का टाइम लाइन (चार्ट)

परियोजना कार्य

- **(क)** विद्यालयी अनुभव कार्यक्रम के दौरान भाषा शिक्षण को लेकर आने वाली कठिनाई पर क्रियात्मक शोध
- **(ख)** भाषा की कक्षा में उन अनुभवों को पिरोते हुए शिक्षण योजना बनाना स्थानीय कलाकार/कवि/लेखक से साक्षात्कार
- कक्षा 6 से 12 तक की हिंदी की पाठ्यपुस्तकों में से किसी एक कविता को चुनकर परिवेश से जोड़ते हुए उसवेफ शिक्षण बिंदु तैयार करना

Unit VIII: **पाठ्यक्रम आर पाठ्य–सामग्री का निमाण और विश्लेषण**	**पाठ्यक्रम आर पाठ्य–सामग्री का निमाण और विश्लेषण** (पाठ्यपुस्तक शिक्षण का एक साधन है, एकमात्रा साधन नहीं) **पाठयचर्या और पाठयक्रम एक पाठय–सामगो अनेक** – पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तकों का संबंध, पाठ्यक्रम को बच्चों के अनुरूप ढालना (शिक्षण को स्कूल के बाहरी जीवन से जोड़ते हुए तथा रटंत–प्रणाली का निषेध करते हुए सामग्री चयन, गतिविधि और अभ्यास सामग्री का निर्माण), शोधकर्ता के रूप में शिक्षक (अलग–अलग बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए) **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षण के दौरान** ➢ नवीन पाठ्यचर्या की समीक्षा और प्रस्तुतीकरण (समूह कार्य) **(क)** नवीन पाठ्यचर्या में भाषा शिक्षण से संबंधित अध्याय पर चर्चा **(ख)** नवीन पाठ्यचर्या में भाषा शिक्षण से संबंधित अध्याय का विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण (समूह) ➢ 'बच्चे की भाषा' या ऐसे अन्य किसी विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित करें **परियोजना कार्य** • विभिन्न राज्यों के हिंदी के पाठ्यक्रम का विश्लेषण और प्रस्तुतीकरण (समूह कार्य) • अपनी मनपसंद कहानियों का संकलन तथा उनसे संबंधित लेख • किन्ही दो राज्यों द्वारा विकसित किसी भी एक (6 से 12) कक्षा की हिंदी की पाठ्यपुस्तक का तुलनात्मक अध्ययन	8
Unit IX: **सहायक शिक्षण सामग्री**	**सहायक शिक्षण सामग्री** प्रिंट मीडिया तथा अन्य पाठ्य सामग्री जैसे बच्चे द्वारा चुनी गई सामग्री, पत्रिकाएँ, अखबार, कक्षा–पुस्तकालय आदि, आई.सी.टी.–दृश्य–श्रव्य सामग्री, रेडियो, टेलीविज़न फिल्में, भाषा प्रयोगशाला, सहसंज्ञानात्मक गतिविधियों की रूपरेखा (चर्चा, वादविवाद, खेल, कार्यशालाएँ, गोष्ठी आदि) **गतिविधि / पोर्टफोलियो** **पशिक्षण के दौरान** • दसवीं और बारहवी कक्षा के किसी भी बोर्ड की परीक्षाओं के हिंदी के प्रश्नपत्रों (पिछले तीन वर्षों) की समीक्षा करें • एक ही सवाल पर बच्चों द्वारा अलग–अलग आए जवाबों पर समूह में चर्चा करें • कक्षा 6 से 12 तक की हिंदी की पाठ्यपुस्तकों में से ऐसे दस प्रश्न छांटे जिनमें भाषा मूल्यांकन का सृजनात्मक रवैया परिलक्षित होता है (समूह कार्य)	6

	कक्षा शिक्षण के दौरान • चुनौतीपूर्ण बच्चों को ध्यान में रखते हुए दो सहायक शिक्षण सामग्री तैयार करना • विद्यालयी अनुभव कायक्रम के दौरान विद्यार्थियों से हस्तलिखित पत्रिका का विकास या हस्तलिखित पत्रिका की रूपरेखा तैयार करवाना • विद्यालयी अनुभव कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा हस्तलिखित समाचार–पत्र का विकास करवाना	
UNIT: X **आकलन की भूमिका और महत्व**	(मूल्यांकन की भूमिका बच्चों की मौलिकता और भाषा प्रयोग में उनकी सृजनात्मकता को पैना बनाना है।) 2. **भाषा विकास की प्रगति का आकलन**– सतत् और समग्र मूल्यांकन, स्वमूल्यांकन, आपसी मूल्यांकन, समूह मूल्यांकन, पोर्टपफोलियो 3. **प्रश्नों का स्वरूप, प्रश्नों के आधार बिंद**, – समस्या समाधन संबंधी प्रश्न, सृजनात्मक चिंतन वाले प्रश्न, समालोचनात्मक चिंतन वाले प्रश्न, कल्पनाशीलता को जीवित करने वाले प्रश्न, परिवेशीय सजगता वाले प्रश्न, गतिविधि और टास्क (खुले प्रश्न, बहुविकल्पी प्रश्न) 4. **फीडबैक** (विद्यार्थी, अभिभावक और अध्यापक **और रिपोट** **गतिविधि / पोर्टपफोलियो** **पशिक्षण के दौरान** • दसवीं और बारहवी कक्षा के किसी भी बोर्ड की परीक्षाओं के हिंदी के प्रश्नपत्रों (पिछले तीन वर्षों) की समीक्षा करें • एक ही सवाल पर बच्चों द्वारा अलग–अलग आए जवाबों पर समूह में चर्चा करें • कक्षा 6 से 12 तक की हिंदी की पाठ्यपुस्तकों में से ऐसे दस प्रश्न छांटे जिनमें भाषा मूल्यांकन का सृजनात्मक रवैया परिलक्षित होता है (समूह कार्य) **कक्षा शिक्षण के दौरान** **(क)** कक्षा छह के किसी बच्चे की प्रथम त्रैमासिक आकलन रिपोर्ट में दिए गए सुझावों का अध्ययन करना **(ख)** इन सुझावों का बच्चे के भाषायी विकास में इस्तेमाल करने के लिए युक्तियाँ सुझाना **परियोजना कार्य** • उच्च प्राथमिक स्तर पर आकलन एवं मूल्यांकन की मौजूदा प्रक्रिया पर रिपोर्ट तैयार करें • एन सी ई आर टी द्वारा प्रकाशित आकलन स्रोत पुस्तिका भाषा हिंदी पढ़ें तथा इसमें आए आकलन संबंधी क्रियाकलापों को कक्षा 6 से 12 के अनुरूप विकसित करते हुए एक संक्षिप्त लेख लिखें "सीखने सिखाने की प्रक्रिया में अध्यापकों की भूमिका एक सहायक और मित्र की होगी। अध्यापकों के सामने यह चुनौती होगी कि वह हरेक विद्यार्थी से एक तरह की सृजनात्मक क्षमता (उनर भी) की अपेक्षा न करें	8

	नोट: परियोजना कार्य, विद्यार्थी और अध्यापक के पोर्टफोलियो, गतिविधियाँ, चर्चा–परिचर्चा, प्रस्तुतियाँ, कार्यशाला, टूर (नमूने के तौर पर कुछ गतिविधियाँ इत्यादि प्रत्येक इकाई के साथ दी गई हैं। ऐसी अन्य गतिविधियाँ स्वयं भी तैयार कर सकते हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को अपना पोर्टफोलियो तैयार करना है तथा प्रत्येक वर्ष चारपरियोजना कार्य करने अनिवार्य हैं।	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
भाई योगेन्द्रजीत	:हिन्दी भाषा शिक्षण,	विनोद पुस्तक मंदिर आगरा.
.क्षत्रिय के	: मातभाषा शिक्षण,	विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
लाल रमन विहारी	: हिन्दी शिक्षण,	रस्तोगी पब्लिकेशन,मेरठ
शर्मा,डॉ. लक्ष्मीनारायण	: भाषा 1,2 की शिक्षण विधियाँ और पाठ नियोजन,	,विनोद पुस्तक मंदिर आगरा
शर्मा,राजकुमारी	: हिन्दी शिक्षण,	राधा प्रकाशन मंदिर आगरा
सिंह सावित्री	: हिन्दी	स्थल बुक डिपो मेरठ

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF LANGUAGE (ENGLISH)		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 301 B
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• Understand the different roles of language; • Understand the relation between literature and language; • Develop creativity among learners; • Understand the role and importance of translation; • Examine authentic literary and non-literary texts and develop insight and appreciation; • Understand the use of language in context, such as grammar and vocabulary; • Develop activities and tasks for learners; • Understand the importance of home language and school language and the role of mother tongue in education; • Understand about the teaching of poetry, prose and drama; • Identify methods, approaches and materials for teaching English at various levels in the Indian context;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE

UNIT	TOPICS	NUMBER OF LECTURES
UNIT VI : LANGUAGE LITERATURE AND AESTHETICS–I	Different Creative forms of English Language: Understanding different forms of literature; Literature in the school curriculum: Needs, objectives and relevance; Role and relevance of media in school curriculum; Translation: Importance and need, Translation as a creative activity: through examples of translated texts into English from different Indian languages. **Activities** • Take three editorial pieces on the same topic from different newspapers.	8

	Have a discussion on their language and presentation • Take two translations of any piece of creative writing. Read these pieces and then translate the piece yourself • Take any creative writing related to history, e.g. Discovery of India and prepare a flow chart on the main events • Review any story and have a discussion in groups • Take any piece on Geography and prepare a teaching strategy for teaching any Geographical phenomena, e.g. climate change, water. **Teaching Practice** Take any topic of your choice and write about it in any form of creative writing.	
UNIT VII: LANGUAGE, LITERATURE AND AESTHETICS–II	Teaching of Different Forms of English Literature: Poetry, Prose, Drama: The relative importance of Indian, classical, popular, and children's literature in English; Developing tasks and materials for study skills in English literary forms; The study of contemporary Indian, Asian, European and African literature; Lessons planning in prose, poetry and drama at various school levels. **Activities** • Review any two stories of your choice • Interview any local artist/poet/writer • Collect Indian folktales in English (translated) for your portfolio • Prepare a newsletter on the basis of your school experience programme (hand written). **Teaching Practice** Take any creative writing, e.g. a poem or a story and develop teaching strategies to teach: (a) Same pieces for different stages; (b) Understanding any creative piece at different levels; and (c) Teaching the same piece to children with special needs. **Action Research** • Identify and list language (English) related errors common among students. • Prepare a list of idioms, proverb in English • Teaching any creative piece in the classroom on the basis of **(a)** Level of the students **(b)** Perspective • Prepare an outline for action research on the basis of your experience of the difficulties faced during school experience programme.	8

UNIT VIII: **DEVELOPMENT AND ANALYSIS OF SYLLABUS**	DEVELOPMENT AND ANALYSIS OF SYLLABUS AND TEXTUAL MATERIALS Understanding the relationship between curriculum, syllabus and textbook; Selection of materials; Development of activities and tasks; Connecting learning to the world outside; Moving away from rote-learning to constructivism; Teacher as a researcher. (Develop meaningful strategies keeping in view the needs of the learners.) **Activities** ➢ Do a comparative study of one textbook of English from any class (VI to VII) developed by any two states ➢ Prepare an outline for the development of the textbook for the same class for your state. Project ➢ Prepare a collection of poems and stories of your choice.	6
UNIT XI: **TEACHING-LEARNING MATERIALS AND AIDS**	TEACHING-LEARNING MATERIALS AND AIDS Print media; Other reading materials. such as learner chosen texts, Magazines, News papers, Class libraries, etc., ICT– audio-visual aids including CALL programmes; Radio, T.V., Films; Planning co-curricular activities (discussion, debates, workshops, seminar etc.); Language labs, etc. **Activities** • Prepare a list of audio-visual aids related to teaching of English and use them wherever necessary • Identify and prepare different types of teaching aids for children with special needs (speech impaired) Organise a workshop/seminar/conference on the topic 'Language of Children' or any other related topic. **Project** Prepare an outline for a school magazine development • The material for the school magazine based on your experiences during school experience practice (Handwritten) • Review contemporary children's literature • Review any two magazines for women.	6

UNIT X: ASSESSMENT–ITS ROLE AND IMPORTANCE	ASSESSMENT–ITS ROLE AND IMPORTANCE ➢ Progress and assessment of development of language; Continuous and comprehensive evaluation; Techniques of evaluation—oral, written, portfolio; Cloze test, Self evaluation; Peer evaluation; Group evaluation. ➢ Typology of questions; Activities and tasks (open-ended questions, MCQ, true and false etc.) reflecting—Problem solving, creative and critical thinking, Enhancing imagination and environmental awareness. ➢ Feedback to students, parents and teachers. **Activities** • Write a report on current practices of assessment and evaluation at the Upper Primary Stage • Analyse the question papers of English language (Previous-3 Years)—Classes X and XII (any board) in the light of new approach of assessment • Develop a question paper for upper primary and secondary stage to assess all the aspects of language learning • Analyse answers given by the learners for one particular question • Select any ten questions from the Class VI English textbook which lend scope to the creativity of the learners • Study the key points of the Ist Term assessment of any student of Class VI • Devise a strategy to incorporate the suggestions given in the Ist CCE report for the progress of the learner. **Note** • Project Work, Students-Teacher's Portfolio, Activities, Presentations, Workshops and Educational tours to be carried out during both the years. (Some activities have been given in each Unit as examples. Such other activities may be developed as per the need. Every student has to prepare his/her own portfolio and four projects are compulsory for each year.) • Activities ◦ CollecttenexamplesofGrammarincontextfromEnglishTextbooksofClassesVIto VIII andhaveagroupdiscussion. ◦ TeachingPractice ◦ Prepareactivitiesfor listening,speaking, reading andwriting.(5Each) ◦ Prepare threeactivities to developthereadingskills ofClass VIstudents. • Project ◦ Keepinginview the needs ofthechildren withspecial needsprepare two activities forEnglishteachers.	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Bond,LGetal(1980):	ReadingDifficulties–TheirDiagnosisandCorrection,	NewYork,Appleton – CenturyCrafts.
Valdmen.,(1987)	"Trends inLanguage Teaching,	New York,LondonMac Graw Hill.
Johnson, K (1983):	CommunicativeSyllabusDesignandMethodology,	Oxford,PergamonPress.
Widdowson, HG (1979):	TeachinglanguageasCommunication,	London,OUP.
David,E(1977):	ClassroomTechniques-ForeignLanguagesandEnglishasaSecondLanguage,	New York, HarcourtBrace. 30
Parrot, M (1993):	Tasks for the ClassroomTeacher,	London,Pergamon.
Grillett, M (1983):	DevelopingReadingComprehension,	London,CUP.
.Byrne,D (1975):	TeachingWriting,London,	London,Longman.
:Morgan&Rinvoluri (1991):	New Ways of Dictation,	London,Longman.
Mukalel,J.C.(1998):	Approaches to English Language Teaching,	SterlingPublishingHouse ,NewDelhi.
HalbeMalati,(2005):	MethodologyofEnglishTeaching,	HimalayaPublishHouse,Mumbai
Sharma,K.L.:	Methods of 'Teaching English inIndia.	
Choudhary,N.R.(2002) :	English Language Teaching,	HimalayaPublishHouse. Mumbai
Sachdeva,M.L.:	ANew Approach to Teachingof English in India	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF SOCIAL SCEINCES सामजिक विज्ञान का शिक्षाशस्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 103 C
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• सामाजिक विज्ञान शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं की एक अवधारणात्मक समझ हासिल करना • छात्र शिक्षकों को कक्षाओं में प्रचलित शैक्षणिक प्रथाओं की आलोचनात्मक रूप से जांच करने और वांछित परिवर्तनों को प्रतिबिंबित करने में सक्षम बनाना; • व्यापक शिक्षण-अधिगम रणनीतियों का पालन करते हुए सामाजिक विज्ञान पाठ्यक्रम का प्रभावी ढंग से विश्लेषण और संचालन करने के लिए बुनियादी ज्ञान और कौशल हासिल करना ताकि इसे जीवन के लिए सुखद और प्रासंगिक बनाया जा सके;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	TOPICS	NUMBER OF LECTURES
UNIT VI: इतिहास का शिक्षण व अधिगम	• निरंतरता और समय के साथ परिवर्तन और ऐतिहासिक निर्माण • यह इकाई छात्र-शिक्षकों को भारतीय और विश्व इतिहास में सामाजिक परिवर्तन के कुछ मौलिक मुद्दों और अवधारणाओं से परिचित कराने का प्रयास करती है। इसका उद्देश्य यह भी बताना है कि इतिहासकार इतिहास को कैसे करते हैं और इसे स्कूलों में कैसे किया जाना चाहिए। इसलिए, यह इतिहास में रचनावादी शिक्षाशास्त्र और उन सामान्य दक्षताओं पर	8

ध्यान केंद्रित करता है जो बच्चों के इतिहास के अध्ययन के माध्यम से विकसित होने की संभावना है।

- ऐतिहासिक तरीके साक्ष्य, तथ्य, तर्क, श्रेणियां और परिप्रेक्ष्य; तथ्य और राय के बीच और राय, पूर्वाग्रह और परिप्रेक्ष्य के बीच भेद; साक्ष्य आधारित इतिहास शिक्षण; इतिहास में विश्लेषण के लिए समस्याओं के संदर्भ में प्राथमिक स्रोत और इतिहास सोच का निर्माण।

- इतिहास में सामाजिक संरचना विश्व इतिहास की अवधि; भारतीय इतिहास की अवधि: प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन समाज इतिहास में राज्य-निर्माण और विभिन्न प्रकार के राज्य पूंजीवाद, भारतीय इतिहास में सामाजिक परिवर्तन के चुनिंदा मुद्दे भारत में संस्कृति, सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक परिवर्तन; भारतीय समाज में जाति और वर्ग ने भारत में धार्मिक समुदायों के बीच धार्मिक संस्कृतियों और संघर्षों को साझा किया लिंग भेद और ये कैसे जाति और वर्ग संरचनाओं के साथ-साथ धार्मिक समुदायों में भी कटौती करते हैं। (केस स्टडी: भारत)

- उपरोक्त सामग्री का उपयोग इतिहास में शिक्षण, सीखने की रणनीतियों और कौशल विकास को समझने के लिए किया जा सकता है। इतिहास में इंटरएक्टिव, रचनावादी और महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र पाठ्यपुस्तक से परे जाना; बच्चों को प्राथमिक स्रोतों से इतिहास की छोटी-छोटी क्राफ्ट बनाने के लिए प्रेरित करना बच्चों को इतिहास के पहले सिद्धांत से सोचने के लिए प्रोत्साहित करना।

विभिन्न कौशलों का पार्श्व विकास:

प्राथमिक और माध्यमिक डेटा से संबंधित कौशल का अवलोकन; सिक्कों, शिलालेखों (यदि उपलब्ध हो) का अवलोकन, सामग्री अतीत और दृश्यों के अवशेष; प्राथमिक स्रोतों से गद्यांश पढ़ने में बच्चों की मदद करना; इस बारे में सोचना कि ये सभी स्रोत क्या प्रकट कर सकते हैं या नहीं कर सकते हैं आलोचनात्मक विश्लेषण करना

	और बहस करना सीखना; यह देखना कि मानक माध्यमिक स्रोतों में तर्क कैसे दिए गए हैं और ये कैसे तथ्यों और सबूतों को जुटाते हैं बच्चों को मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति विकसित करने में मदद करते हैं..	
UNIT VII: राजनीति विज्ञान का शिक्षण व अधिगम	राजनीतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम लोकतंत्र, विकास और विविधता राजनीति विज्ञान की इकाई लोकतंत्र, विकास और विविधता के व्यापक विषयों से संबंधित है। ये तीन परस्पर संबंधित विषय हमारे दैनिक जीवन के राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक पहलुओं से संबंधित हैं। इस इकाई की सामग्री में प्रमुख राजनीतिक अवधारणाएं और मुद्दे शामिल हैं। उन्हें समझाते समय, शिक्षकों से भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों से ऐतिहासिक और वर्तमान घटनाओं, प्रक्रियाओं और व्यक्तित्व दोनों का उल्लेख करने की अपेक्षा की जाती है। उनसे समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र और भूगोल के विषयों में प्रमुख अवधारणाओं का संदर्भ देने की भी अपेक्षा की जाती है, ताकि राजनीति विज्ञान और इन विषयों के बीच अंतर्संबंध को उजागर किया जा सके। *राजनीति क्या है ? ❖ राजनीति विज्ञान: प्रकृति और कार्यक्षेत्र, प्रमुख अवधारणाएं, वर्तमान रुझान राज्य के तत्व: जनसंख्या, क्षेत्र, सरकार और संप्रभुता ❖ सरकार के रूप: लोकतांत्रिक (उदार और सामाजिक), गैर-लोकतांत्रिक, कानून का शासन, अधिकार, शक्ति, वैधता, नागरिक समाज, नागरिकता, अधिकार, शक्तियों का पृथक्करण, सरकार के अंग: विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका। ❖ एक लोकतांत्रिक भारत के लिए संवैधानिक दृष्टिकोण। भारत के संविधान का निर्माण ❖ न्याय (सामाजिक न्याय और अधिकारिता के विशेष संदर्भ में) स्वतंत्रता, समानता, गरिमा, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता (राज्य और धर्म के बीच संबंध): पश्चिमी और भारतीय संस्करण ❖ मौलिक अधिकार (भेदभाव का निषेध; दलितों, जनजातियों, अल्पसंख्यकों [धार्मिक/भाषाई], महिलाओं और बच्चों, विकलांगों के अधिकार)	10

❖ राज्य के नीति निदेशक तत्व (लोगों के कल्याण के विशेष संदर्भ में) मौलिक कर्तव्य।

वह राजनीति विज्ञान और इन विषयों के बीच अंतर्संबंध।

* सरकार का कामकाज

❖ विभिन्न स्तरों पर सरकार की संरचनाएं और कार्य संघ, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, जिला और स्थानीय निकाय (पंचायत और नगर पालिका)

❖ सरकार के तीन अंगों के बीच संबंध, सरकार के तीन स्तरों के बीच संबंध, लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण, नागरिक भागीदारी।

❖ समाज और राजनीतिक प्रक्रिया, चुनाव, राजनीतिक दल, दबाव समूह

❖ सामाजिक आंदोलन: दलित आंदोलन, आदिवासी आंदोलन, महिला आंदोलन, पर्यावरण आंदोलन; मीडिया की भूमिका, गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, आरटीआई

· *उपरोक्त सामग्री का उपयोग राजनीति विज्ञान में शिक्षण-अधिगम रणनीतियों और कौशल विकास को समझने के लिए किया जा सकता है।

शिक्षण-अधिगम रणनीतियां:

- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में छात्र-शिक्षकों के सजीव अनुभवों को ध्यान में रखना आवश्यक है। इस इकाई के मुद्दों को दैनिक समाचार पत्रों (जैसे मानवाधिकारों के उल्लंघन और संरक्षण के उदाहरण) से संबंधित वस्तुओं का हवाला देकर पेश किया जा सकता है। सामग्री का लेन-देन सभी प्रतिभागियों को शामिल करते हुए भागीदारी विधियों के माध्यम से किया जाना है। कक्षा में नियमित अभ्यास के रूप में 'चर्चा करके सीखना' का पालन किया जाना चाहिए।
- राजनीति विज्ञान के शिक्षण, अधिगम में सामाजिक अन्वेषण उपागमों का प्रयोग किया जा सकता है। छात्र-शिक्षकों को अपने जिले में विभिन्न स्थानीय सरकारी निकायों के संस्थानों के वास्तविक कामकाज का निरीक्षण करने और समूह परियोजनाओं के रूप में रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्हें क्षेत्र

	अनुसंधान करने, गहन साक्षात्कार आयोजित करने और क्षेत्र डेटा की व्याख्या करने और राजनीतिक अवधारणाओं को गंभीर रूप से समझने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा सकता है। शिक्षण-अधिगम सामग्री: भारत का संविधान, एटलस, राजनीतिक मानचित्र (विश्व, एशिया, भारत, राज्य, जिले), ग्लोब, दो दैनिक समाचार पत्र, समाचार पत्रिकाएँ।	
UNIT VIII: सामाजिक विज्ञान में सीखने के लिए आकलन	सामाजिक विज्ञान में सीखने के लिए आकलन सामाजिक विज्ञान में आकलन के लक्षण: सामाजिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं की जांच/मूल्यांकन/समझने के लिए सबसे उपयुक्त प्रश्नों के प्रकार; मात्रात्मक कौशल के परीक्षण के लिए प्रश्न, गुणात्मक विश्लेषण के परीक्षण के लिए प्रश्न; ओपन-एंडेड प्रश्न। ओपन-बुक टेस्ट: ताकत और सीमाएं, उत्तरों का मूल्यांकन: क्या देखना है? परियोजनाओं का आकलन: क्या देखना है? सामाजिक विज्ञान में सतत और व्यापक मूल्यांकन (सीसीई)।	8
UNIT XI: सामाजिक विज्ञान का विश्लेषण	सामाजिक विज्ञान पाठ्य पुस्तकें और प्रश्न पत्र विश्लेषण पाठ्यक्रम के आलोक में और बच्चे के दृष्टिकोण से सामाजिक विज्ञान में पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण (सामाजिक विज्ञान में सभी विषयों के लिए एक ही कक्षा की पाठ्यपुस्तकें ली जा सकती हैं) • किसी भी राज्य बोर्ड/सीबीएसई और एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तकों के प्रश्न पत्रों का विश्लेषण विषय विशिष्ट आवश्यकताओं के आलोक में समझ और कौशल के संदर्भ में करना।	8
UNIT X: परियोजनाओं और क्षेत्र के दौरों के माध्यम से अंतर-अनुशासनात्मकता	परियोजनाओं और क्षेत्र के दौरों के माध्यम से अंतर-अनुशासनात्मकता सामाजिक विज्ञान में परियोजनाओं का चयन विभिन्न विषयों के बीच अंतर्संबंधों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए जो सामाजिक विज्ञान का गठन करते हैं। सामाजिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के बीच अंतर्संबंध को निम्नानुसार देखा जा सकता है: भूगोल और अर्थशास्त्र: एक क्षेत्र में परिवहन और संचार - विकास की	8

Pandey

	जरूरतों के संदर्भ में वर्तमान स्थिति का आकलन इतिहास और राजनीति विज्ञान: सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था; समाज में महिलाओं के अधिकार अर्थशास्त्र और इतिहास: भारत में कृषि परिवर्तन; भारत में औद्योगीकरण इतिहास और भूगोल: किसी विशेष क्षेत्र में लोगों का प्रवासन- प्रवास की प्रकृति, अतीत और वर्तमान रुझान राजनीति विज्ञान और भूगोल: क्षेत्रों / राज्यों और राष्ट्रों के बीच संसाधनों को साझा करना (जैसे पानी) अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान: परिवार का बजट और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में बदलाव का प्रभाव। ये परियोजनाएं केवल कुछ उदाहरण हैं। विभिन्न मुद्दों की बेहतर समझ के लिए इसी तरह की परियोजनाओं को छात्र-शिक्षकों द्वारा डिजाइन किया जा सकता है।	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Bining & Bining	: Teaching of Social studies in the Secondray School,	McGraw Hill Book Co. New York..
James Fleming	The Teaching of Social studies in Secondary school,	Longman, Green & Co. London,
Sharde B.P. & Sharma, J.C.:	: Teaching of Geography.	Oxford,PergamonPress.
Hall David :	Geography and Geography Teacher	London,OUP.
NCERT :	Teaching of History	New Delhi
Pandey, K.P. :	Artha Shastra Shikshan.	
Tiwari, G.S	,.Artha Shastra Shikshan.	
Awasthi, P.P.	Nagrik Shastra Shikshan Vidhi.	
Desia, D.M. and	. : : Evaluation in Social studies, DEPSE, Ministry of Education	New Delhi.
Mehta, T.S	:. G ovt. of India	.New Delhi.
Malayya, M	.Social Sciences,	Asia Publishing House, Bombay
Taneja, V.R.	Fundamentals of Teaching Social Studies,	Mohndra

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF MATHEMATICS गणित का शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 301 D
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• गणित शिक्षा के अर्थ, प्रकृति, कार्यक्षेत्र और उद्देश्य में अंतर्दृष्टि विकसित करना; • प्रत्येक छात्र के दिमाग को जोड़ने के लिए एक उपकरण के रूप में गणित की सराहना करें; • उनकी सोच को चैनलाइज, मूल्यांकन, व्याख्या और पुनर्निर्माण करना • गणित को ऐसी चीज़ के रूप में देखें जिसके बारे में बात करनी है, संवाद करना है, आपस में चर्चा करना है, साथ मिलकर काम करना है; • अर्थपूर्ण समस्याओं को प्रस्तुत करना और उनका समाधान करना; • गणित अधिगम के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना; • जीवन कौशल के लिए अवधारणाओं का उपयोग करने की क्षमता विकसित करना; • गणित में जिज्ञासा, रचनात्मकता और आविष्कारशीलता को बढ़ावा देना; • विभिन्न उपायों के माध्यम से गणित शिक्षण-अधिगम के लिए दक्षताओं का विकास करना • विशिष्ट क्षेत्रों में बच्चों के सीखने पर शोध में संलग्न, गणित की भाषा का परीक्षण करें।
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT VI : • शिक्षण-अधिगम गणित के लिए योजना	• शिक्षण-अधिगम गणित के लिए योजना गणित के शिक्षण-अधिगम के लिए अवधारणाओं का संगठन। निर्देशात्मक उद्देश्यों को बताना, सीखने के अनुभवों की पहचान करना, उपयुक्त रणनीतियाँ, शिक्षण सहायक सामग्री (कम लागत वाली सामग्री का उपयोग करना - विभिन्न गतिविधियों की तैयारी, जैसे बीजगणितीय पहचान, सतह क्षेत्रों और घन, घनाभ, सिलेंडर, शंकु, गोले, शंकु वर्गों की मात्रा का सत्यापन) आदि।); आईसीटी अनुप्रयोग; मूल्यांकन उपकरण और शिक्षण सामग्री आदि के विकास में शिक्षार्थियों की भागीदारी।	6
UNIT VII: • गणित में सीखने के संसाधन	• गणित में सीखने के संसाधन • पाठ्यपुस्तकें ऑडियो-विजुअल मल्टीमीडिया-चयन और डिजाइनिंग; गणित सीखने के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना, स्कूल परिसर/ब्लॉक/जिला स्तर पर सीखने के संसाधनों का पूलिंग, संसाधनों के उपयोग में आने वाली बाधाओं को संभालना।	6
UNIT VIII: •आकलन और मूल्यांकन	•आकलन और मूल्यांकन अनौपचारिक रचनात्मक मूल्यांकन: शिक्षार्थी को गणित में मूल्यांकन के विभिन्न तरीकों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित करना ताकि रचनात्मकता, समस्या-समाधान और प्रयोग/गतिविधि प्रदर्शन का आकलन किया जा सके; बच्चे के समग्र प्रदर्शन के माध्यम से मूल्यांकन की सराहना करना; स्वयं और सहकर्मी मूल्यांकन। मूल्यांकन के औपचारिक तरीके: मूल्यांकन तकनीकों और प्रथाओं की विविधता उत्पाद बनाम प्रक्रिया का आकलन करना, जानना बनाम करना मध्यावधि/टर्मिनल परीक्षा के अभ्यास में, शिक्षार्थी के नियमित कार्यक्रमों/उपलब्धियों का परीक्षण करने के लिए निरंतर और व्यापक	8

	मूल्यांकन का अभ्यास करना। मूल्यांकन ढांचा: सीखने के विभिन्न चरणों में प्रश्न पत्र की रूपरेखा विकसित करने के लिए घटकों की पहचान करना और उन्हें व्यवस्थित करना; अवधारणाओं और उप-अवधारणाओं के आधार पर प्रश्न तैयार करना ताकि महत्वपूर्ण सोच को प्रोत्साहित किया जा सके, तार्किक तर्क को बढ़ावा दिया जा सके और यांत्रिक हेरफेर और रटना सीखने को हतोत्साहित किया जा सके; शिक्षार्थियों को अपने शब्दों में उत्तर देने की गुंजाइश प्रदान करने वाले मुक्त प्रश्नों का निर्धारण; सरल प्रश्नों से संकल्पनात्मक प्रश्नों का निर्माण।	
UNIT IX: • सभी के लिए गणित	• सभी के लिए गणित • शिक्षार्थियों की ताकत और कमजोरियों की पहचान करना; गणित सीखने को समृद्ध करने वाली गतिविधियाँ - सीखने में सहायता करना, पूरक पाठ्य सामग्री, ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम, पत्राचार पाठ्यक्रम, गणित क्लब, प्रतियोगिताएँ और मेले, गणित प्रयोगशाला की रूपरेखा तैयार करना और इसका प्रभावी उपयोग, मनोरंजक गतिविधियाँ- गणित में खेल, पहेलियाँ और पहेलियाँ, सहकारी शिक्षण की समान भागीदारी सुनिश्चित करना विशेष आवश्यकता वाले शिक्षार्थी, गणित में रचनात्मकता और आविष्कारशीलता को प्रोत्साहित करते हैं।	8
UNIT X: • गणित शिक्षकों का व्यावसायिक विकास	• गणित शिक्षकों का व्यावसायिक विकास गणित शिक्षकों के लिए सेवाकालीन कार्यक्रम के प्रकार; गणित शिक्षक संघ की भूमिका; गणित शिक्षा में पत्रिकाएं और अन्य संसाधन सामग्री; व्यावसायिक विकास-सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी।	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
S.K.Arora Bhimani	Howtoteachmathematics	ShantiPublisher's1998
Capeland	Howchildrenlearn mathematics	(NewYork):M.C.Millan Pub.1979.
W.R.Fuch	Mathematicsformodernmind	(NewYork):M.C.MillanPub.1967.
J.N.Kapoor	VidyalayaGanit keliye sauprayog–	(NewDelhi):AryabookDepot1968
W.B.Saunders	Howtoteachmathematicsin secondaryschool–	(Company)1967
J.N.Kapoor	Thespiritof mathematics	(NewDelhi):AryabookDepot1964
Ashok Jhunjhunwala	IndianMathematics–	. (NewDelhi)WileyEastern Ltd.1993
R.C.Sexena	Curricullumandteachingofmathematicsinsecond aryschool	NCERT1970.
N.K.Ayangar	Theteaching of mathematics in the nNw Education –	
S.K.Arora	How to teach mathematics–	(Bhimani):ShantiPublisher's1998
Dr.S.K.Mangal	Teaching of mathematics (Hindi/English)	Agra publication
Dr.A.B.Bhatnagar	Teaching of mathematics (Hindi/English)	Agra publication

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)

NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF BIOLOGICAL SCIENCE • जैविक विज्ञान की शिक्षाशास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 301E
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• यह अध्यापन-अधिगम के उद्देश्यों और रणनीतियों को निर्धारित करने के लिए जैविक विज्ञान के अर्थ और प्रकृति पर अंतर्दृष्टि विकसित करता है; • विज्ञान में प्रक्रिया कौशल और शिक्षण-अधिगम में प्रयोगशाला की भूमिका का अन्वेषण करें; • जैविक विज्ञान के ज्ञान को स्कूल के अन्य विषयों के साथ एकीकृत करना; • अपनी शाखाओं, प्रक्रिया कौशल, ज्ञान संगठन और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में जैविक विज्ञान की सामग्री का विश्लेषण करें; • जैविक विज्ञान की विभिन्न अवधारणाओं के लिए सीखने की स्थिति बनाने के विभिन्न तरीकों का अन्वेषण करें; • जैविक विज्ञान के अधिगम के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT VI: जैविक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए योजना	जैविक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए योजना जीव विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए अवधारणाओं की पहचान और संगठन; स्वीकार्य साक्ष्यों का निर्धारण करना जो शिक्षार्थियों, समझ को प्रदर्शित करते हैं; जैविक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम की योजना बनाने के लिए आवश्यक निर्देशात्मक सामग्री और उन्हें विकसित करने में शिक्षार्थियों की भागीदारी; शिक्षण-अधिगम अनुभवों की पहचान करना और उन्हें डिजाइन करना; योजना क्षेत्र के दौरे, चिड़ियाघर, समुद्र के किनारे जीवन, वनस्पति उद्यान, आदि; जीव विज्ञान सीखने में गतिविधियों का आयोजन, प्रयोगशाला अनुभव, समूह बनाना, आईसीटी अनुप्रयोगों की योजना बनाना।	6
UNIT VII: जैविक विज्ञान में शिक्षण संसाधन	जैविक विज्ञान में शिक्षण संसाधन तत्काल पर्यावरण से जैविक विज्ञान में सीखने के संसाधनों की पहचान और उपयोग, वैकल्पिक स्रोतों की खोज; विज्ञान किट और जैविक विज्ञान प्रयोगशाला का विकास करना; जीव विज्ञान प्रयोगशाला डिजाइन करना; क्षेत्र अवलोकन की योजना और आयोजन; सामग्री का संग्रह, आदि; पाठ्यपुस्तकें, दृश्य-श्रव्य सामग्री, मल्टीमीडिया-चयन और डिजाइनिंग; जैविक विज्ञान सीखने में आईसीटी के अनुभवों का उपयोग; जीव विज्ञान सीखने के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना; स्कूल परिसर/ब्लॉक/जिला स्तर पर सीखने के संसाधनों की पूलिंग; संसाधनों के उपयोग में आने वाली बाधाओं को दूर करना।	6

UNIT VIII: आकलन के उपकरण और तकनीकें	जैविक विज्ञान सीखने के लिए आकलन के उपकरण और तकनीकें प्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन; जैविक विज्ञान में प्रदर्शन मूल्यांकन के लिए संकेतक विकसित करना; प्रेक्षणों का शिक्षार्थी अभिलेख; फील्ड डायरी, हर्बेरियम और सामग्री का संग्रह; जैविक विज्ञान, पोर्टफोलियो में शिक्षार्थियों के कार्य की मौखिक प्रस्तुति; जीव विज्ञान में परियोजना कार्य का आकलन (प्रयोगशाला और क्षेत्र दोनों में), सहयोगी शिक्षा में भागीदारी का आकलन; जैविक विज्ञान और परीक्षणों के प्रशासन में परीक्षण वस्तुओं का निर्माण (ओपन एंडेड और संरचित); जैविक विज्ञान में मूल्यांकन ढांचे का विकास करना; जैविक विज्ञान में प्रायोगिक कार्य का आकलन; औपचारिक परीक्षा प्रणाली में मूल्यांकन नहीं किए गए जैविक विज्ञान में सामग्री क्षेत्रों की खोज और विभिन्न पाठ्यचर्या चैनलों के माध्यम से उनका मूल्यांकन; जैविक विज्ञान में आकलन के विभिन्न तरीकों की जांच करने के लिए शिक्षक-शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करना; सतत और व्यापक मूल्यांकन।	8
UNIT IX: जीव विज्ञानं जीवनपर्यंत सीखना	जीव विज्ञानं जीवनपर्यंत सीखना अवलोकन और निष्कर्ष निकालने की प्राकृतिक जिज्ञासा का पोषण करना; जीव विज्ञान में विभिन्न आवश्यकताओं वाले शिक्षार्थियों की सीखने की प्रगति को सुगम बनाना; विशेष आवश्यकता वाले शिक्षार्थियों की समान भागीदारी सुनिश्चित करना; जीव विज्ञान में रचनात्मकता और आविष्कारशीलता को बढ़ावा देना; जीव विज्ञान से संबंधित मुद्दों पर विभिन्न पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों, जैसे वाद-विवाद, चर्चा, नाटक, पोस्टर मेकिंग का आयोजन; विशिष्ट दिन पर कार्यक्रम आयोजित करना, जैसे पृथ्वी दिवस, पर्यावरण दिवस, आदि; क्षेत्र के अनुभवों की योजना और आयोजन, विज्ञान क्लब, विज्ञान प्रदर्शनी; स्थानीय स्तर पर रचनात्मक प्रतिभा का पोषण करना और जिला/राज्य/केंद्रीय एजेंसियों के साथ जुड़ाव की खोज करना।	8

UNIT X: व्यावसायिक विकास	जीव विज्ञान शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास विज्ञान/जीव विज्ञान शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम; पेशेवर संगठन की संगोष्ठी, सम्मेलनों, ऑनलाइन साझाकरण सदस्यता में भागीदारी; शिक्षार्थियों के एक समुदाय के रूप में शिक्षक; कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों के साथ स्कूल का सहयोग; जीव विज्ञान शिक्षा में जर्नल और अन्य संसाधन सामग्री; जीव विज्ञान शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में चिंतनशील प्रथाओं की भूमिका; क्षेत्र का दौरा, वनस्पति उद्यान, विज्ञान पार्क, विज्ञान केंद्र, चिड़ियाघर, राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं आदि का दौरा; एक शोधकर्ता के रूप में शिक्षक: यह समझना सीखना कि बच्चे विज्ञान कैसे सीखते हैं - जैविक विज्ञान में क्रिया अनुसंधान।	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Sarup	ModernMethods of Teaching Biology. Teaching Series	Sarup&Sons,NewDelhi.
Bhaskara Rao, D(2000):	Teaching of Biology,	(Nagarjuna Publishers, G4.
Moha,Radha(2004):	Innovative Science Teaching,	(Prentice Hall ofIndia,New Delhi
UnescoSource	New Unesco Source Book for Science Teaching	(1978), Oxford&IBH,New Delhi.
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002):	ModernScience Teaching,.	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delhi
Sood, K.J.(1989):	New Directions in ScienceTeaching,	KohliPublishers,Chandigarh
Vaidya,N(1996):	Science Teaching for the21st Century	Deep & Deep Publications, NewDelhi.
Gupta S.K.(1983):	Technology of Science Education,	Vikas Publishing House PvtLtd,Delhi
Chikara, M.S. andS.Sarma(1985)	www.wikipedia.com: Teaching of Biology,	Prakashbrothers,Ludhiana unter
S.K. Mangal:	Teaching of Biological Science.	
Dr. Shoti Shivendra Chandra	Contemporary Science Teaching.	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PEDAGOGY OF PHYSICAL SCIENCE भौतिक विज्ञान शिक्षा शास्त्र		

1.	PROGRAM CODE	0801	
2.	COURSE CODE	BED. 301 F	
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विज्ञान की प्रक्रिया और शिक्षण-अधिगम स्थितियों में प्रयोगशाला की भूमिका को समझ सकेंगे; • भौतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम के लिए विभिन्न गतिविधियों/प्रदर्शनों/प्रयोगशाला के अनुभवों का प्रभावी ढंग से उपयोग करना; • अन्य स्कूली विषयों के साथ भौतिक विज्ञान के ज्ञान को एकीकृत करना; • अपनी शाखाओं, प्रक्रिया कौशल, ज्ञान संगठन और अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में भौतिक विज्ञान की सामग्री का विश्लेषण करें; • विषयवस्तु/इकाईयों के आधार पर प्रक्रिया-उन्मुख उद्देश्यों का विकास करना; • भौतिक विज्ञान सीखने में विभिन्न शैक्षणिक मुद्दों की जांच करें; तथा • भौतिक विज्ञान के अधिगम के मूल्यांकन के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों का निर्माण करना।	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL :20 EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT VI: भौतिक विज्ञान में शिक्षण संसाधन	भौतिक विज्ञान में शिक्षण संसाधन तत्काल पर्यावरण से भौतिक विज्ञान में सीखने के संसाधनों की पहचान और उपयोग (उदाहरण के लिए प्राकृतिक पीएच संकेतक, साबुन और डिटर्जेंट, बेकिंग सोडा, वाशिंग सोडा, सामान्य नमक, फल, फाइबर, पुली, प्रोजेक्टाइल, लैंस और दर्पण, ऊर्जा के एक रूप का अंतर-रूपांतरण अन्य, ठोस, तरल और गैस आदि में तरंगों का प्रसार). वैकल्पिक स्रोतों की खोज; विज्ञान (माध्यमिक चरण), भौतिकी और रसायन विज्ञान (उच्च माध्यमिक चरण) में विज्ञान किट और प्रयोगशाला विकसित करने वाले उपकरण का सुधार; प्रयोगशालाओं, पाठ्यपुस्तकों, ऑडियो-विजुअल सामग्री को डिजाइन करना; मल्टीमीडिया - चयन और डिजाइनिंग; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान सीखने में आईसीटी के अनुभवों का उपयोग; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान सीखने के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना; स्कूल परिसर/ब्लॉक/जिला स्तर पर सीखने के संसाधनों का पूलिंग, संसाधनों के उपयोग में आने वाली बाधाओं को संभालना।	6
UNIT VII: आकलन के उपकरण और तकनीक	भौतिक विज्ञान सीखने के लिए आकलन के उपकरण और तकनीक दर्शन-आधारित मूल्यांकन, विज्ञान/भौतिक विज्ञान में प्रदर्शन-आधारित मूल्यांकन के लिए संकेतक विकसित करना, प्रेक्षणों के शिक्षार्थियों के रिकॉर्ड, फील्ड डायरी; शिक्षार्थियों के काम की मौखिक प्रस्तुति, पोर्टफोलियो; विज्ञान/भौतिक विज्ञान में परियोजना कार्य का मूल्यांकन; सहयोगी शिक्षा में भागीदारी का आकलन; विज्ञान/भौतिक विज्ञान में परीक्षण मदों का निर्माण और परीक्षणों का प्रशासन; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में मूल्यांकन ढांचे का विकास करना; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान में प्रायोगिक कार्य का आकलन; भौतिक विज्ञान में सामग्री क्षेत्रों की खोज औपचारिक परीक्षा प्रणाली में मूल्यांकन नहीं किया गया और विभिन्न पाठ्यचर्या चैनलों के माध्यम से उनका मूल्यांकन; विज्ञान/भौतिक विज्ञान में आकलन के विभिन्न तरीकों की जांच करने के लिए शिक्षक-शिक्षार्थियों को	8

	प्रोत्साहित करना; सतत और व्यापक मूल्यांकन - चल रहे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के रूप में मूल्यांकन की सराहना करना और बच्चे के समग्र प्रदर्शन के माध्यम से।	
UNIT VIII: भौतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम की योजना	भौतिक विज्ञान के शिक्षण-अधिगम की योजना विज्ञान/भौतिकी और रसायन शास्त्र के शिक्षण-अधिगम के लिए अवधारणाओं की पहचान और संगठन (विभिन्न विषयों पर, जैसे गति, कार्य और ऊर्जा, पदार्थ और उनके माप, कार्बन और इसके यौगिक, तत्वों के आवधिक गुण, परमाणु संरचना, पदार्थ की दोहरी प्रकृति और विकिरण, आदि) उन्हें विकसित करना; शिक्षण-अधिगम अनुभवों की पहचान करना और उन्हें डिजाइन करना; गतिविधियों का आयोजन, प्रयोगशाला अनुभव, समूह बनाना; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान सीखने में आईसीटी अनुप्रयोगों की योजना बनाना	6
UNIT IX: भौतिक विज्ञान-जीवनपर्यंत सीखना	भौतिक विज्ञान-जीवनपर्यंत सीखना प्रत्येक बच्चे में अवलोकन और निष्कर्ष निकालने की स्वाभाविक जिज्ञासा होती है; दैनिक जीवन और मानव कल्याण में भौतिक और रासायनिक परिघटनाओं की पहचान और अनुप्रयोग, विज्ञान / भौतिकी और रसायन विज्ञान में विभिन्न आवश्यकताओं वाले शिक्षार्थियों की सीखने की प्रगति को सुविधाजनक बनाना; विशेष आवश्यकता वाले शिक्षार्थियों की समान भागीदारी सुनिश्चित करना; विज्ञान में रचनात्मकता और आविष्कारशीलता को बढ़ावा देना; विज्ञान/भौतिकी और रसायन विज्ञान से संबंधित मुद्दों पर वाद-विवाद, चर्चा, नाटक, पोस्टर मेकिंग जैसी विभिन्न पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों का आयोजन; विशिष्ट दिन पर कार्यक्रम आयोजित करना, जैसे विज्ञान दिवस, पर्यावरण दिवस, आदि; क्षेत्रीय अनुभव, विज्ञान क्लब, विज्ञान प्रदर्शनी, स्थानीय स्तर पर रचनात्मक प्रतिभा का पोषण और जिला/राज्य/केंद्रीय एजेंसियों के साथ जुड़ाव की योजना बनाना और आयोजन करना।	6

UNIT X: व्यावसायिक विकास	विज्ञान/भौतिकी और रसायन शास्त्र के शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास विज्ञान/भौतिकी और रसायन शास्त्र के शिक्षकों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम; संगोष्ठी, सम्मेलनों, ऑनलाइन साझाकरण, पेशेवर संगठनों की सदस्यता में भागीदारी; शिक्षार्थियों के समुदाय के रूप में शिक्षक, विश्वविद्यालयों के साथ स्कूलों का सहयोग; विज्ञान/भौतिक विज्ञान शिक्षा में जर्नल और अन्य संसाधन सामग्री; भौतिकी और रसायन विज्ञान शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में चिंतनशील प्रथाओं की भूमिका; उद्योगों, खानों, रिफाइनरियों का फील्ड दौरा; राष्ट्रीय प्रयोगशालाएँ, बिजली स्टेशन, विज्ञान केंद्र; आदि।; एक शोधकर्ता के रूप में शिक्षक: यह समझना सीखना कि बच्चे विज्ञान कैसे सीखते हैं - भौतिक विज्ञान में क्रियात्मक शोध।	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
UNESCO	New UNESCOSourceBookfor ScienceTeaching	(1978), Oxford&IBH,New Delhi..
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002):	ModernScience Teaching,i.	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delh
Sood, K.J.(1989):	New Directions in ScienceTeaching,	KohliPublishers,Chandigarh
Vaidya,N (1996):	Science Teaching for the21st Century	Deep&DeepPublications,NewDelhi.
Gupta S.K.(1983):	Technologyof ScienceEducation,	Vikas Publishing House PvtLtd,Delhi
Chikara, M.S. andS.Sarma(1985):	www.wikipedia.comTeachingofBiology,	Prakashbrothers,Ludhiana unter
Dr. Shoti Shivendra Chandra	: ContemporaryScience Teaching.	,NewDelhi.
R.A.Yadav, Siidiqui:	Teaching of Science.	Delhi
NCERT	All NCERT ScienceText Books from class IX to XII.	New Delhi
UNESCO	New UNESCO Source Book for Science Teaching.	(1978), Oxford&IBH,New Delhi
Sharma, R.C. &Shukla C.S.(2002	Modern Science Teaching,	DhanpatRai, PublishingCompany, New Delhi.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	NAI TALIM: Skill Based Learning • नई तालीम: कौशल आधारित शिक्षा		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 302
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• उन स्कूली शिक्षा कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में जानेंगे जिनमें स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव पहलू हैं। • स्थानीय संदर्भ में पाठ को बच्चे/शिक्षार्थी से जोड़ने की प्रक्रिया जानेंगे स्थानीय समुदाय के जुड़ाव के रचनात्मक दृष्टिकोण से पारंपरिक को अलग करेंगे • सामुदायिक जुड़ाव की संवाद पद्धति के उपयोग में प्रशिक्षण • स्थानीय सामुदायिक जुड़ाव के लिए जैविक बौद्धिक दृष्टिकोण के उपयोग में प्रशिक्षण • सामुदायिक जुड़ाव में सर्वोत्तम प्रथाओं की अनुभवात्मक शिक्षा जानेंगे • स्थानीय सामुदायिक सेवा में प्रभावी रूप से भाग लेंगे • अपमान और स्वदेशी मॉडल पर अंतर्दृष्टि और क्षेत्र की वास्तविकताओं का विकास करना जानेंगे • ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए टैगोर, गांधी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के मॉडल को समझें और उनका अभ्यास कर जानेंगे • आत्मनिर्भरता के लिए उद्यमिता के लिए कला, शिल्प के मॉडल का अन्वेषण कर सही को जानेंगे
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 — INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Unit I • शिक्षक स्वायत्तता और जवाबदेही	• स्वायत्तता का अर्थ • स्वतंत्रता व स्वायत्तता शिक्षक स्वायत्तता • शिक्षक स्वायत्तता के लक्षण • शिक्षक स्वायत्तता के क्षेत्र • शिक्षक स्वायत्तता के लिए तर्क • शिक्षक स्वायत्तता को प्रभावित करने वाले कारक • शिक्षक स्वायत्तता विकसित करने के तरीके • शिक्षक स्वायत्तता सीखने की स्थिति को समृद्ध बनाने में कैसे मदद करती है • जवाबदेही का अर्थ • जवाबदेही का अर्थ • जवाबदेही के प्रकार और कार्य • क्या स्वायत्तता और जवाबदेही एक साथ चलते हैं?	8
Unit II • शिक्षा की प्रक्रिया और तरीके	• एक गतिविधि या प्रक्रिया के रूप में शिक्षा • शिक्षा की प्रक्रिया • शिक्षा के तरीके: अनौपचारिक, औपचारिक, अनौपचारिक, आमने सामने और दूरस्थ शिक्षा • स्कूली शिक्षा का समावेश • सभी बच्चों के लिए स्कूल की आवश्यकता	8
Unit III नई तालीम व व्यक्तित्व विकास	• शिक्षा के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण- • नागरिकता के लिए शिक्षा, चरित्र निर्माण मूल्य और नैतिकता • स्कूल पाठ्यक्रम में काम, खेल, अभिनय, शिल्प, रंगमंच, संगीत और रचनात्मकता और सामाजिक सद्भाव का आधार। सिर, हृदय और हाथों के विकास के लिए इसका निहितार्थ • प्रसंग, सरोकार और मुद्दे- • बाल श्रम बनाम बाल श्रम • शिक्षा और अलगाव	8

Unit IV पाठ्यचर्या और शैक्षणिक अभ्यास	• बच्चों के जीवन में पाठ्यचर्या सामग्री की प्रासंगिकता। • वैश्विक मुद्दों अर्थात संसाधन और प्रौद्योगिकी उपलब्धता, असमानता, गरीबी, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, मूल्य संकट, खाद्य और ऊर्जा संकट पर छात्रों को संवेदनशील बनाना। • अहिंसक स्कूल/कक्षा के माहौल में शिक्षा, पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र पर उपरोक्त मुद्दों का प्रभाव।	6
Unit V नई तालीम और फील्ड एंगेजमेंट	• सामुदायिक सेवा और इसके निहितार्थ • नई तालीम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता • नई तालीम और मूल्य शिक्षा • आपदा प्रबंधन प्रायोगिक • अध्ययन यात्रा	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
. Ministry of Education, GOI. 1949	*Report of the University Education Commission*	(1948-49), New Delhi.
	, *Report of the Secondary Education Commission*	(1952-53), New Delhi.
	,. *Report of the Secondary Education Commission*	(1964-66), New Delhi
	: *Report of the Secondary Education Commission*	(1983-84), New Delhi
MHRD, GOI	*National Policy on Education,*	(1986)New Delhi.
NCERT. 2005.	*National Curriculum Framework–Report of the Focus Group on Aims of Education,*	New Delhi
Dewey, John. 2010.	*Essays in Experimental Logic*, Aakar Books,	NewDelhi.
Russell, Bertrand. 2003.	:*Human Knowledge.* Routledge,	London

: Swami Satprakashananda. 1995	*Methods of Knowledge according to Advaita*	
Vedanta. Advaita	Ashrama(Publication Department),	Calcutta.
NCERT	National Council of Educational Research and Training	, New Delhi.
Locke, John. 1690.	*An Essay Concerning Human Understanding.*	
Lewis, C.L. 1929.	*Mind and the World-order*. Dover Publications Inc.,	New York.
. Ministry of Education, GOI. 1949	*Report of the University Education Commission*	(1948-49), New Delhi.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER III)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PRACTICAL प्रायोगिक		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 303 A & B
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER III
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विद्यार्थी को यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि विभिन्न कौशलों का उपयोग कैसे किया जाए। • शिक्षण सामग्री और शिक्षण वास्तविक स्थिति में कौशल के साथ उनके संयोजन में सहायता करता है। • शिक्षण कौशल के प्रकार और स्कूल की स्थिति में उनके व्यावहारिक पहलू। • शिक्षण कौशलों को वास्तविक विभिन्न शिक्षण स्थितियों में प्रयोग करने का अभ्यास। • प्रभावी शिक्षण कौशल का चयन कैसे करें। • स्कूल के अनुभव और वास्तविक स्थिति में उनके उपयोग।
5.	CREDIT VALUE	16
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: (A) 100. (B) 50 / INTERNAL : (A) 100. (B) 50 / EXTERNAL: Nil

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री

Work	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Internship (16 weeks) शाला अनुभव **303 A** **(12 credit)**	*Internship (16weeks) • (प्रशिक्षु छात्रशिक्षक अपनी चयनात्मक शिक्षाशास्त्र में अभ्यास करते हैं.) (During Annual Teaching Viva voce Practical Exam it is compulsory to produce all teaching related work from Semester I to III.) *15 Lesson plan (5 each from Middle and High School) including 05 lesson plan is compulsory from the Nai Talim format). (10 Lesson Plan+5 Nai Talim=15) Note: • पाठ योजना प्रारूप पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है।	

Reflective diary and supervisors assessment **303 B** **(4credit)**	• चिंतनशील डायरी और पर्यवेक्षक का मूल्यांकन।	

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
NCERT	All NCERT Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Maths Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT Hindi Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
NCERT	All NCERT English Text Books from class IXtoXII.	. New Delhi
NCERT	All NCERT Social Science Text Books from class IXtoXII.	New Delhi
CG Board	All text book of class of X	CG
CG Board	All text book of class of IX	CG
CG Board	All text book of class of VIII	CG
CG Board	All text book of class of VII	CG
CG Board	All text book of class of VI	CG
	. :	
	:	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION				
PROGRAMB.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER IV)		YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:		GENDER, SCHOOL AND SOCIETY • लिंग, स्कूल और समाज		
1.	PROGRAM CODE	0801		
2.	COURSE CODE	BED. 401		
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER IV		
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• सामाजिक जीवन में लिंग भेद के निर्धारकों के रूप में संस्कृति (जीव विज्ञान के अलावा) की भूमिका को समझना • भारतीय समाज में जेंडर भूमिकाओं को आकार देने वाले कारकों के बारे में जागरूकता • हमारे समाज में बालिका शिक्षा की समस्याओं को समझें • लिंग आधारित भेदभाव और उसके प्रभावों पर एक आलोचनात्मक परिप्रेक्ष्य विकसित करना • लिंग के सामाजिक और सांस्कृतिक निर्माण के लिए नारीवादी दृष्टिकोण की समझ का परिचय और विकास प्रदान करना। • जाति, जनजाति, वर्ग, कामुकता और क्षमता सहित, लेकिन सीमित नहीं, अन्य सामाजिक और सांस्कृतिक श्रेणियों के साथ लिंग और इसके जटिल प्रतिच्छेदन के बारे में जागरूकता सहित अंतर-वर्गीयता की एक महत्वपूर्ण समझ विकसित करना। • शिक्षिका को अपने छात्रों के लिए अधिक अर्थपूर्ण और लैंगिक न्यायपूर्ण अनुभव बनाने की क्षमता से लैस करना		
5.	CREDIT VALUE	4		
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL -20	
			EXTERNA- 80	

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I **लिंग: प्रमुख अवधारणाएं - लिंग का सामाजिक निर्माण** **शिक्षा**	i. एक लड़के या लड़की के रूप में खुद के बड़े होने की जांच करना ii. लिंग, लिंग, कामुकता, पितृसत्ता, पुरुषत्व और नारीवाद iii. लिंग पूर्वाग्रह, लिंग भूमिकाएं और रूढ़िबद्धता, और इसके परिणाम iv. (जाति, वर्ग, जातीयता, विकलांगता आदि) के संबंध में लिंग और असमानता के अन्य रूप v. महिला लिंगानुपात और बाल लिंगानुपात। (छत्तीसगढ़ और उनके पड़ोसी राज्यों का विशेष संदर्भ)	8
UNIT-II **लिंग और स्कूली शिक्षा**	i. लड़कियों की स्कूली शिक्षा (साक्षरता दर, छोड़ने की दर, पूर्णता दर आदि) और लड़कियों के स्कूली शिक्षा पूरी न कर पाने के कारण (आपके राज्य के लिए विशेष संदर्भ) ii. लड़कियां स्कूलों में असहज क्यों महसूस करती हैं? iii. क्या स्कूल अलग हो सकते हैं ताकि अधिक लड़कियों को शिक्षित किया जा सके? iv. पाठ्यचर्या, पाठ्यपुस्तकों में लैंगिक पूर्वाग्रह, छिपे हुए पाठ्यचर्या का विश्लेषण v. स्कूल और कक्षा प्रक्रियाओं की आलोचनात्मक परीक्षा- चुनौतीपूर्ण लिंग पूर्वाग्रह और रूढ़िवाद vi. स्कूल के भीतर संबंधों को समझना - लिंग के दृष्टिकोण से बच्चे-बच्चे, शिक्षक-बच्चे और शिक्षक सहकर्मी समूह संबंध vii. शिक्षण पेशे का नारीकरण	8
UNIT-III **लिंग और कामुकता**	i. कामुकता को समझना (यौन अभिविन्यास और यौन पहचान - तीसरा लिंग) और शक्ति और कामुकता के बीच संबंध ii. महिलाओं के खिलाफ हिंसा - महिलाओं के खिलाफ वर्गीकृत हिंसा के अनुभवजन्य उदाहरण, महिलाओं के जीवन पर संघर्ष और हिंसा का प्रभाव, महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे से निपटने के प्रयास iii. महिलाओं के कानूनी (यौन और प्रजनन) अधिकार	6

UNIT-IV मनोवैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण	i. कट्टरपंथी नारीवादी ii. समाजवादी-नारीवादी iii. मनोविश्लेषणात्मक और अन्य दृष्टिकोण iv. हाल की बहस	6
UNIT-V परिवर्तन के लिए रणनीतियाँ	i. नीति और प्रबंधन ii. स्कूल में iii. महिला कार्य समूह iv. संचार मीडिया	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Dr. SenIlina	Gender Analysis of State Policies : A case studyof Chhattisgarh,	
R.Govinda	Towards Gender Equality in Education: Progress and challenges in Asia-Pacific Region	NationalUniversityofEducationalPlanningandAdministration,New Delhi.
Bhattacharjee, Nandini(1999	Gender Socialisation in a Primary School in T.S.Saraswathi (ed.) *Culture, Socialization and Human Development: Theory,*	*Research and Applications in India*. Sage: New Delhi.
Geetha,V.(2007)	*Gender*. Stree	Calcutta.
Ghai,Anita(2008	.:Educational ideas and ideals of Gandhi and Tagore, Gender and Inclusive education at all levels In Ved Prakash & K.Biswal (ed.) *Perspectives on education and development: Revising Education commission and after,*	National University of Educational Planning and Administration: New Delhi
Jeffery Jeffery,P.and R.Jefferey(1994)	Education and Female Autonomy in Rural India .in Nita Kumar (ed.) *Womenas Subjects.*	*SouthAsianHistories*.New Delhi:
PeggyFroerer:	Learning, Livelihoods, and Social Mobility Valuing Girls' Education in Central India, Anthropolgy and Education.	Brunnel University,

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. **SYLLABUS**	**CLASS: (SEMESTER IV)**	**YEAR: 2022**	**SESSION: 2022-24**
SUBJECT:	**ASSESSMENT IN LEARNING** : सीखने में आकलन		

1.	PROGRAM CODE	**0801**	
2.	COURSE CODE	**BED. 402**	
3.	COURSE TITLE	**B.Ed. SEMESTER IV**	
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• आकलन और मूल्यांकन में मुद्दों की आलोचनात्मक समझ हासिल करें (एक रचनावादी प्रतिमान से) • प्रमुख अवधारणाओं से परिचित हो, जैसे कि रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन, • मूल्यांकन और माप, परीक्षण, परीक्षा; • विभिन्न प्रकार और आकलन के रूपों से अवगत होना जो छात्र सीखने में सहायता करते हैं; • मूल्यांकन उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करें, और इनका उचित रूप से चयन और निर्माण करना सीखें; तथा • यथार्थवादी, व्यापक और गतिशील मूल्यांकन प्रक्रियाओं का विकास करना जो पूरे छात्र को ध्यान में रखने में सक्षम हों;	
5.	CREDIT VALUE	4	
6.	TOTAL MARKS	**MAXIMUM MARKS: 100**	**INTERNAL -20** **EXTERNA- 80**

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I • आकलन और मूल्यांकन का अवलोकन	• एक रचनावादी प्रतिमान में सीखने के मूल्यांकन और मूल्यांकन पर परिप्रेक्ष्य • 'सीखने का आकलन' और 'सीखने के लिए आकलन' के बीच अंतर • 'रचनात्मक' प्रतिमान में मूल्यांकन के उद्देश्य: • 1) विभिन्न आयामों में आगे सीखने के लिए शिक्षार्थियों के दिमाग से जुड़ना। • 2) संज्ञानात्मक, सामाजिक और भावनात्मक पहलुओं में विकास को बढ़ावा देना। • वर्तमान मूल्यांकन प्रथाओं और सीखने और विकास के बारे में उनकी धारणाओं की आलोचनात्मक समीक्षा • 1) शर्तों को स्पष्ट करना • 2) मूल्यांकन, मूल्यांकन, परीक्षण, परीक्षा, माप • 3) रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन • 4) सतत और व्यापक मूल्यांकन • 5) ग्रेडिंग।	8

Pandey

UNIT-II क्या आकलन किया जाना है?	• सीखने के आयाम और स्तर • तथ्यों और अवधारणाओं का अवधारण/याद रखना; विशिष्ट कौशल का अनुप्रयोग • उपकरण और प्रतीकों में हेर-फेर करना; समस्या को सुलझाना; विविध परिस्थितियों में सीखने को लागू करना • अर्थ बनाने की प्रवृत्ति; अनुभवों से विचारों का अमूर्तन; लिंक और रिश्ते देखना; अनुमान; विश्लेषण; प्रतिबिंब • मौलिकता और पहल; सहयोगात्मक भागीदारी; रचनात्मकता; लोचकता • आकलन के संदर्भ ;विषय से संबंधित ;व्यक्ति से संबंधित	8
UNIT-III • विषय-आधारित शिक्षा का आकलन	• रचनावादी परिप्रेक्ष्य में 'विषय-आधारित शिक्षा' की धारणाओं को बढ़ाना • मूल्यांकन उपकरण • कार्यों के प्रकार: प्रोजेक्ट, असाइनमेंट, प्रदर्शन • परीक्षण के प्रकार और उनके निर्माण • स्वयं, साथियों द्वारा, शिक्षक द्वारा सीखने की प्रक्रियाओं का अवलोकन • स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी-मूल्यांकन • पोर्टफोलियो का निर्माण मूल्यांकन के मात्रात्मक और गुणात्मक पहलू: प्रत्येक के लिए उपयुक्त उपकरण	6

UNIT-IV • उपयुक्त मूल्यांकन उपकरण विकसित करने में शिक्षक दक्षता	• विशिष्ट संदर्भों, सामग्री और छात्र के लिए उपयुक्त मूल्यांकन उपकरणों की कल्पना करना • ऐसे कार्यों और प्रश्नों को तैयार करना जो शिक्षार्थी को संलग्न करते हैं और सोचने की प्रक्रिया को प्रदर्शित करते हैं; मूल प्रतिक्रियाओं की गुंजाइश • आकलन के लिए उपयुक्त मानदंड विकसित करना • छात्र पोर्टफोलियो का आयोजन और योजना बनाना और पोर्टफोलियो मूल्यांकन के लिए रूब्रिक विकसित करना • सीखने को आगे बढ़ाने के लिए मूल्यांकन प्रतिक्रिया का उपयोग करना।	6
UNIT-V डेटा विश्लेषण, फ़ीडबैक और रिपोर्टिंग	• रचनात्मक मूल्यांकन के एक अनिवार्य घटक के रूप में प्रतिक्रिया • फीडबैक के लिए मूल्यांकन का उपयोग; शैक्षणिक निर्णय लेने के लिए • शिक्षक प्रतिक्रिया के प्रकार (लिखित टिप्पणियाँ, मौखिक); श्रेष्ठ जन प्रतिपुष्टि • अंकों का स्थान, ग्रेड और गुणात्मक विवरण • व्यापक शिक्षार्थी प्रोफ़ाइल का विकास और रखरखाव • रिपोर्टिंग के उद्देश्य: संवाद करने के लिए • शिक्षार्थी की प्रगति और रूपरेखा • आगे के शैक्षणिक निर्णयों के लिए आधार • एक समेकित शिक्षार्थी प्रोफ़ाइल की रिपोर्ट तैयार करना।	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Asthana,Biptn&Agrawal,R. N	Mapan ewam moolyankan	Vinod PustakMandir, Agra
Asthana,BipinandAgrawal,R.N	Measurement and Evaluation In Psychology and Education,	Vinod Pustak Mandir, Agra
Bhagwan,Mahesh)	Shiksha mein Mapan ewam moolyannkan	Vinod Pustak Mandir, Agra
Lindeman,R.H.anndMerenda,P.F	Educational Measurement	Scottforeman&Company,London
Rawat,D.L	ShaikshlkMapan ki NaveenRooprekha,	GayaPrasadand Sons, Agra
Sharma,R.A	Measurement and Evaluation In Education and psychology	LyallBook DepotMerrut
Sharma	Shiksha Tatha Manovigyan mai mapan Evam moolyankan	LyallBook Depot, Merrut
Verma R.S	ShaikshikMoolyankan	VinodPustakMandir.Agra.
	CBSE Grading system	

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Centrel Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION				
PROGRAM:B.ED. SYLLABUS		CLASS: (SEMESTER IV)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:	ELECTIVE GROUP- II COMPUTER EDUCATION कंप्यूटर शिक्षा			
1.	PROGRAM CODE	0801		
2.	COURSE CODE	BED. 403 A		
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER IV		
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• छात्र आधुनिक तकनीकी समाज के संदर्भ में कंप्यूटर शिक्षा की भूमिका की सराहना कर सकेंगे, • छात्र शिक्षा में कंप्यूटर और उनके अनुप्रयोग की समझ विकसित करने में सक्षम होंगे, • छात्र स्कूल स्तर पर स्वतंत्र रूप से कंप्यूटर प्रदान करने की दृष्टि से कंप्यूटर को संभालने का पर्याप्त ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम होंगे, • छात्र कंप्यूटर आधारित शिक्षण पैकेज का उपयोग करने और प्रभावी कक्षा निर्देश व्यवस्थित करने में सक्षम होंगे, • छात्र आधुनिक वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर के उपयोग में आवश्यक कौशल हासिल करने में सक्षम होंगे, • छात्र सरल डेटाबेस बनाने और प्रबंधित करने और कंप्यूटर को संभालने का कौशल विकसित करने में सक्षम होंगे		
5.	CREDIT VALUE	4		
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL -20	
			EXTERNA- 80	

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	**TOPICS** प्रकरण	**NUMBER OF LECTURES**
UNIT-I • कंप्यूटर और उपयोग की बुनियादी बातें	• सूचना प्रौद्योगिकी का महत्व • प्रौद्योगिकी, प्रकार और आकार के आधार पर कंप्यूटरों का वर्गीकरण। • कंप्यूटर का उपयोग और दायरा • कंप्यूटर की मूल बातें। • इनपुट/आउटपुट डिवाइस, • सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट स्टोरेज डिवाइस, • ऑपरेटिंग सिस्टम • अनुप्रयोग प्रक्रिया सामग्री।	8
UNIT-II आधुनिक ऑपरेटिंग सिस्टम का अवलोकन	फ़ाइलें और फ़ोल्डर · पॉइंटिंग उपकरणों का उपयोग ·कार्ट और पेस्ट करें · अनुप्रयोगों के लिए शॉर्टकट · भंडारण उपकरणों की सामग्री का उपयोग और खोज करना- फ़्लिपी डिस्क, ड्राइव, हार्ड डिस्क, सीडी रॉम आदि। · चल रहे अनुप्रयोग और बाहर निकलने वाले अनुप्रयोग।	6

UNIT-III • आधुनिक वर्ड प्रसंस्करण अनुप्रयोग:	• शिक्षा में वर्ड प्रोसेसिंग का महत्व • आधुनिक शब्द संसाधन अनुप्रयोगों की विशेषताएं • टूलबार और मेनू • टेक्स्ट और ऑब्जेक्ट • टेक्स्ट एंट्री-चल रहा टेक्स्ट और पैराग्राफ • टेक्स्ट को फॉर्मेट करना- बोल्ड, इटैलिक, सेंटर और राइट, जस्टिफिकेशन, चैंजिंग फॉन्ट और फॉन्ट साइज, बुलेट्स और नंबरिंग। • टेक्स्ट का संपादन- टेक्स्ट का चयन करें, ढूंढें और बदलें, काटें, कॉपी करें और पेस्ट करें। • डुओक्यूमेंट का संपादन- शैलियों को लागू करना, वर्तनी जांच, श्रोता और पाद लेख, फुटनोट, पेजिनेशन, सबस्क्रिप्ट और सुपरस्क्रिप्ट। • वस्तुओं, चित्रों, प्रतीकों, क्षेत्रों, पृष्ठ विराम और अनुभाग का सम्मिलन, • पेज सेटअप - मार्जिन, कागज़ का आकार और लेआउट. दस्तावेज़ों को प्रिंट करना और सहेजना।	8
UNIT-IV आधुनिक डेटा बेस प्रबंधन अनुप्रयोग:	• शिक्षा में डाटा बेस प्रबंधन का महत्व, • आधुनिक डेटा बेस प्रबंधन अनुप्रयोगों की विशेषताएं, • संबंधपरक डेटा बेस प्रबंधन प्रणाली की अवधारणा, • फ़ील्ड का नाम, प्रकार , चौड़ाई • डेटाबेस, • प्रपत्र, • रिपोर्ट।	6
UNIT-V हर्षित सीखने के लिए कंप्यूटर	• आनंदमयी शिक्षा की आवश्यकता, • आनंदपूर्ण सीखने के लिए एक सहायक के रूप में कंप्यूटर, • कंप्यूटर गेम, • आधुनिक डेस्क टॉप कंप्यूटरों की मल्टीमीडिया क्षमताएं, • इंटरनेट-महत्व और आवश्यकता,	8

	• इंटरैक्टिव और शैक्षिक सॉफ्टवेयर का उपयोग.	

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Admas,D.M	Computer and Teacher Training.	
Bhatnagar,S.C.&Ramani,K.V	Computers and Information management	
	CO-ROM-Titlesavailablea cyber media35(4bays)	EchelonInstitutionalarea,
Desai, B	Database Managementsystem	
Rajaram,V	Fundamentals of computers	Prentice Hall of India, new delhi.
	SAM'sTeachYour self Office 97 in 24 hrs	Prentice Hall ofIndia, newdelhi.
Shelly,John andHuntRoger	Computerstudies-firstcourse(secondedition),	A.H.Wheeler&Co., Delhi.
	Windows 96: simplified	Complexpublishing, New Delhi.
	Windows 98; Noexperience required	BPBPublications, New Delhi

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION			
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER IV)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	INCLUSIVE EDUCATION समावेशी शिक्षा		

1.	PROGRAM CODE	0801
2.	COURSE CODE	BED. 403 B
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER IV
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विकलांग बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न दृष्टिकोणों का ज्ञान प्रदर्शित करना; • विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के प्रति दृष्टिकोण में सुधार लाना; • विविधता वाले बच्चों की जरूरतों की पहचान करना; • कक्षा में विभिन्न योग्यताओं वाले सभी बच्चों के लिए आवश्यकता-आधारित कार्यक्रमों की योजना बनाएं; • कक्षा में मानव और भौतिक संसाधनों का उपयोग करेंगे • समावेशी कक्षाओं में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने में कौशल को शामिल करते हुए विशिष्ट रणनीतियों का उपयोग करेंगे • उपयुक्त शिक्षार्थी के अनुकूल मूल्यांकन प्रक्रियाओं को संशोधित करेंगे • विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा पर प्रतिक्रिया देने के लिए नवीन प्रथाओं को शामिल करना;
5.	CREDIT VALUE	4
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100 / INTERNAL :20 / EXTERNAL:80

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Unit I • विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा में प्रतिमान	❖ ऐतिहासिक दृष्टिकोण और समसामयिक रुझान ❖ नि:शक्तता देखने के दृष्टिकोण: धर्मार्थ मॉडल, जैव केंद्रित मॉडल, कार्यात्मक ❖ मॉडल और मानवाधिकार मॉडल ❖ विशेष शिक्षा, एकीकृत शिक्षा और समावेशी शिक्षा की अवधारणा; समावेशी शिक्षा का दर्शन।	6

Unit II **• कानूनी और नीतिगत दृष्टिकोण**	➢ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय घोषणाएं/सम्मेलन/घोषणाएं - बिवाको मिलेनियम फ्रेमवर्क (बीएमएफ, 1993-2012); सलामांका वक्तव्य और कार्रवाई की रूपरेखा की सिफारिशें, 1994; विकलांग व्यक्तियों के अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में शैक्षिक प्रावधान (यूएनसीआरपीडी), 2006; ➢ संवैधानिक प्रावधान; विकलांग व्यक्ति (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 (पीडब्ल्यूडी अधिनियम); भारतीय पुनर्वास परिषद अधिनियम, 1992 (आरसीआई अधिनियम); और ऑटिज्म, सेरेब्रल पाल्सी, मानसिक मंदता और एकाधिक विकलांगता अधिनियम, 1999 के साथ व्यक्तियों के कल्याण के लिए राष्ट्रीय ट्रस्ट; आरटीई अधिनियम, 2009। ➢ राष्ट्रीय नीति - शिक्षा पर राष्ट्रीय नीति में विकलांग छात्रों की शिक्षा, 1968, 1986, पीओए (1992); राष्ट्रीय विकलांगता नीति में शिक्षा, 2006। ➢ विकलांग बच्चों की शिक्षा के कार्यक्रम और योजनाएं: विकलांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा के लिए केंद्र प्रायोजित योजना (आईईडीसी), 1974; PIED (1986) और जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (DPEP); विकलांग बच्चों के लिए समावेशी शिक्षा योजना (आईईडीसी, 2000), सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए, 2000) के तहत विशेष फोकस समूहों की शिक्षा; शिक्षा में विकलांग बच्चों और युवाओं को शामिल करने के लिए व्यापक कार्य योजना में लक्ष्य और रणनीतियाँ, एमएचआरडी, 2005, माध्यमिक विद्यालय में विकलांगों के लिए समावेशी शिक्षा की योजना (आईईडीएसएस, 2009)। ➢ विकलांग बच्चों की शिक्षा के लिए संस्थानों की विशेष भूमिका भारतीय पुनर्वास परिषद, राष्ट्रीय विभिन्न विकलांग संस्थान, समग्र क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी), जिला विकलांगता पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी); एसएसए, नेशनल ट्रस्ट और एनजीओ के तहत बीआरसी, सीआरसी जैसी संरचनाएं।	10
Unit III **विशेष आवश्यकताओं को परिभाषित करना**	• विविधताओं को समझना-अवधारणाएं, विशेषताएं, विविधता वाले बच्चों का वर्गीकरण (दृश्य हानि, श्रवण हानि, विशिष्ट सीखने की कठिनाइयां, लोकोमोटर और न्यूरोमस्क्यूलर डिसऑर्डर, मानसिक मंदता, ऑटिज़्म, कुष्ठ रोग से ठीक व्यक्ति, मानसिक बीमारी और एकाधिक विकलांगता) • विभिन्न अक्षमताओं और उनकी सीखने की शैलियों के संदर्भ में	8

	पाठ्यक्रम के संदर्भ में विशेष आवश्यकताएं • एक समावेशी स्कूल की अवधारणा - बुनियादी ढांचा और पहुंच, मानव संसाधन, विकलांगता के प्रति दृष्टिकोण, पूरे स्कूल का दृष्टिकोण समुदाय आधारित शिक्षा।	
Unit IV **सभी के लिए कक्षाओं में समावेशी अभ्यास**	• सीखने की कठिनाइयों को दूर करने के लिए स्कूल की तैयारी • बच्चों की प्रोफाइल जानने के लिए उनका आकलन • तकनीकी उन्नति और उसका अनुप्रयोग - विभिन्न अक्षमताओं के लिए आईसीटी, अनुकूली और सहायक उपकरण, उपकरण और अन्य प्रौद्योगिकियां • कक्षा प्रबंधन और संगठन • अधिगम को अधिक अर्थपूर्ण बनाना - विषयवस्तु, पाठ्यचर्या अनुकूलन, पाठ योजना और टीएलएम में अंतर करने के लिए रणनीतियाँ विकसित करके विशेष आवश्यकताओं पर प्रतिक्रिया • छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों पर प्रतिक्रिया करने के लिए शैक्षणिक रणनीतियाँ: कक्षा में सहकारी शिक्षण रणनीतियाँ, सहकर्मी शिक्षण, सामाजिक शिक्षा, मित्र प्रणाली, चिंतनशील शिक्षण, बहुसंवेदी शिक्षण, आदि। • कक्षा में विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक सहायक सेवाएं - विशेष शिक्षक, भाषण चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, व्यावसायिक चिकित्सक और परामर्शदाता • शिक्षार्थी के अनुकूल मूल्यांकन प्रक्रियाओं का विकास और अनुप्रयोग; अपने राज्य में सीबीएसई और बोर्ड द्वारा परीक्षा के लिए विभिन्न प्रावधान • दस्तावेज़ीकरण, रिकॉर्ड रखने और रखरखाव।	8

Unit V **•समर्थन नेटवर्क विकसित करना**	• कक्षा के सामाजिक वातावरण को संबोधित करना • बच्चे से बच्चे का कार्यक्रम • शिक्षण में भागीदारी विकसित करना: शिक्षक और विशेष शिक्षक; शिक्षक और सह-शिक्षण कर्मचारी; माता-पिता भागीदार के रूप में - स्कूल और घर के बीच सकारात्मक संबंध विकसित करना • शिक्षकों के समर्थन के स्रोत के रूप में सामुदायिक संसाधनों को शामिल करना • नेटवर्किंग के लिए बाहरी एजेंसियों को शामिल करना - पेशेवरों और पैरा पेशेवरों के साथ संचार के उपयुक्त रूप स्थापित करना • पूर्व-विद्यालय कार्यक्रमों, पूर्व-व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सामाजिक सुरक्षा, विभिन्न प्रावधानों, रियायतों आदि के पारस्परिक समर्थन के लिए संपर्क करना।	8

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
Bender, W.N. L	Learning Disability, Allyn & Bacon, Simon and Schuster,	1995, Boston London
Dunn., L & Bay, D.M (ed.):	Exceptional Children in the Schools, New York : Holt, Rinehart,	Winston
Jorden, Thomes E	. The Exceptional Child,	Ohio: Merrill
Hewett, Frank M. & Foreness Steven R.,	Education of Exceptional Learners, Allyn & Bacon,	Masachusetts, 1984.
Shanker, Udey:	Exceptional Children, Jullundur: Sterling Publications	
. Strange, Ruth	: Exceptional Children & Youth J.J. :	Prentice Hall.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM

	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION				
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS		CLASS: (SEMESTER IV)	YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT:		TEACHING OF VALUES मूल्य शिक्षा		
1.	PROGRAM CODE	0801		
2.	COURSE CODE	BED. 403 C		
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER IV		
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• प्रकृति और प्रकृति के स्रोतों, और अवमूल्यनों को समझने के लिए। • विभिन्न प्रकारों के अंतर्गत मूल्यों के वर्गीकरण को समझना। • लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शैक्षिक मूल्यों की सराहना करें • छात्र मूल्यों के सामाजिक और पारिस्थितिक निर्धारकों को समझते हैं-शिक्षा पर उनके प्रभाव अलग-अलग डिग्री में। • मूल्यों की प्राप्ति के स्तर, दैनिक जीवन में मूल्यों के बीच संघर्ष को कैसे सुलझाया जाए।		
	CREDIT VALUE	4		
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 100	INTERNAL -20	
			EXTERNA- 80	

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
UNIT	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
UNIT-I मूल्यों की प्रकृति और स्रोत	• मूल्यों की प्रकृति और स्रोत, मूल्यों के जैविक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और पारिस्थितिक निर्धारक - विभिन्न डिग्री में शिक्षा पर उनका असर।	6
UNIT-II मूल्यों में मानों का वर्गीकरण	• विभिन्न प्रकारों, भौतिक, सामाजिक, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों में मानों का वर्गीकरण; मूल्यों की स्थिति, शिक्षा के माध्यम से इन्हें कैसे साकार	6

	किया जा सकता है।	
UNIT-III संगत मान	• मूल्यों के अनुरूप बुराइयाँ या अवमूल्यन हैं- भौतिक, सामाजिक, आर्थिक, नैतिक और धार्मिक बुराइयाँ जो अविश्वास और बेअदबी की ओर ले जाती हैं: शिक्षा इन नकारात्मक मूल्यों को कैसे दूर कर सकती है।	6
UNIT-IV मूल्यों की प्राप्ति और संघर्ष	• मूल्यों की प्राप्ति के स्तर, मूल्यों के बीच संघर्ष को कैसे सुलझाया जाए, शिक्षा में निहित मूल्यों के मूल्यों के एकीकरण के लिए कैसे काम किया जाए। • व्यक्तिगत और जीवनपर्यंत प्रक्रिया के रूप में मूल्यों का विकास-शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में मूल्यों का शिक्षण।	6
UNIT-V • मूल्य पहचान और मूल्यांकन	• यह मूल्यांकन करना कि शिक्षक और अन्य स्कूल कर्मी मूल्य से भरे हैं, छात्र और माता-पिता मूल्य से भरे हैं, पाठ्यक्रम मूल्य से भरा है मूल्यांकन करें। • आत्म-बलिदान का मूल्य बनाम आत्म-केंद्रितता का मूल्य। • उत्कृष्टता के मूल्य बनाम पर्यावरण-केंद्रीयता के मूल्य। • काम के मूल्य बनाम स्वार्थ के मूल्य। • प्रत्येक शिक्षक या सभी शिक्षक को मूल्यों की शिक्षा देनी चाहिए।	6

PART C: LEARNING RESOURCES (BOOKS RECOMMENDED)		
AUTHOR	**TITLE**	**PUBLISHER**
Hassh,IR.H.Miller.J.R&fieding G D	ModelsofmoralEducation	AnAppraisal,LorigmanIncNew York.
Passi,B.K.&Singh, p	Value Education	NationalPsychological Corporation. Agra.
Laths,L.E., Menu Harmins&Sydney. S	value and Teaching	Menhill, Ohio
Rocleach, M.	The Nature of humanValues.	Coiler Mc MilonPublisher,London
Frank&. JR.	How to teachValue	AnalyticalApproach PrenticeHall, New Jersey.

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	
	N List National library & Information Service (subscribe) (Shodh Sindhu)
	NDL National Digital Library Central Govt. Ministry of Education (Devlop by Khadgpur.)

PART-A INTRODUCTION				
PROGRAM: B.ED. SYLLABUS	CLASS: (SEMESTER IV)		YEAR: 2022	SESSION: 2022-24
SUBJECT	PRACTICAL प्रायोगिक			
1.	PROGRAM CODE	0801		
2.	COURSE CODE	BED.404. 405. 406		
3.	COURSE TITLE	B.Ed. SEMESTER IV practical		
4.	COURSE LEARNING OUTCOME	• विद्यार्थी को यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि विभिन्न कौशलों का उपयोग कैसे किया जाता है। • प्रभावी शिक्षण कौशल का चयन कैसे करें। • स्कूल के अनुभव और वास्तविक स्थिति में उनके उपयोग। • शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में शारीरिक परीक्षण का उपयोग। • विद्यार्थियों को विभिन्न खेलों के नियमों की जानकारी होनी चाहिए। • दैनिक जीवन में योगासन का प्रयोग करें।		
5.	CREDIT VALUE	4		
6.	TOTAL MARKS	MAXIMUM MARKS: 200	INTERNAL : 50 (404)	
			EXTERNAL: 50+100 (405,406)	

PART B- CONTENT OF COURSE पाठ्यक्रम सामग्री		
Work	TOPICS प्रकरण	NUMBER OF LECTURES
Training in yoga and Sport: **BED 404 (Internal)** **Psycho- Metric Assessment** **BED 405 (External)**	**Training in yoga and Sport: BED 404 (Internal)** • **योग (कोई भी 5 आसन) पर एक प्रोजेक्ट रिकॉर्ड फ़ाइल तैयार करें और** • **खो-खो और कबड्डी। (इतिहास, नियम, मैदान)** **या** • **एथलीट खेल।** **Psycho- Metric Assessment BED 405 (External)** ➢ किसी भी स्कूल विषय में योग्यता परीक्षा (अनिवार्य) ➢ बच्चे के समस्यात्मक व्यवहार को मापने के लिए केस स्टडी ➢ किसी भी स्कूल विषय में उपलब्धि परीक्षण केवल कठिनाई स्तर के निष्कर्षों के साथ (अनिवार्य)	14

	➢ मूल्य परीक्षण ➢ रीजनिंग एबिलिटी टेस्ट ➢ भावनात्मक बुद्धिमत्ता का परीक्षण (EIS) ➢ सीखने का स्थानांतरण ➢ ध्यान की अवधि **Note:** at least 6 practicals have to be conducted. Out of which 2 is compulsory. **Note:** • वार्षिक साइकोमेट्रिक प्रायोगिक परीक्षा के दौरान प्रशिक्षु के साथ "विषय" का उपस्थित होना अनिवार्य है	
Viva- voce on teaching experience **BED 406 (External)**	**Viva- voce on teaching experience BED 406 (External)** During Annual Teaching Viva voce Practical Exam, it is compulsory to produce all teaching related work from Semester I to III.	

AUTHOR	TITLE	PUBLISHER
NCERT	NATIONAL LIBRARY OF EDUCATIONAL AND PSYCHOLOGICAL TESTS (NLEPT)	National Council of Educational Research and Training
L N Dubey	Moral Value test	Jbalpur
Dr. A K Sing & Sengupta	GCAT	National psychology cor. Agra
Dr C R Rao & Naggappa	Science aptitude test	National psychology cor. Agra
P Shrinivasn all	Emotional Inteligence scale E	NPC Agra
A K Singh & Shruti	Emotional Inteligence scale H/E	NPC Agra

SUGGESTED DIGITAL PLATFORM	

Internship Guide line इंटर्नशिप दिशानिर्देश

भूमिकाओं का विवरण:

इंटर्न वे छात्र हैं जो अपने विषय में स्नातक हैं, और शिक्षक शिक्षा विभाग में स्नातक पाठ्यक्रम लेते समय अपने शिक्षण अभ्यास पर अनुभवी सलाहकार शिक्षकों के साथ काम करते हुए चार महीने बिता रहे हैं।

मेंटर: शिक्षक अनुभवी स्कूल शिक्षक होते हैं जो इंटर्न का मार्गदर्शन करते हैं। वे समर्थित अभ्यास के लिए मार्गदर्शन, अंतर्दृष्टि और अवसर प्रदान करते हैं।

पर्यवेक्षकों के लिए स्कूल के अनुभव का निर्धारण करने, कठिन परिस्थितियों में मध्यस्थता करने और स्कूलों में और कार्यक्रम की आवश्यकताओं के संबंध में इंटर्न की प्रगति की निगरानी करने के लिए पर्यवेक्षक स्कूल प्रशासकों / सलाहकारों के साथ काम करते हैं। वे संकाय हैं जो प्रत्येक विषय क्षेत्र में परिसर आधारित व्याख्यान और सेमिनार आयोजित करते हैं। वे परिसर में और बाहर इंटर्न के लिए पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

इंटर्न जिम्मेदारियां:

इंटर्न शिक्षण के छात्र हैं। पारंपरिक छात्र शिक्षण कार्यक्रमों के विपरीत, इंटर्न से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे अपने दम पर पढ़ाने के लिए तैयार वर्ष की शुरुआत करें। इसके बजाय, उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने गुरु शिक्षकों के साथ अवलोकन, सह-योजना और सह-शिक्षण में संलग्न हों और सेमेस्टर के दौरान विस्तारित नेतृत्व शिक्षण की जिम्मेदारी संभालने की अपनी क्षमता का निर्माण करें।

इंटर्न छात्रों से पेशेवर शिक्षकों के लिए संक्रमण की अवधि में हैं। इस संक्रमण के दौरान, जब वे शिक्षक की नई और अपरिचित भूमिका निभाते हैं, तो उन्हें एक शिक्षार्थी के दृष्टिकोण को बनाए रखना चाहिए। इंटर्न से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने स्वयं के सीखने में सक्रिय भूमिका निभाएं और साथी इंटर्न के सीखने में योगदान दें।

योजना और संचार

- पर्यवेक्षक को कक्षा के कार्यक्रम और कार्यक्रमों के बारे में सूचित रखें
- पर्यवेक्षकों या संरक्षक से सीधे प्रश्न या चिंताएं
- मेंटर के साथ टिप्पणियों और सम्मेलनों को शेड्यूल करें और पर्यवेक्षक को परिवर्तनों के बारे में

तुरंत सूचित करें

- निर्देश की योजना पर चर्चा करने के लिए नियमित रूप से गुरु से मिलें
- संरक्षक शिक्षक और पर्यवेक्षक दोनों की अपेक्षाओं के अनुसार लिखित पाठ और इकाई योजना तैयार करें
- सभी योजनाओं और सामग्रियों को समय-समय पर मेंटर के साथ साझा करने की व्यवस्था करें, ताकि उनका उपयोग करने से पहले फीडबैक की अनुमति मिल सके
- फोकस क्लास बाइंडर को योजनाओं और सामग्रियों के साथ अद्यतित रखें और सुनिश्चित करें कि यह हर समय संरक्षक और पर्यवेक्षक के लिए सुलभ है
- आकाओं और/या पर्यवेक्षकों द्वारा आवश्यक चिंतनशील डायरी लेखन या अन्य संचार मंचों में शामिल हों
- सलाहकार/पर्यवेक्षक को योजनाओं और सामग्रियों की प्रतियाँ प्रदान करें
- प्रगति और चिंताओं के बारे में मेंटर शिक्षक और पर्यवेक्षक से नियमित रूप से बात करें

व्यावसायिक गतिविधियाँ

- **सेमिनार की तैयारी करें और उसमें भाग लें**
- **अभिविन्यास गतिविधियों, संकाय बैठकों और स्कूल के अन्य कार्यक्रमों में भाग लेना**
- **स्कूल के शिक्षकों, कर्मचारियों और प्रशासकों से परिचय शुरू करें**
- **संरक्षक शिक्षक (शिक्षकों) और पर्यवेक्षक के लिए सटीक संपर्क जानकारी बनाए रखें**
- **अनुपस्थिति के मामले में, प्रभावित सभी को तुरंत सूचित करें, अर्थात अनुपस्थिति से पहले**
- **स्कूल की अनुपस्थिति की नीतियों का पालन करें और अनुपस्थिति के दौरान पाठ पढ़ाने के लिए निर्धारित होने पर वैकल्पिक शिक्षक योजनाएं उपलब्ध कराएं**
- **इंटर्नशिप उपस्थिति नीति का पालन करें**
- **पेशेवर पोशाक**
- **पेशेवर आचरण नीति का पालन करें**
- **किसी भी अंशकालिक नौकरी के लिए कार्य अनुसूची के बारे में सलाहकार शिक्षक और पर्यवेक्षक से परामर्श लें और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य कार्यक्रम की व्यवस्था करें**

व्यक्तिगत शिक्षा

· प्रश्न पूछने, संसाधनों की खोज करने, प्रतिक्रिया आमंत्रित करने और सीखने के अवसर पैदा करने में पहल करें।

· चर्चा और असाइनमेंट के माध्यम से शिक्षण और सीखने पर विचार करें

· एक पेशेवर पोर्टफोलियो तैयार करें (चिंतनशील डायरी)

· शिक्षकों और छात्रों को ध्यान से देखें, नोट्स लें और प्रश्न पूछें

· अध्ययन और कक्षा सीखने वाले समुदाय के गठन और रखरखाव में भाग लेना

· वर्ष की शुरुआत सह-योजना और सह-शिक्षण पाठों और गतिविधियों की, स्वतंत्र योजना और शिक्षण की ओर बढ़ते हुए जैसे-जैसे वर्ष आगे बढ़ता है

संरक्षक शिक्षक जिम्मेदारियां

योजना और संचार

· कार्यक्रम मानकों के अनुसार इंटर्न और पर्यवेक्षक के साथ इंटर्न जिम्मेदारियों के एक क्रम पर बातचीत करें

इंटर्न को एक रूपरेखा या विषयों की सूची प्रदान करें, इंटर्न शिक्षण के लिए जिम्मेदार होगा, इंटर्न को संसाधनों का पता लगाने, योजना बनाने, संरक्षक शिक्षक और पर्यवेक्षक से प्रतिक्रिया प्राप्त करने और संशोधित करने के लिए अतिरिक्त समय की अनुमति देगा।

· इकाई नियोजन के बारे में इंटर्न को प्रदान करने के लिए नियमित समय की स्थापना करें और बड़े विचारों और उपयुक्त पाठ्यचर्या सामग्री की पहचान करने के लिए सहायता प्रदान करें

· पाठ्यचर्या में उन स्थानों की पहचान करने में सहायता करें जहां प्रशिक्षु संगोष्ठियों में सीखे गए विचारों को आजमा सकते हैं

· प्रगति और चिंताओं के बारे में पर्यवेक्षक से नियमित रूप से बात करें

· सुबह की सभा से शाम की सभा तक सभी स्कूल गतिविधियों में भाग लें

इंटर्न लर्निंग का समर्थन करना

· प्रेक्षण से सह-योजना और सह-शिक्षण से लेकर अध्यापन का नेतृत्व करने तक इंटर्न की प्रगति को सुगम बनाना और उसकी निगरानी करना

· अन्य शिक्षकों के साथ काम करने, एक सभा के दिन कक्षाओं से निपटने आदि जैसे दैनिक स्कूल-

आधारित अनुभवों के माध्यम से इंटर्न का मार्गदर्शन करें।

- पूरे साल उपयुक्त, कक्षा-आधारित सीखने के अवसर प्रदान करें।
- इंटर्न के साथ यथाशीघ्र सह-शिक्षक के रूप में कार्य करें, निर्णयों और टिप्पणियों को साझा करें
- इंटर्न के शिक्षण का निरीक्षण करें और इंटर्न को छात्र की समझ, वैकल्पिक दृष्टिकोण, समूहीकरण, प्रबंधन आदि के बारे में सोचने में मदद करें।
- इंटर्न को लिखित प्रतिक्रिया सहित उनके शिक्षण के बारे में मौखिक और लिखित प्रतिक्रिया प्रदान करें
- इंटर्न के साथ शिक्षण, छात्र सीखने और सेमिनारों में अध्ययन किए गए विचारों और रणनीतियों के बारे में सोचें।

मूल्यांकन

- मूल्यांकन सम्मेलनों में भाग लें
- इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंत में एक निकास प्रदर्शन विवरण लिखें और जमा करें
- प्रशिक्षुओं को शिक्षकों के रूप में अपने करियर के बारे में सोचने में मदद करें और पोर्टफोलियो की समीक्षा, वीडियो टेपिंग, सिफारिश पत्र लिखने आदि में सहायता करें।
- *पर्यवेक्षक की जिम्मेदारियां*
- *बैठकें, अवलोकन दौरे, और आकलन*
- इंटर्न और संरक्षक शिक्षकों को लिखित मूल्यांकन की प्रतियां प्रदान करें
- उपयुक्त समय पर इंटर्न और संरक्षक शिक्षक के साथ पांच फीडबैक सत्र आयोजित करें
- प्रतिभागियों को सत्र के लिए यह समझाकर तैयार करें कि क्या लाना है और विषयों पर चर्चा करना है
- एक सप्ताह के दौरान कम से कम पांच अवलोकन दौरे करें
- फीडबैक सत्र से पहले लिखित आकलन तैयार करें, अपने इंटर्न के विषय क्षेत्र के लिए उपयुक्त फॉर्म का उपयोग करें, और सम्मेलन में इंटर्न और संरक्षक शिक्षक के लिए प्रतियां प्रदान करें।
- इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंत में एक निकास प्रदर्शन विवरण लिखें और जमा करें

संचार

- प्रशिक्षुओं, संरक्षक शिक्षकों और इंटर्नशिप से जुड़े अन्य लोगों के बीच संचार की सुविधा प्रदान करें
- प्रत्येक इंटर्न के साथ नियमित रूप से संवाद करें, कम से कम हर दूसरे दिन
- प्रत्येक संरक्षक शिक्षक के साथ नियमित रूप से संवाद करें
- इंटर्न की प्रगति और समस्याओं के बारे में विषय क्षेत्र के नेताओं के साथ अनुसूचित के रूप में नियमित रूप से संवाद करें
- अवलोकन यात्राओं के बारे में विस्तृत नोट्स और लिखित प्रतिक्रिया के साथ इंटर्न और संरक्षक शिक्षक प्रदान करें
- सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षु और संरक्षक अपेक्षाओं और कार्यक्रम मानकों को स्पष्ट रूप से समझते हैं
- कार्यक्रम के विकास के बारे में सूचित रखें और इस जानकारी को इंटर्न और सलाहकारों को तुरंत दें
- जानें कि प्रश्नों को कहां निर्देशित करना है और जितनी जल्दी हो सके उत्तरों को रिले करना है

- •पर्यवेक्षक द्वारा इंटर्न लर्निंग का समर्थन
- · इंटर्न के शिक्षण का निरीक्षण करें और प्रत्येक देखे गए पाठ की योजना और शिक्षण के बारे में बताएं
- · प्रत्येक देखे गए पाठ के लिए रचनात्मक लिखित और मौखिक प्रतिक्रिया प्रदान करें
- · इंटर्न की विशिष्ट आवश्यकताओं की पहचान करें और इंटर्न और संरक्षक शिक्षक के साथ उन पर काम करें
- · विषय क्षेत्र के नेता को समस्याओं के बारे में तुरंत सूचित करें
- · इंटर्न को सामग्री पर फीडबैक देकर, वीडियो टेपिंग आदि में सहायता करके अपने पोर्टफोलियो को विकसित करने में मदद करें
- · तारीख, प्रेक्षित प्रगति, किए गए सुझावों और की गई कार्रवाइयों सहित सभी प्रेक्षण यात्राओं का नोट रखें
- · इंटर्न और संरक्षक शिक्षकों के साथ सभी संचार के नोट्स रखें
- · इंटर्न कार्य के उदाहरण प्रगति या समस्याओं के सूचक रखें

- · सभी लिखित मूल्यांकनों और व्यावसायिक विकास योजनाओं की प्रतियां रखें
- विभाग प्रमुख को मूल्यांकन रिपोर्ट और व्यावसायिक विकास योजनाएं जमा करें
- यह इंटर्न के क्षेत्र के अनुभव पर प्रकाश डालता है जो इंटर्नशिप वर्ष के अनुभव के समग्र डिजाइन में योगदान देता है। कक्षा के समय के अन्य विन्यास वाले स्कूलों में, प्रशिक्षुओं और सलाहकारों को अपने क्षेत्र प्रशिक्षकों के साथ चर्चा करनी चाहिए कि पूरे वर्ष में इंटर्न के प्रमुख शिक्षण समय को कैसे वितरित किया जाएगा। किसी भी इंटर्न के प्रमुख शिक्षण कार्यक्रम के प्रमुख पहलुओं में शामिल हैं:
- · स्कूल के शुरुआती या दो सप्ताह के बाद, इंटर्न के पास एक सप्ताह में कम से कम एक कक्षा अवधि के लिए अध्यापन जिम्मेदारी (लेकिन एकमात्र शिक्षण जिम्मेदारी नहीं) होनी चाहिए।
- · प्रशिक्षु नौसिखिए शिक्षक होते हैं जिनके लिए कक्षा से बाहर की तैयारी और चिंतन में अधिक अनुभवी शिक्षकों की तुलना में अधिक समय लगता है। अपने शिक्षण के लिए अच्छी तरह से योजना बनाने और उस पर ध्यान से चिंतन करने के लिए स्कूल के दिन के दौरान नियमित समय रखना इंटर्न के अभ्यास के विकास के लिए महत्वपूर्ण है और निर्देश की गुणवत्ता के लिए जो वे अपने गुरु के साथ साझा करने वाले छात्रों को प्रदान कर सकते हैं। इंटर्न इस समय में से कुछ समय कक्षा के बाहर बिता सकते हैं, और वे इसका कुछ समय मेंटर के शिक्षण के अवलोकन और विश्लेषण में खर्च कर सकते हैं।
- · प्रारंभिक इंटर्नशिप कार्यक्रम में, बढ़ी हुई लीड (एकमात्र) शिक्षण जिम्मेदारियों की छोटी अवधि से पहले और उसके बाद की अवधि होनी चाहिए, जिसके दौरान इंटर्न केवल फोकस वर्ग को पढ़ाने के लिए लौटते हैं। बढ़ी हुई लीड शिक्षण जिम्मेदारी की प्रत्येक अवधि से अगले तक, इंटर्न की योजना, शिक्षण, और/या आकलन पर मांगों में वृद्धि होनी चाहिए।
- · इंटर्न की ऑन-कैंपस कक्षाएं इंटर्नशिप के हर सप्ताह नहीं मिलती हैं। कुछ हफ्तों के दौरान, कक्षाएं नहीं मिलती हैं ताकि इंटर्न सप्ताह के सभी पांच दिनों में अपने प्लेसमेंट स्कूलों में हो सकें। इस समय के दौरान अपने पाठ्यक्रमों के लिए इंटर्न के दायित्व स्कूल या कक्षा में गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं और लंबे समय तक पढ़ने या लिखने के कार्य पर कम ध्यान देते हैं।

FormatB

SCORESHEET FOR REFLECTIONLOG ONFOCUS LESSON

(To be filled by the trainee,based on student reflection)

Name ofthe Trainee:

Duration: **Class:** **Section:**

Unit ofTeaching:

S.N.	CRITERION ON STUDENT RESPONSE	0	1	2	3	4
1	Abilityto identifyspecific and/orvaried instructionalstrategies.					
2	Examplesto supportthe strategy					
3	Connectivityacrossdisciplines					
4	Abilityto identifylearningstyles					
5	Examplesto reflectaccordingtolearningstyles					
6	Abilityto displaypersonal reflections					
7	Examplesreflected in support ofpersonal reflection					
8	Group conformity					
9	Contribution to activity/strategy					
10	Acceptance in group/solo activityorstrategy					

Anyotherremarksbythe trainee:Mentors'remarks:

Mentor's Signature **Trainee's Signature**

FormatC

MENTOR'S EVALUATION REPORT OFTRAINEE

Name ofthe Trainee:.....

Period ofEvaluation:From: .....**to:** .....

Focus Lesson No.: .....

Subject: .....

S.N.	CRITERION	0	1	2	3	4
I	*INSRUCTINALSTRATEGIESUSED-*					
1.	Areappropriateforthetopic/topics					
2.	Hasscopeforlearner engagement					
3.	Hassuitabilityoflearningmaterials					
4.	Assesslearner'sunderstandingthroughoutthelesson					
5.	Haseffectivedisplays					
6.	Areconsistantwiththeobjectives					
II	*LEARNER'S(LEARNINGSTYLES)INCLASS*					
7.	Identificationofpersonalitiesandtalentsoflearners					
8.	Identificationoflearningstylesoflearners					
9.	Ensuringlearnerparticipation					
10.	Identificationoflearner'space					
III	*LEARNINGENVIRONMENT*					
11.	Learnersaremotivated,appreciatedandinvolved.					
12.	Learnersarerelaxedandconfident					
13.	Managementofclassroom					
14.	Teacher–Studentrelationship					
15.	ClassControl					
	OverallPerformance					

Strengths ofthetrainee:
(Mayuse separate papers fordetailed report)

Areas ofImprovement:
(Mayuse separate papers fordetailed report)

Sign.ofMentorwith Name

(FormatD)

Weekly Reflective Diary Format

We learn by doing andreflecting on whatwe do.(JohnDewey)

Use this template to record your observationsweekly.This documentwillbe turned in everyMonday following eachweek in the field.Theweeksyouteachwillhave a different formattofollow.Please notethatyour document will be longer than one page.

Name:

Date:

Analyze your observationsto identify specific teaching and learning strategiesyouobservedinvolving the classroom teachers and their students.Youmayincludeyour behavior ifyouare involved in the teaching process.Include more thanone strategy.

Instructional Strategies(Include more thanone strategy)	Specific example describing howthe strategywasimplemented

Learning Stylesobserved	Specific exampleshowthe learner wassupportedthroughinstructional delivery

1. **Whathaveyou learned about teachingthisweek?**
2. **Whathaveyou observed/learned about students and their learningthisweek?**

Theory base observed	Specific example fromclassroomtoapply/support theory

PersonalReflection:Reflect specifically onsomething youobserved and connect to personalopinions.

(FormatA)

TEACHING REFLECTIVE LOG FORMAT

(This is to be completed daily during the weekly out each.)

- **दिन के उद्देश्य:**

आज की सामग्री:

उपयोग की गई निर्देशात्मक रणनीतियाँ (व्याख्याएँ कि रणनीतियों को कैसे लागू किया गया था):

मैंने क्या अच्छा किया:

मेरे छात्रों ने क्या अच्छा किया:

जो मैंने ठीक से नहीं किया:

क्या छात्रों ने अच्छा नहीं किया:

मैं वही रखूंगा:

मैं क्या बदलूंगा:

मैंने आज शिक्षण के बारे में क्या सीखा?

(यदि आपको छात्रों की मदद करने के लिए अपने पाठ को संशोधित करना था, तो संक्षेप में यहां समझाएं)।

Formate for Nai Talim Lesson Plan

छात्राध्यापककानाम :- _____

शिक्षणशास्त्र :- _____

सेमेस्टर :- _____

कार्यअनुभवपाठयोजना[नईतालिम]

Structure of the Experiential Lesson Plan[Nai Talim]

पाठयोजना क्रं. Date:.....

Class: ..... स्कूल का नाम.....

पाठयोजनाकेसोपान[Steps of Lesson Plan]

1. प्रकरण[Title of the Lesson Plan/Active Lesson Plan]

_____

_____

2. सामान्यउद्देश्य[General Objectives/Goals/Purpose]

A_____

_____

B_____

_____

C_____

_____

D_____

_____

E_____

_____

3. सक्रियउद्देश्य[Active/Specific/ Productivity Objectives [Role of H3]

मस्तिष्क[Head]-

_____

_____

हृदय[Heart]-

_____

_____

हाथ[Hand]-

_____

_____

4. पूर्वज्ञान[Previous Mind/Knowledge/Memory]

_____

_____

_____

5. शिक्षक कीतैयारी[Teacher's Preparation]

शिक्षणसामग्री

[Resources/Material]_____

_____

_____

_____

शिक्षणविधि[Teaching Method](A)

शिक्षणप्रविधि[Teaching Technique] (A)

(B)

शिक्षणसूत्र[Teaching Maxim](A)

(B)

पाठ योजना काहाँ करवाया जाना है [Field/Community/Working Place]

Field ☐ mmunity Sch☐ Campus ☐

6. प्रस्तावना[Introduction]

7. उद्देश्यकथन[Statement of the Aim]

8. प्रस्तुतीकरण [Presentation/Classroom Activity]

महत्वपूर्णगतिविधियां[Performing Activity/key Activity]	**शिक्षककार्य**Teachers [Role/Instructional Area]	**छात्रकार्य**[Students Role/Activity Phase]	**अधिगमकेपरिणाम**[Learning Outcome/Panel Board/Field]

9. पुनरावृति[Recapitulation]

क्र.	छात्राध्यापककाकार्य	छात्रकार्य

10. अनुप्रयोग/ दतकार्य/ परियोजनाकार्य[Application/Assignment/Project Work]

11.आकलनएवंमूल्यांकन[Assessment and Evaluation]

A. विकासमस्तिष्क,हृदय,हाथ[Development of H3 [Head + Heart + Hand]

मस्तिष्क(Head) -

_____

_____

हृदय(Heart) -

_____

_____

हाथ(Hand) -

_____

_____

B. सीखनेकेपरिणामस्वरुपपरिणाम[Learning cum Productive Outcome]

_____

_____

_____

_____

_____

छात्राध्यापककाहस्ताक्षर पर्यवेक्षककाहस्ताक्षर

Formate of Lesson Plan

LESSON PLAN
पाठ योजना

Lesson Plan No.....	Date
.....	
अभ्यास पाठ कमांक	दिनांक .....
School	Class ..... Section
शाला	कक्षा ..... वर्ग .....
.....Subject	Topics
.....	
विषय	प्रकरण .....
उम्र /Age	

सामान्य उद्देश्य (प्रथम दो कार्ययोजना में लिखेगें) :–
General Objectives (only in 1st two lesson) :-

1. Knowledge	I
ज्ञानात्मक	II
2. Under Standing	I
भावात्मक	II
3. Application	I
प्रयोगात्मक	II

Teaching Learing Materials:-

Traditional	
परम्परागत	
Specific	Audio
विशिष्ट शिक्षण सामग्री	श्रव्य
	Visual
	दृष्य
	Audio-Visual
	श्रव्य–दृष्य
	Activities

Previous Knowledge / पूर्व ज्ञान :–

Introduction / प्रस्तावना :–

Skill Used कौशल प्रयोग	Teacher's Activity शिक्षक कार्य	Student's Response छात्र कार्य

Statement of Aim उद्देश्य कथन :–

Methods of Teaching शिक्षण विधि

Techniques of Teaching शिक्षण युक्ति

Maxims of Teaching शिक्षण सूत्र

Presentation प्रस्तुतीकरण :–

Teaching Points शिक्षण बिन्दु	Teacher's Activity शिक्षक कार्य	Student's Response छात्र कार्य	Teaching techniques शिक्षण युक्ति	Black Board Work श्यामपट कार्य

Application / प्रयोगात्मक :–

Teacher,s Activity	Student,s Response	Black Board Work श्यामपट कार्य
Recapitulation Questions पुनरावृत्ति प्रश्न (अधिकतम 15 प्रश्न अनिवार्य)		Class Work /श्यामपट कार्य Application Test Question (Minimum Two types of items is Compulsory) Home Work /गृह कार्य

Reference /संदर्भ :–

.....
Signature of the Observer

.....
Signature of Teacher Trainee